शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● बुधवार, 06 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 9, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 228

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.1	16.0
जमशेदपुर	21.6	20.9
डालटनगंज	26.6	19.3

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * * *

पेज 8-9

इंटरनेशनल

- नाइजीरियाई सेना के ड्रोन हमले में 85 लोग मारे गए
- रूसी गोलाबारी ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर को निशाना बनाया
- पाक चुनाव आयोग ने चुनाव के दिन सेना तैनात करने को कहा
- हेली, रामास्वामी को चौथी बहस के लिए अर्हता प्राप्त हुई

नेशनल

- यूको बैंक आईएमपीएस लेनदेन में सीबीआई ने केस दर्ज किया
- अडाणी का बाजार मूल्यांकन 1.92 लाख करोड़ उछला
- बिहार में पंचायत उपचुनाव की घोषणा को 28 को होगी
- रेलवे कर्मचारी अब मोबाइल ऐप से भी छुट्टी ले सकेंगे

स्टेट

- सौर ऊर्जा के मामले में झारखंड फिसड्डी
- भाजपा के सांसदों की परखी जा रही लोकप्रियता
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज सरायकेला में रहेंगे
- कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 14 से 19 को

स्पोर्ट्स

- हजारे ट्रॉफी : दिल्ली चौथी हार के बाद ग्रुप चरण से बाहर
- राजेश्वरी, विवान ने पहला ट्रैप निशानेबाजी राष्ट्रीय ट्रायल जीता
- हॉकी : अरिजीत की हैट्रिक से भारत ने कोरिया को 4-2 से हराया
- पायल, निशा व आकांक्षा ने जू. विश्व मुक्केबाजी में स्वर्ण जीता

सुर्खियां

किसने क्या कहा

- सीएम पद का दावेदार न पहले था, न अब, पार्टी का फैसला मानूंगा : **शिवराज सिंह चौहान**
- हेमंत सोरेन के रहते झारखंड की जनता सुरक्षित नहीं रह गयी है : **बाबूलाल मरांडी**
- ईवीएम हैक किये जाने से कांग्रेस मध्य प्रदेश में हार गई : **दिग्विजय सिंह**

सर्राफा

सोना (बिक्री)	59,000
चांदी (किलो)	78,000

ब्रीफ खबरें

विपक्ष के एजेंडे से सावधान रहें : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता की खुशफहमी में रह सकते हैं लेकिन लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहना चाहिए क्योंकि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती.

हार के लिए विपक्ष ने ईवीएम पर दोष मढ़ा

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कुछ विपक्षी नेताओं द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाए जाने को लेकर भाजपा नेताओं ने उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि वे (विपक्षी नेता) अपनी कमियों को छिपाने के लिये बहाने तलाश रहे हैं.

विपक्ष ने आर्थिक स्थिति को बताया चिंताजनक

नयी दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को विपक्ष ने दावा किया कि देश की आर्थिक प्रगति से केवल अमीरों को लाभ मिला है और विकास 'बांटने वाला नहीं बल्कि सर्व समावेशी होना चाहिए'. वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री की विभिन्न नीतियों के कारण हुए विकास के चलते विश्व की प्रमुख एजेंसियां भी कहने लगी हैं कि भारत विश्व अर्थव्यवस्था का 'लीडर' बनकर उभर रहा है.

नेहरू की 'गलतियों' को मोदी ने सुधारा

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जम्मू कश्मीर में प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय की गयी 'गलतियों' को सुधारा है और पिछले चार वर्ष में केंद्रशासित प्रदेश में बड़ा बदलाव देखने को मिला है.

'डीपफेक' पर सरकार ने की समीक्षा बैठक

नयी दिल्ली। सरकार ने 'डीपफेक' के मुद्दे से निपटने में कंपनियों की तरफ से किए गए प्रयासों की 'समीक्षा' के लिए मंगलवार को सोशल मीडिया मंचों के साथ एक और बैठक की। सूत्रों ने यह जानकारी दी.

सरोगेसी: सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सरोगेसी कानून के उस प्रावधान को रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका पर विचार करने पर सहमत हो गया जो अविवाहित महिलाओं को सरोगेसी से बच्चे पैदा करने से रोकता है. न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा है.

बिहार कैबिनेट से ईवी नीति को मिली मंजूरी

पटना। बिहार की नीतीश सरकार ने 2028 तक वाहन पंजीकरण में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की हिस्सेदारी 15% करने के लक्ष्य के साथ बिहार इलेक्ट्रिक वाहन नीति- को मंजूरी दी. नीतीश की अध्यक्षता में यहां हुई कैबिनेट की बैठक में इस आशय का निर्णय लिया गया.

जयपुर में करणी सेना के अध्यक्ष की दिनदहाड़े हत्या

1-2 नहीं, मारी 17 गोली

एजेंसियां। जयपुर

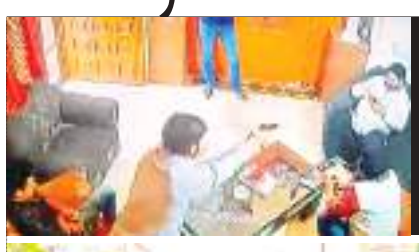

- करणी सेना ने शुरू किया धरना सीसीटीवी से अपराधियों की पहचान
- सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के साथ उनके गनर की भी हुई मौत

लोगों से शांति-धैर्य रखने की अपील

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत ने कहा कि सबको शांति और धैर्य रखना होगा. बीजेपी सरकार के शपथ लेते ही राज्य को अपराधमुक्त करना हमारी प्राथमिकता है. गोगामेड़ी की आत्मा को प्रभु शांति प्रदान करें. परिजनों और समर्थकों- शुभचिंतकों को संबल प्राप्त हो. उधर, राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार चार- पांच हमलावर गोगामेड़ी के घर में घुसे और गोलियां चला दीं. गोलियां लगने से गोगामेड़ी, उनके एक गार्ड और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गए.

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या कर दी गई. सुखदेव सिंह को श्यामनगर में अपने घर में थे. सीसीटीवी फुटेज में सामने आया है कि हमलावर उनके साथ बैठे थे और अचानक फायरिंग शुरू कर दी. इस फायरिंग में सुखदेव सिंह पर 1 या 2 नहीं ताबड़तोड़ 17 गोलियां मारी गईं. उन्हें तत्काल मानसरोवर स्थित अस्पताल में पहुंचाया गया.

डॉक्टरों ने इलाज शुरू किया और कुछ देर बाद ही इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया. सुखदेव सिंह पर फायरिंग के दौरान वहां मौजूद अजीत सिंह भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं. हमले के दौरान सुरक्षा गार्ड की भी गोली लगने से मौत हो गई. हमलावरों ने नवीन सिंह शेखावत को भी गोली मार मौत के घाट उतार दिया उधर, फायरिंग की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है. आसपास के सभी प्रमुख रास्तों पर नाकाबंदी करवाई गई. सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं. इस घटना के बाद पूरे राजस्थान में तनाव फैल गया है. करणी सेना ने जयपुर में धरना शुरू कर दिया है. पुलिस बल स्थिति पर नजर रखे हुए है.

स्कूटी सवार 2 बदमाशों की तलाश : श्याम नगर थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है. पुलिस को स्कूटर सवार दो बदमाशों की तलाश है. दोपहर करीब 1:45 बजे इन बदमाशों ने ही सुखदेव सिंह गोगामेड़ी पर गोलियां बरसाई थीं. राजधानी में चुनावी सरगर्मियों के बीच मंगलवार को इस आपराधिक घटना ने सबको चौंका दिया है. वहीं पुलिस मामले का जल्द खुलासा करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए हाथ-पैर मार रही है.

जानिए पूरा घटनाक्रम

1. दोपहर 1 बजकर 05 मिनट पर 3 व्यक्ति सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के दफ्तर में पहुंचे. करीब 10 मिनट तक तीनों युवकों ने गोगामेड़ी से बातचीत की.
2. दोपहर 1 बजकर 21 मिनट पर अचानक सुखदेव सिंह गोगामेड़ी पर फायरिंग कर दी गई. सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है. गोगामेड़ी के दफ्तर में बातचीत करने के दौरान अचानक दो हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की.
3. ताबड़तोड़ फायरिंग के दौरान पहली गोली सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के सीने पर लगी. इसके तुरंत बाद एक साथ कई गोलियां मारी गई. गोगामेड़ी के जमीन पर लुढ़कने के बाद भी उसके पास में जाकर सिर पर नजदीक से गोली मारी गई.
4. जो तीन व्यक्ति सुखदेव सिंह गोगामेड़ी के दफ्तर में आये थे उनमें से एक शाहपुरा निवासी नवीन सिंह शेखावत था. दो हमलावरों ने जब गोगामेड़ी पर फायरिंग की तब उनके साथ आने वाले नवीन सिंह शेखावत रोकने का प्रयास करता है. इस दौरान दोनों हमलावर नवीन पर भी फायर करते हैं.
5. जिस नवीन सिंह शेखावत के साथ दोनों हमलावर आये थे, उन्हीं हमलावरों ने नवीन सिंह पर फायरिंग की. बताया जा रहा है कि नवीन सिंह शेखावत सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का परिचित था. उसी के साथ हमलावर आये थे.
6. घटनाक्रम के दौरान सुखदेव सिंह गोगामेड़ी का एक गनमैन उसी कमरे में मौजूद था. हमलावर ने उस गनमैन को भी गोली मारी. जमीन पर गिरने के बाद उसे और गोलियां मारी गईं.
7. हत्या के बाद भागने के दौरान दोनों हमलावरों ने एक स्कूटी सवार को गोली मारकर स्कूटी छीन ली और स्कूटी लेकर फरार हो गए. हमलावर काले रंग की स्कॉर्पियो में आये थे. स्कॉर्पियो नवीन सिंह शेखावत चलाकर लाया था. नवीन सिंह की मौत के बाद दोनों हमलावर स्कूटी से भाग निकले.

विवादों से नाता, भंसाली को थप्पड़ मार कर चर्चा में आए गोगामेड़ी

करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की गोली मारकर हत्या हो जाने के बाद जयपुर में सन्नाटा है. सुखदेव गोगामेड़ी राजपूत समाज के संगठन श्री राजपूत करणी सेना के प्रेसीडेंट के पहचान रखते थे. वहीं उनका कई विवादों से भी नाता रहा. गोगामेड़ी सबसे ज्यादा सुर्खियों में तब रहे, जब साल 2017 में फिल्म पद्मावती के शूटिंग जयपुर के नाहरगढ़ फोर्ट में चल रही थी. इस दौरान फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली को उन्हीं के सेट पर जाकर थप्पड़ मार दिया था. सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने इस फिल्म के खिलाफ मोर्चा खोला, तो देशभर में वह चर्चा में आ गए. इसके बाद भंसाली की फिल्म का पूरे देश में विरोध शुरू हो गया. फिल्म को राजस्थान में करणी सेना ने रिलीज भी नहीं होने दिया. इस विरोध से परेशान होकर फिल्म निर्माता ने फिल्म का नाम बदल कर पद्मावत करना पड़ा. राजपूत समाज के युवाओं के बीच इस दौरान सुखदेव सिंह गोगामेड़ी काफी फेमस हो गए थे.

गोगामेड़ी की हत्या से स्तब्ध हूं': केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत

जयपुर में हुए इस हत्याकांड पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रिएक्ट किया है. उन्होंने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के समाचार से स्तब्ध हूं. गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि बीजेपी सरकार के शपथ लेते ही राज्य को अपराधमुक्त करना हमारी अग्रणी प्राथमिकताओं में है. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के समाचार से स्तब्ध हूं. इस संदर्भ में पुलिस कमिश्नर से जानकारी ली है और आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिए कहा है. किसी अपराधी को छोड़ा नहीं जाएगा, अब भाजपा का राज आ चुका है.

चक्रवाती तूफान से भारी तबाही

उत्तरी तटीय तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' के कारण चेन्नई और आसपास के जिलों में सोमवार से हो रही भारी बारिश के कारण मृतकों की संख्या बढ़ कर 12 हो गई है. इसके साथ ही मंगलवार को शहर और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया. -पेज 16 भी देखें

संजय सेठ ने स्वर्णरेखा नदी को बचाने की लगाई गुहार

रांची। सांसद संजय सेठ ने संसद में स्वर्णरेखा नदी को बचाने की गुहार लगाई है. लोकसभा में शुन्यकाल में सेठ ने कहा कि मेरे क्षेत्र के नगड़ी से स्वर्णरेखा निकलती है. यह रांची शहर से जमशेदपुर होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है. 474 किमी लंबी नदी को झारखंड की लाइफलाइन भी कहा जाता है. झारखंड की संस्कृति में इस नदी का सांस्कृतिक व धार्मिक महत्व है, लेकिन अब इसके अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है. तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने इसकी सहायक हरमू को एक नाले में बदल कर रख दिया. नदियों के किनारे अतिक्रमण और सीवरेज सिस्टम का गंदा पानी अब स्वर्णरेखा में गिर रहा. जिससे यह नदी तेजी से प्रदूषित हो रही है. समय रहते इस नदी को प्रदूषण से नहीं बचाया गया, तो जल्द ही यह नाला बन कर रह जाएगी.

- झारखंडी संस्कृति में इस नदी का धार्मिक महत्व है

`इंडिया` की बैठक टली नयी डेट बाद में बताएंगे

नयी दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडिया की बुधवार की बैठक टल गई है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दिल्ली में यह बैठक बुलाई थी. बिहार के सीएम नीतीश, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने अलग अलग वजहों के चलते बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई थी. कांग्रेस का कहना है कि सभी पार्टियों से बात करके एक दो हफ्ते में बैठक की नई डेट तय की जाएगी. रविवार को चार राज्यों में आए नतीजों के बीच खरगे ने 6 दिसंबर को इंडिया की बैठक बुलाई थी. चार राज्यों में सिर्फ तेलंगाना में कांग्रेस को जीत मिली. उधर, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने कहा है कि इंडिया की अगली बैठक अब जगह 17 दिसंबर को दिल्ली में होगी. इसमें गठबंधन के सभी दल शामिल होंगे.

- राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद बोले- 17 को होगी बैठक

सीएम ने की घोषणा- 10 हजार की जगह अब लाभुकों को मिलेंगे 50 हजार

फूलो-झानो योजना की राशि 40 हजार बढ़ी

बोले सीएम

- झारखंड पर लगे पिछड़ेपन का टैग खत्म करेंगे, 2025 तक राज्य बनेगा सशक्त
- कोडरमा में आपकी योजना-आपकी-आपके द्वार में किया हजारों लाभुकों से संवाद
- 4 अरब 33 करोड़ रुपए की 194 योजनाओं का किया उद्घाटन शिलान्यास
- 19033 लाभुकों के बीच 10 करोड़ 49 लाख की परिसंपत्तियों का वितरण
- हर साल एक करोड़ लोग लेंगे सीएम ग्राम गाड़ी योजना से मुफ्त बस सेवा का लाभ

प्रमुख संवाददाता। रांची

फूलो-झानो आशीर्वाद योजना के लाभुकों को अब 50 हजार रुपए सहायता राशि दी जाएगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोडरमा में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा की है. मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार फूलो-झानो आशीर्वाद योजना के जरिए हड़िया -दारू बेचने वाली महिलाओं को सम्मानजनक आजीविका से जोड़ रही है. इन महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए पहले 10 हजार रुपए आर्थिक सहायता दी जाती थी, जिसे अब बढ़ा कर 50 हजार रुपए करने का फैसला किया गया है. सीएम ने कहा कि झारखंड गठन के 23 साल हो चुके हैं. तमाम संसाधनों से धनी होने के बावजूद पिछले दो दशकों में यह राज्य पिछड़ा है. हमारी सरकार ने तय किया है कि 2025 तक राज्य पर लगे पछड़ेपन के टैग को खत्म करेंगे और विकास की लंबी लकीर खींचेंगे. राज्य को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार पूरी ताकत के साथ काम कर रही है. -शेष पेज 13 पर

लोस चुनाव में क्या होगा, कुछ कहना जल्दबाजी

गिरिडीह/रांची। सीएम हेमंत सोरेन ने पांच राज्यों के चुनाव परिणाम कहा कि इस पर अनुमान लगाना सही नहीं होगा. भाजपा ने मेहनत किया है तो उसे तीन राज्यों में सुखद परिणाम मिला. संसद में बीजेपी की नारेबाजी पर कहा कि देश में बोलने की आजादी सभी को है. अगले लोकसभा चुनाव में क्या होगा, इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी. वे मंगलवार को गिरिडीह में मीडिया से बातचीत कर रहे थे. वहीं सीएम के इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने को लेकर संशय है. मीडिया से बातचीत के क्रम में उन्होंने कहा कि फिलहाल कुछ व्यस्तता है. इसकी सूचना कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को दे दी गई है. उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में उनकी ओर से कोई प्रतिनिधि शामिल हो सकता है.

एसीबी की कार्रवाई : आय से अधिक संपत्ति मामले में 17 इंजीनियरों को नोटिस

अकूत संपत्ति के मालिक हैं राज्य के इंजीनियर

अमित सिंह। रांची

झारखंड भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एंटी करप्शन ब्यूरो, एसीबी) की ओर से 17 इंजीनियरों को नोटिस किया गया है. इन इंजीनियरों के पास आय से अधिक संपत्ति का पता चला है. इंजीनियरों ने कमीशनखोरी कर अवैध कमाई से अपने और परिजनों के नाम अकूत संपत्ति बनाई है. अब नोटिस जारी करके एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोपी इंजीनियरों से संपत्ति का ब्यौरा मांगा है. इन सभी 17 इंजीनियरों के खिलाफ एसीबी की अलग-अलग ब्रांच में मामले (पीई) दर्ज हैं. उनकी संपत्ति की जांच चल रही है. बता दें कि जल संसाधन विभाग के 37 इंजीनियरों पर सीएम हेमंत सोरेन के आदेश के बाद कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है.

एसीबी द्वारा इस वर्ष 30 नवंबर तक दर्जनभर इंजीनियरों के खिलाफ मामला (पीई) दर्ज किया गया है. इसमें पथ निर्माण, जल संसाधन, पेयजल और ग्रामीण कार्य विभाग में योगदान दे रहे इंजीनियर शामिल हैं. पथ निर्माण विभाग में तो अभियंता प्रमुख के पद पर पदस्थापित इंजीनियर रास बिहारी सिंह के पास आय से 199 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिल चुकी है. -शेष पेज 13 पर

पथ निर्माण के जेई अशोक कुमार की संपत्ति का ब्यौरा

- जमशेदपुर के सोनारी में एक मंजिला फ्लैट.
- सोनारी में व्यावसायिक उपयोग वाली बिल्डिंग में दो फ्लोर.
- सात स्थान पर करोड़ों रुपए की जमीन.
- मानगो और पटमदा में आवासीय फ्लैट.

पथ निर्माण के अभियंता प्रमुख के पास करोड़ों की जमीन

- बजरा में लगभग 11.50 लाख रुपए सरकारी दर की भूमि
- काजू बागान में लगभग 15 लाख रुपए सरकारी दर की भूमि
- काजू बागान में 6 लाख रुपए से ज्यादा की सरकारी दर की भूमि
- हेहल में लगभग 33 लाख रुपए की सरकारी दर की भूमि
- हेहल में करीब 15 लाख रुपए से ज्यादा की सरकारी दर की भूमि

...टूटेंगे या फिर जुड़ेंगे

सुरजीत सिंह

त्वरित टिप्पणी

क्या मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्यों में करारी हार के बाद कांग्रेस को एक और झटका लगने वाला है ! क्या अब इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) टूट जाएगा ! 6 दिसंबर को होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक को स्थगित करने के बाद राजनीतिक हलकों में इसी सवाल पर चर्चा चल रही है. अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या मध्यप्रदेश के कमलनाथ, राजस्थान के अशोक गहलोत और छत्तीसगढ़ के भूपेश बघेल के अकड़पन का असर इस रूप में भी सामने आ सकता है. जिस तरह से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अलग-अलग कारणों से छह दिसंबर की बैठक में शामिल होने से मना कर दिया है, उससे तमाम तरह की अटकलें लगायी जा रही हैं. ये चारों बड़े दल हैं. हालांकि एनसीपी के शरद पवार और शिव सेना (उद्धव गुट) ने चुनावी परिणामों का गठबंधन पर असर पड़ने से इंकार किया है.

कांग्रेस अति आत्मविश्वास बना घातक : दरअसल, विपक्षी दलों के गंठबंधन इंडिया की तीन बैठकें ही हुई हैं. पटना, बेंगलूरु और मुंबई में. अंतिम बैठक में यह तय हुआ था कि एकजुट होकर चुनावी सभाएं की जाएंगी. पहली सभा भोपाल में होनी थी. लेकिन कांग्रेस के कमलनाथ ने इसे होने नहीं दी. ऊपर से समाजवादी पार्टी ने जब मध्य प्रदेश में पांच सीटों की मांग की, तो कमलनाथ का वह बयान सामने आया कि कौन अखिलेश-वखिलेश ? तीनों राज्यों में चुनाव के दौरान यह साफ दिखा कि कांग्रेस ने किसी दूसरे विपक्षी दल को साथ नहीं लिया. इसकी दो वजहें रहीं. एक तो कर्नाटक चुनाव के बाद कांग्रेस के नेताओं को लगने लगा था कि अब हवा उनके पक्ष में है और वह जीत के सिलसिले को जारी रखेंगे. विपक्ष के दूसरे दलों की कांग्रेस के साथ रहना मजबूरी है. इसलिए कांग्रेस के नेताओं के कहीं बोल बदल गए, तो कहीं अति आत्मविश्वास के शिकार हो गए. अब तीन राज्यों में हार के बाद स्थितियां बदल गई हैं. कांग्रेसी सदमे में हैं और पार्टी बैकफुट पर. तो विपक्षी दल भी अपनी लय में आ गए हैं.

अब आगे क्या : आने वाले दिनों में हालात जो भी बनें. विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया टूटेगा या एक बार फिर से पुराने मतभेदों को भुला कर सब साथ खड़े होंगे, यह देखने वाली बात होगी. क्योंकि लोकसभा चुनाव में सिर्फ पांच महीने ही बचे हैं. मोदी-शाह के रहते भाजपा या एनडीए का मुकाबला करना किसी भी विपक्षी दल के लिए संभव नहीं दिखता है. विपक्षी दलों के लिए भी दो ही रास्ते हैं, या तो एनडीए में शामिल हो जाएं या कांग्रेस के साथ खड़े होकर एक छतरी के नीचे आ जाएं. तीसरा रास्ता कोई बचा नहीं है.

बैंकों में 5 दिन होगा काम शनिवार को भी छुट्टी रहेगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

मिलेगी खुशखबरी

- केंद्र सरकार ने संसद में दी बड़ी जानकारी
- कहा- मिला है समिति का प्रस्ताव, फैसला जल्द होगा

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में काम करने वाले कर्मचारियों को आने वाले दिनों में बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है. केंद्र सरकार सभी शनिवार को बैंकों में छुट्टी घोषित करने पर फैसला ले सकती है. देश के सरकारी बैंकों की मैनेजमेंट की बॉडी इंडियन बैंक एसोसिएशन ने सरकार को बैंकों में सभी शनिवार को छुट्टी घोषित करने का प्रस्ताव ही सौंप चुकी है.

ये जानकारी खुद सरकार ने संसद के सत्र में राज्यसभा में पूछे गए सवाल के जवाब में दी है.राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मिक ने वित्त मंत्री से सवाल किया कि क्या बैंक यूनियनों या आईबीए की ओर सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पांच दिनों के कामकाज की मांग को लेकर कोई प्रस्ताव सरकार को सौंपा गया है? और क्या सरकार इसे लागू करने जा रही है? इस प्रश्न के जवाब में वित्त राज्यमंत्री भागवत कराड ने सदन को अपने लिखित जवाब में कहा, जी हां, इंडियन बैंक एसोसिएशन ने सभी शनिवार को बैंकों में छुट्टी घोषित करने का प्रस्ताव सरकार को सौंपा है.

सूरज की रोशनी साल में 300 दिन, सौर ऊर्जा से 4000 मेगावाट का लक्ष्य

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में झारखंड फिसड्डी, उत्पादन सिर्फ 88 मेगावाट

जमीनी हालात

- बिजली वितरण निगम 286 करोड़ खर्च कर खरीदतता है सोलर एनर्जी

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अन्य राज्यों की अपेक्षा काफी पिछड़ा हुआ है. नई सौर ऊर्जा नीति के तहत राज्य में सौर ऊर्जा से 4000 मेगावाट बिजली के उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. लेकिन अब तक राज्य में सौर ऊर्जा से 88.58 मेगावाट ही बिजली का उत्पादन होता है. सौर नीति में यह भी उल्लेख किया गया है कि राज्य में एक साल में लगभग 300 दिन रौशनी मिलती है. इसके बावजूद सौर ऊर्जा के प्लांट स्थापित नहीं हो पाए हैं.

अब तक क्या हुआ

झारखंड में पहली बार 2015 में सौर ऊर्जा नीति जारी की गई थी. इस नीति के तहत राज्य में 2020 तक 2,650 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पन्न करने का लक्ष्य रखा गया था. दूसरी बार 5 जुलाई 2022 में नीति में संशोधन करते हुए पांच साल में 4,000 मेगावाट सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. इस लक्ष्य को कैसे हासिल किया जाएगा इस स्पष्ट जवाब झारखंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी के अधिकारियों के पास नहीं है.

क्या बनी योजना, स्थिति जस की तस

सोलर पार्क से 700 मेगावाट, गैर सोलर पार्क से 1000 मेगावाट, फ्लोटिंग सोलर पार्क से 900 मेगावाट और कैनाल सोलर टॉप से 400 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है. वहीं रूफटॉप सोलर से 250 मेगावाट, कैप्टिव सोलर से 220 मेगावाट और सौर सिंचाई से 250 मेगावाट के जरिये कुल 720 मेगावाट बिजली का उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है.

झारखंड में सौर ऊर्जा से कितनी बिजली का हुआ उत्पादन

2019-20	17.47 मिलियन यूनिट
2020-21	17.16 मिलियन यूनिट
2021-22	18.21 मिलियन यूनिट
2022-23	13.73 मिलियन यूनिट

किस जिले में कितना होता है सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन

देवघर में 14.99 मेगावाट, बोकारो में 1.94 मेगावाट, चतरा में 1.52 मेगावाट, रांची में 6.29 मेगावाट, गढ़वा में 1.20 मेगावाट, धनबाद में 1.65 मेगावाट, गिरिडीह में 1.74 मेगावाट, गोड्डा में 1.03 मेगावाट, गुमला में 1.19 मेगावाट, हजारीबाग में 2.11 मेगावाट,जामताड़ा में 0.87 मेगावाट, खूंटी में 0.79 मेगावाट,कोडरमा में 0.73 मेगावाट,लातेहार में 0.81 मेगावाट,लोहरदगा में 0.91 मेगावाट, पाकुड़ में 0.71 मेगावाट, पलामू में 1.87 मेगावाट, पश्चिमी सिंहभूम में 1.79 मेगावाट, पूर्वी सिंहभूम में 4.48 मेगावाट,साहेबगंज में 1.27 मेगावाट, सरायकेला खरसावां में 2.94 मेगावाट, सिमडेगा में 1.12 मेगावाट, रामगढ़ में 1.12 मेगावाट, और दुमका में 1.77 मेगावाट.

आपकी बात

नाम : रश्मि किशोर
पेशा : मिथिला आर्टिस्ट
निवास : विधानसभा कॉलोनी, पटना, बिहार

रश्मि किशोर की प्रारंभिक शिक्षा मुजफ्फरपुर से हई हैं. उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा एमजीएम कॉलेज की हैं. रश्मि समाज में एक अच्छा काम कर रही हैं. रश्मि 13 सालों सें नर्सरी से 12 तक के बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देती हैं. शुरूआती दौर में उनके कॉलोनी वाले उन्हें कहा करते थे कि स्लम एरिया के बच्चों को पढ़ाती हैं, हरिजन को घर पर पढ़ाती हैं. माहौल खराब कर रही हैं. पर उन्होंने किसी की बात नहीं सुनी और बच्चों को पढ़ाती रहीं. आज के वक्त में उनके पास नर्सरी से 12 तक के बच्चें शाम के वक्त 4 से 6 बजे तक पढ़ाई करते हैं. रश्मि ने पढ़ाई के साथ-साथ मिथिला आर्ट ऑनलाइन देखकर सीखा. वह बताती है कि शुरूआत में उनसे गलतियां हुई और बहुत सारे कपड़े भी खराब हुए. लेकिन उन्होंने अपनी प्रैक्टिस नहीं छोड़ी. और अब वह स्लम एरिया के बच्चों को मिथिला आर्ट सिखाती हैं. रश्मि बच्चों आर्ट बनाने के पैसे भी देती हैं. आज के वक्त में उनके पास 7 बच्चे है, जिनमें 5 लड़कियां और 2 लड़के हैं. ये बच्चे मिथिला आर्ट बहुत ही अच्छे से बनाते हैं. रश्मि के पास आर्ट बनाने वाले सभी बच्चे 14 साल तक के हैं. शुरूआती दौर में लोग खूब ताने दिया करते थे, पर अब प्रशंसा करते हैं.

ब्रीफ खबरें

हाईकोर्ट में साइबर केस में हुई सुनवाई

रांची। हाईकोर्ट में साइबर अपराध से संबंधित मामलों की सुनवाई हुई. सुनवाई के बाद अदालत ने एसएलबीसी को प्रतिवादी बनाते हुए जवाब दाखिल करने का निर्देश है. अदालत अब इस मामले में अगली सुनवाई 18 दिसंबर को करेगा. हाईकोर्ट ने इस बात को लेकर संज्ञान लिया है कि जब साइबर अपराध के बाद पीड़ित का पैसा जब्त होता है, तो उसे लौटने की क्या प्रक्रिया है. क्योंकि इससे संबंधित राज्य में कोई मेकैनिज्म नहीं है. हालांकि राज्य सरकार की ओर से पूर्व में कहा गया है कि गुजरात में इस तरह का एक मेकैनिज्म बनाया गया है, जिसपर राज्य सरकार विचार कर रही है. इस दौरान न्याय मित्र सौम्या पांडे की ओर से इससे संबंधित सुझाव कोर्ट में प्रस्तुत किए गए.

आज रांची आएंगे झारखंड जदयू प्रभारी

रांची। झारखंड में खो चुकी सियासी जमीन की तलाश में जदयू के नेता पूरी ताकत से जुटे हुए हैं. 28 नवंबर को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन के साथ अशोक चौधरी रांची पहुंचे थे. संगठन के नेताओं के साथ बैठक करने के बाद वापस पटना लौटे. एक बार फिर बुधवार को अशोक अपने दो दिवसीय दौरे पर रांची आएंगे. प्रवक्ता सागर कुमार ने कहा कि सेवा विमान से पटना से रांची आएंगे. एयरपोर्ट पर जदयू नेता उनका स्वागत करेंगे.

मनरेगा-दाखिल खारिज में गड़बड़ी, नपे अफसर

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों पर लगे आरोपों के कारण उन्हें निंदन की सजा दी गयी. मधुपुर के तत्कालीन सीओ परमेश्वर कुशवाहा पर दाखिल-खारिज और ऑनलाइन लगान भुगतान में गड़बड़ी का आरोप लगा. इसके बाद राज्य सरकार ने कुशवाहा पर लगे आरोपों की समीक्षा की और निंदन की सजा दी. वहीं बरवाडीह के तत्कालीन बीडीओ राकेश सहाय पर मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने का आरोप लगा.

डॉ मनीष व प्रो. पांडेय ने दिया व्याख्यान

रांची। झारखंड केंद्रीय विवि में आइसीएसएसआर द्वारा आजोजित 10 दिवसीय शोध कार्यशाला के आठवें दिन डॉ मनीष बंसल और प्रो.एस के पांडेय ने व्याख्यान दिया. आईआईएम के डॉ मनीष बंसल ने विश्व के प्रतिष्ठित जर्नल मे 35 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं. उन्होंने पैनल डाटा और सामाजिक विज्ञान में इसका अनुप्रयोग पर अपना व्याख्यान दिया. डॉ बंसल ने सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पर पैनल डाटा विश्लेषण कैसे की जाती है, उसका प्रशिक्षिण दिया. प्रो.एस के पांडेय ने पीएचडी मे पुस्तकालय और इलेक्ट्रॉनिक संसाधन पर व्याख्यान दिया.

सीएम हेमंत सोरेन आज सरायकेला में

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज सरायकेला में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे. सीएम यहां शिविर में मौजूद लोगों से संवाद करेंगे और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे. इसके गुरुवार को मुख्यमंत्री जमशेदपुर में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शिरकत करेंगे.

भाजपा झारखंड के 'शंखनाद' का हाल : फेसबुक-ट्विटर सुस्त पड़ा

300 हजार फॉलोअर, पर लाइक-कमेंट 50 भी नहीं

सत्य शरण मिश्रा। रांची

भाजपा का सोशल मीडिया मैनेजमेंट बहुत तगड़ा है. इसी सोशल मीडिया मैनेजमेंट फायदा भाजपा ने 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में उठाया था. छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के पीछे भी सोशल मीडिया मैनेजमेंट का अहम रोल माना जा रहा है. जल्द ही झारखंड में 14 लोकसभा सीटों के साथ-साथ राज्य की 81 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव होना है, लेकिन झारखंड में भाजपा सोशल मीडिया के इस्तेमाल में काफी पिछड़ी हुई है. वैसे तो बीजेपी झारखंड के ऑफिशियल ट्विटर पेज पर 188.7 हजार और फेसबुक पर 300 हजार फॉलोअर्स हैं. भाजपा का भी दावा है कि झारखंड में सबसे अधिक कार्यकर्ताओं वाली एकमात्र पार्टी वही है. इसके बावजूद भाजपा के ट्विट्स पर लाइक और कमेंट की संख्या 50 भी पार नहीं कर पाती है. पोस्ट को देखने वालों की संख्या भी 1000 तक नहीं पहुंच पाती है. सोशल मीडिया में खुद को मजबूत करने के लिए भाजपा अगस्त महीने से शंखनाद अभियान चला रहा है. राज्य से लेकर मंडल स्तर तक सोशल मीडिया वॉलेंटियर्स बनाये जा रहे हैं, लेकिन फिर भी भाजपा के ट्विट्स पर लाइक-कमेंट, रिट्विट और शेयर की संख्या नहीं बढ़ रही है.

- भाजपा झारखंड के फेसबुक-ट्विटर का हाल है काफी बुरा
- ट्विटर-फेसबुक पेज पर बाबूलाल के अलावा झारखंड के किसी दूसरे नेता के पोस्ट नहीं होते रिट्विट
- झारखंड भाजपा सिर्फ मोदी, शाह, नड्डा और बाबूलाल मरांडी के पोस्ट करता है रिट्विट
- अर्जुन मुंडा, अन्नपूर्णा देवी जैसे केंद्रीय मंत्रियों को किया गया दरकिनार
- नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी को भी बयान जारी करने के लिए बनाना पड़ा अलग व्हाट्सएप ग्रुप

ट्विटर-फेसबुक पर आदिवासी नेताओं का कोई बयान नहीं

बाबूलाल मरांडी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद संगठन में कई बदलाव देखने को मिल रहे हैं. भाजपा मुख्य रूप से जनजाति समुदाय और स्थानीय मुद्दों पर फोकस कर रही है, लेकिन भाजपा के ट्विटर-फेसबुक पेज पर बाबूलाल मरांडी को छोड़कर किसी दूसरे आदिवासी नेता के बयान ट्विट या रिट्विट नहीं होते. इस पेज पर हर दिन सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बाबूलाल मरांडी के बयान और उनके भाषण और ट्विट और रिट्विट होते हैं. झारखंड से दो केंद्रीय मंत्री भी हैं, लेकिन प्रदेश भाजपा शायद ही अर्जुन मुंडा और अन्नपूर्णा देवी के ट्विट या भाषण को रिट्विट करता है.

अमर बाउरी के साथ भी सौतेला व्यवहार !

भाजपा अपने विधायक दल के नेता अमर बाउरी के बयानों को अपने ट्विटर पेज पर जगह नहीं देता है. इतना ही नहीं उनके ऑफिशयल बयान भी पार्टी के व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर नहीं किया जाता है. मजबूरन बाउरी को अपने कार्यक्रमों व बयानों की जानकारी देने के लिए अलग से व्हाट्सएप ग्रुप रखना पड़ा है. भाजपा के स्थानीय सांसद, विधायक, पदाधिकारी और प्रवक्ता भी कई बार प्रदेश के बड़े मुद्दों पर बड़े बयान देते हैं, लेकिन उनके बयानों को पार्टी ऑफिशियल ट्विटर पेज पर जगह नहीं मिल पाती है.

सिर्फ अखबारों की कतरनों से सरकार को घेरने की कोशिश

भाजपा अपने आईटी सेल और सोशल मीडिया टीम को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है. कई प्रदेशों में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में भाजपा की सोशल मीडिया टीम नये प्रयोगों और नये कार्यक्रमों के साथ खुद को अपडेट कर मजबूत कर रही है, लेकिन झारखंड भाजपा अभी भी पुराने ढर्रे पर चलते हुए सिर्फ 4 नेताओं के ट्विट को रिट्विट कर रही है. पार्टी के 7 मोर्चों के कार्यक्रमों और उनके नेताओं को तो भाजपा के ट्विटर और फेसबुक पेज कभी जगह ही नहीं मिलती. बस अखबारों की कतरनों से सरकार को घेरने की कोशिश होती है.

लोकसभा चुनाव में नए चेहरों पर दांव लगा सकती है भाजपा

भाजपा के सांसदों की परखी जा रही लोकप्रियता, मची हुई है खलबली

संवाददाता। रांची

झारखंड में मिशन 2024 के लिए भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है. भाजपा के सांसदों की लोकप्रियता के ग्राफ का भी आकलन किया जा रहा है. हालांकि पूरे आकलन के बाद ही अंतिम फैसला लिया जाएगा, लेकिन सांसदों के बीच इस बात की खलबली मची हुई है कि कौन टिकेगा और कौन रहेगा. जनता और कार्यकर्ताओं की नजर में योग्य प्रत्याशी की तलाश शुरू कर दी गई है. झारखंड में भाजपा अगले चुनाव में कुछ नए चेहरे को मौका दे सकती है. फिलहाल राज्य में भाजपा के 11 सांसद है. वहीं कांग्रेस से एक, आजसू से एक और झामुमो से एक सांसद हैं.

दिसंबर में फाइनल हो जाएगा सांसदों का रिपोर्ट कार्ड : भाजपा तीन चरणों में रिपोर्ट कार्ड तैयार कर रही है. अंतिम चरण का रिपोर्ट कार्ड दिसंबर में फाइनल हो जाने की संभावना है. सर्वे में सांसदों और उनके परिजनों का पूरा लेखा-जोखा, सांसद ने क्या काम किए, और जनता का फीडबैक क्या है, इसकी पूरी जानकारी एकत्रित की जा रही है. इस सर्वे के कारण भाजपा के कई वर्तमान सांसदों के होश उड़े हैं.

कुड़मी समाज को साधना बड़ी चुनौती : हाल के दिनों में भाजपा से कुड़मी समाज से दूरियां बढ़ी है. इसे साधना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती है. राज्य में कुड़मी की आबादी लगभग 16 फीसदी है. इस समाज को साधने के लिए कुड़मी जाति से आने वाले जयप्रकाश भाई पटेल को बीजेपी ने विधानसभा में सचेतक पद की जिम्मेदारी सौंपी. वहीं आदिवासी बहुल झारखंड में भाजपा पूरी तरह से एसटी चेहरे के रूप में बाबूलाल मरांडी को भुनाने की कोशिश में लगी है. कुड़मी जाति में सामाजिक एकता आदिवासियों की अपेक्षा ज्यादा मजबूत है.

कुड़मी को साधना भाजपा के लिए होगी चुनौती

कुड़मी समाज नाराजगी की है यह बड़ी वजह

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुंडा ने पिछले दिनों यह साफ किया कि कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का मसला उनके मंत्रालय में लंबित नहीं है. इससे कुड़मी समाज में खासी नाराजगी है. कुड़मी समाज के इन नेताओं ने पिछले चार-पांच दशकों में झारखंड की राजनीति को एक दिशा देने का काम किया है.

राजमहल और सिंहभूम सीट पर भाजपा का है फोकस

भाजपा ने राजमहल और सिंहभूम सीट पर फोकस किया है. सिंहभूम की कांग्रेस सांसद गीता कोड़ा और उनके पति पूर्व सीएम मधु कोड़ा के भाजपा में पुनर्वापसी की चर्चा है, जबकि राजमहल के जेएमएम सांसद विजय हांसदा के खिलाफ भी किसी मजबूत उम्मीदवार की तलाश में है. इसका भी आकलन किया जा रहा है.

दुमका, धनबाद व कोडरमा में काम का हो रहा आंकलन

संताल परगना में भी पार्टी के काम का आंकलन हो रहा है. पार्टी नेतृत्व की ओर से सांसद सुनील सोरेन की लोकप्रियता के ग्राफ का आकलन किया जा रहा है. इसमें यह भी देखा जा रहा है कि उनका प्रदर्शन कैसा है, धनबाद में बीजेपी सांसद पीएन सिंह की जगह विधायक सरयू राय की दावेदारी की चर्चा तेज हो गई है. इसकी वजह यह है कि रघुवर दास के झारखंड की सक्रिय राजनीति से दूर होने के बाद सरयू राय के फिर से भाजपा में शामिल होने की चर्चा जोर-शोर से चल रही है. पार्टी सूत्रों के अनुसार पिछले दिनों बाबूलाल मरांडी के साथ नई दिल्ली में सरयू राय ने भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात भी की थी. वहीं कोडरमा की भाजपा सांसद अन्नपूर्णा देवी को भाजपा ने राज्य में ओबीसी चेहरा के रूप में सामने रखते हुए मतदाताओं को संदेश देने का प्रयास किया. उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में भी मौका दिया, लेकिन पार्टी के अंदर ही एक गुट उनके खिलाफ लगातार सक्रिय है. ऐसे में अन्नपूर्णा देवी वर्ष 2024 के चुनाव में भी ओबीसी चेहरा बनीं रहेंगी या बदलाव होगा, इसका आकलन किया जा रहा है.

रांची, जमशेदपुर, लोहरदगा, गोड्डा, खूंटी सीट पर भी मंथन

रांची, जमशेदपुर, गोड्डा लोहरदगा और खूंटी सीट पर भी मंथन जारी है. गोड्डा के सांसद निशिकांत दूबे को लेकर भी मंथन जारी है. सत्ता के गलियारों में प्रदीप यादव के भाजपा में शामिल होने की चर्चा तेज हो गई है. इस सीट पर भी आलाकमान गंभीरता से विचार कर रहा है. लोहरदगा लोकसभा सीट से लगातार दो बार विजयी रहे सुदर्शन भगत के प्रदर्शन का फीडबैक लिया जा रहा है. चर्चा यह भी है कि सुदर्शन भगत आलाकमान के गुडबुक में शामिल हैं. रांची के सांसद संजय सेठ के स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं. जमशेदपुर में विद्युत वरण महतो की उम्र और स्वास्थ्य को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं.

राज्यसभा सांसद ने किया पीसीसी पथ का शिलान्यास

संवाददाता। रांची

राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने वार्ड नं. 46 के कृष्णापुरी रोड नं. 7 में अनाबद्ध निधि से पीसीसी पथ व नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. वहीं वार्ड नंबर 2 के अंतर्गत हातमा में भी पीएससी पथ व स्लेव सहित नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया. मौके पर महुआ ने कहा कि मैं हर जगह जरूरतमंद लोगों के साथ खड़ी

रहूंगी. इस दौरान मंटू पांडेय, सुरेन्द्र कुमार, रवि यादव, सतेन्द्र, संध्या गुड़िया, रोमा सरकार, अंजली, राजकुमार साव, विकास, प्रदीप मिर्धा, विष्णु राम, अजय राम, सोनू खालखो, विजय मिर्धा, अजय मिर्धा मौजूद थे.

झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, विधायकगण नए अध्यक्ष की मांग को ले करेंगे दिल्ली कूच : लालकिशोर

हाईकमान प्रदेश अध्यक्ष को हटाएं, नहीं तो नुकसान होगा : कांग्रेस

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेता आलोक कुमार दूबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता छोटू, फिरोज रिजवी मुन्ना ने कहा कि पिछले 5 वर्षों से संगठन की कमान राजेश ठाकुर के हाथों में है. वे प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हैं.

कांग्रेस नेता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा, संगठन खंड-खंड में विभक्त हो चुका है, संगठन में कोई राजेश ठाकुर की बात को अहमियत नहीं देता है. प्रभारी अविनाश पांडे की वजह से लोग कार्यक्रम में शामिल तो हो जाते हैं, लेकिन संगठन की जो गरिमा है वह पूरी तरह से धूल-धूसरित है. इसका प्रत्यक्ष प्रमाण रामगढ़ उपचुनाव के नतीजे हैं. झारखंड में संगठन का अगर यही हाल रहा तो राजस्थान और छत्तीसगढ़ की तरह झारखंड के मंत्रियों को भी विधानसभा चुनाव में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. हाई कमान से आग्रह है कि जल्द से जल्द प्रदेश अध्यक्ष को हटाया जाए वरना लोकसभा में न सिर्फ पार्टी को भारी नुकसान का सामना करना पड़ेगा बल्कि इसका खामियाजा गठबंधन को भी भुगतना पड़ेगा. झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं विधायक गण दिसंबर महीने में दिल्ली कूच करेंगे.

मंत्री के काम नहीं करने की जिम्मेदारी किनकी : आलोक

आलोक दूबे ने कहा कि अगर मंत्री काम नहीं कर रहे हैं तो उनसे काम लेने की जिम्मेदारी किनकी है. सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में संगठन कहीं भी दिखाई नहीं दे रहा है जबकि आरजेडी हर जगह मौजूद है.

राहुल गांधी के निर्देश का पालन हो : डॉ राजेश

डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि ओबीसी समाज को राजेश ठाकुर अपमानित कर रहे हैं. उनका निर्देश नहीं मान रहे. उन्होंने कहा है जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी होनी चाहिए. हमने आरपीएन सिंह के बनाए हुए अपरिपक्व अध्यक्ष को हटाने की बात कर रहे हैं.

तैयारी राजधानी में कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम 14 से 19 दिसंबर को

एक-दूजे की संस्कृति साझा करेंगे झारखंड-कश्मीर के युवा

संवाददाता। रांची

मंगलवार को रांची डीडीसी दिनेश कुमार द्वारा विकास भवन में 14 दिसंबर से 19 दिसंबर 2023 तक झारखंड राज्य में कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बैठक की. डीडीसी ने कार्यक्रम के आयोजन की पूरी रूप- रेखा की जानकारी ली. इस संबंध में उप निदेशक नेहरू युवा केंद्र रांची द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि कश्मीर के कुल 6 जिले के कुल-132 प्रतिभागी 15-22 आयु वर्ष के युवा इसमें शामिल हो रहे हैं, जिन्हें झारखंड की संस्कृति, विरासत एवं खानपान, रहन-सहन को समझने और कश्मीरी संस्कृति के संबंध में युवाओं से चर्चा परिचर्चा की जाएगी.

नेहरू युवा केंद्र रांची को आयोजन की जिम्मेवारी

जानकारी के अनुसार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा एवं गृह मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के आयोजन का दायित्व नेहरू युवा केंद्र रांची को दिया गया है. यह राज्य स्तरीय आयोजन है, जिसमें जम्मू व कश्मीर के अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामूला, बडगाम, श्रीनगर, पुलवामा जिले के 20-20 प्रतिभागी कुल 120 प्रतिभागी व 12 ग्रुप लीडर के साथ कुल 132 प्रतिभागी झारखंड प्रदेश में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. कार्यक्रम 14 से 19 दिसंबर 2023 तक निर्धारित है.

कार्यक्रम के लक्ष्य व उद्देश्य

- कश्मीर घाटी में युवा लोगों के बीच राष्ट्रीय एकता, अखंडता और शांति के समर्थकों के रूप में कार्य करने के लिए प्रतिभागियों को उन्मुख और संवेदनशील बनाना.
- **प्रतिभागियों को देश में सांस्कृतिक, औद्योगिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और शैक्षिक रुचि के विभिन्न स्थानों का दौरा करने का अवसर प्रदान करना.**
- प्रतिभागियों को सराहनीय ज्ञान विकसित करने में मदद करना ताकि वे समझ सकें उनके परिवेश, गलतफहमियां, अंतराल और परिस्थितियां वैसी ही हैं जैसी कश्मीर घाटी में व्याप्त हैं.
- **देश के अन्य हिस्सों के प्रतिभागियों के बीच कश्मीर घाटी के पर्यटन, व्यंजन, संस्कृति और हस्तशिल्प और अन्य उत्पादों पर जानकारी साझा करना.**
- सामाजिक-सांस्कृतिक, धार्मिक-राजनीतिक, आर्थिक और साथ ही एक-दूसरे की समझ को समझने का अवसर प्रदान करना.
- **भारत के संविधान, नागरिकों के कर्तव्य और जिम्मेदारी, राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और राष्ट्र विकास पर जानकारी और ज्ञान प्रदान करना.**

सराहनीय : बुजुर्ग को कंधे पर उठा कर वकील तक पहुंचाया

संवाददाता। रांची

झारखंड हाईकोर्ट की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा कर्मियों ने मानवता की मिसाल पेश की है. दरअसल मथुरा भगत नाम के एक वृद्ध व्यक्ति मंगलवार को बुंडू से झारखंड हाईकोर्ट आया था. उसका सिविल का मामला हाईकोर्ट में लंबित है. मथुरा भगत की सेकेंड अपील लंबित थी. जिसके लिए वो आईए (हस्तक्षेप याचिका) फाइल करने आया थे. वह गाड़ी से हाईकोर्ट के मुख्य भवन तक तो पहुंच गया, लेकिन उसके बाद एडवोकेट ब्लॉक स्थित अपने वकील के चेंबर तक पहुंचने में उसे काफी परेशानी हो रही थी. उसे परेशान देख कर हाई कोर्ट में प्रतिनियुक्ति पुलिसकर्मी भरत उपाध्याय ने उसे अपने कंधे पर बैठा कर उसके वकील के चेंबर तक

पहुंचाया. अपने वकील से मिलने के बाद मथुरा भगत को सुरक्षा कर्मी भरत उपाध्याय ने कंधे पर बैठा कर उसकी गाड़ी तक छोड़ा. पुलिस कर्मी के इस मानवीय चेहरे को देख कर बुजुर्ग मथुरा भगत ने उनका धन्यवाद दिया और आभार जताया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

बुधवार, 06 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 9, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 1, अंक : 228

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ब्रीफ खबरें

साहिबगंज एसपी से ईडी आज करेगी पूछताछ

रांची। साहिबगंज एसपी नौशाद आलम से ईडी बुधवार को दूसरी बार पूछताछ करेगी. बुधवार को ईडी ने नौशाद को दोबारा पूछताछ के लिए बुलाया है. इससे पहले 28 नवंबर को ईडी एसपी आलम से 12 घंटे पूछताछ कर चुकी है. ईडी टीम ने नौशाद से पूछताछ के लिए सवालों की लिस्ट तैयार की है. ईडी के गवाह को प्रभावित करने को लेकर एसपी से पूछताछ हो रही है. इससे पूर्व बीते बीते 28 नवंबर को नौशाद से पूछताछ में जांच एजेंसी के अफसर संतुष्ट नहीं हुए, तो फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है.

पीएलएफआई कमांडर को बेल देने से इंकार

रांची। पीएलएफआई के कमांडर जेठा कच्छप को जमानत देने से हाईकोर्ट ने इंकार कर दिया है. जेठा ने जमानत के लिए गुहार लगाई थी. उसकी याचिका पर चीफ जस्टिस की बेंच में सुनवाई हुई. बचाव पक्ष और सरकार का पक्ष सुनने के बाद अदालत ने उसे जमानत देने से इनकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी. सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए अधिवक्ता ने दलील दी कि उस पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, इसलिए इसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए.

चतरा जेल में डीसी व एसपी ने की छापेमारी

चतरा। धनबाद जेल में गोलीबारी के बाद राज्य के दूसरे जेलों में औचक निरीक्षण का क्रम शुरू हो गया है. मंगलवार को डीसी अबू इमरान और एसपी राकेश रंजन ने जेल में छापेमारी की. छापेमारी ढाई घंटे तक चली. इस दौरान प्रशासन की टीम ने जेल के अस्पताल, कैंटीन,बैरक और अन्य जगहों का निरीक्षण किया. एसपी ने बताया कि जेल से कुछ भी अति गंभीर सामग्री नहीं मिली है. बता दें कि धनबाद की घटना के बाद सभी जेलों को अलर्ट मोड का आदेश दिया गया है.

एएनएम की होगी नियुक्ति विज्ञापन निकाला गया

रांची। बुखार, हाइपरग्लिकेमिया, हाइपरटेंशन प्रबंधन पर इंडियन स्ट्रोक रिसर्च नेटवर्क के द्वारा शोध कार्य किया जाएगा. शोध के इन्वेस्टिगेटर न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ सुरेंद्र कुमार को बनाया गया है. इसके लिए एएनएम की नियुक्ति होगी. नियुक्ति 6 माह अथवा शोध पूरा होने तक के लिए होगी. रिम्स ने विज्ञापन छपवाया है. 18 दिसंबर तक इच्छुक उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. जबकि 23 को लिखित परीक्षा व साक्षात्कार का आयोजन किया गया है.

जेल में बंद कैदी भी सुरक्षित नहीं: प्रदीप

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप सिन्हा ने धनबाद जेल की घटना के लेकर हेमंत सरकार को जिम्मेदार बताया है. कहा कि राज्य में असुरक्षा का माहौल है और सरकार का ढीला रवैया अपराधियों पर लगाम लगाने में असफल रहा है. रांची और धनबाद जेल की घटना यह बताने के लिए काफी है की अधिकारियों की मिलीभगत से रसूखदार बंदियों को गैरवाजिब सुविधा भी मुहैया कराई जाती है और घातक हथियार भी जेल परिसर के भीतर पहुंचा दिए जाते हैं.

दबंगई

छेड़खानी का किया विरोध तो घर में घुस कर मारा

संवाददाता। आदित्यपुर

आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सालडीह बजरंग मंदिर के रहने वाली महिला बसंती देवी को उसके पड़ोसियों ने मारपीट कर घायल कर दिया है. थाने में दी गई लिखित शिकायत में बसंती देवी ने बताया है कि उसके पड़ोस में रहने वाला गोविंदो उर्फ भगिना माफिया बार-बार उसकी बेटी के साथ छेड़खानी करता है, जिसको लेकर कई बार वह उसके परिजनों से शिकायत कर चुकी है. मंगलवार सुबह जब उसकी बेटी टेम्पो पकड़ने जा रही थी, तो गोविंदो ने पहले उसे गंदे इशारे किए, फिर उससे छेड़छाड़ करने लगा. उसे ऐसा करने से मना किया, तो वो गंदी-गंदी गालियां देने लगा. मैंने भी बदले में गाली-गलौज की, तो उसकी मां और दादी आदि ने मेरे घर में घुसकर मारपीट की और मुझे बुरी तरह से घायल कर दिया. पुलिस शिकायत के बाद मामले की जांच में जुट गई है.

बसंती देवी.

सामाजिक दबाव

पाटन में दंपती ने जहर खाकर की आत्महत्या

संवाददाता। पाटन (पलामू)

पलामू से एक बेहद दुखद घटना सामने आयी है. पाटन थाना क्षेत्र स्थित मनिका गांव में एक दंपती ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली. दंपती की पहचान नवल किशोर दुबे और उसकी पत्नी चंपा के रूप में हुई है. परिजनों के अनुसार, सामाजिक दबाव और लोगों के तानों से परेशान होकर सोमवार को दोनों ने जहर खा लिया था. जिसके बाद पड़ोसियों ने दोनों में अस्पताल में भर्ती करवाया. लेकिन डॉक्टरों ने दोनों को बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल रेफर कर दिया था, जहां इलाज के क्रम में दोनों की मौत हो गयी. पुलिस ने दोनों के शवों को पंचनामे के बाद पोस्टमार्टम करवाया और शव को परिजनों सौंप दिया.

अंतरजातीय विवाह से लोग देते थे तानेः जानकारी के अनुसार, नवल दुबे और चंपा देवी के बेटे ने करीब एक वर्ष पहले गांव के ही दलित लड़की के साथ प्रेम विवाह किया था. वे अपने बेटे-बहू को अपने साथ रखना चाहते थे. लेकिन लोगों ने नवल किशोर दुबे पर सामाजिक दबाव बनाना शुरू कर दिया. जिसकी वजह से वो दोनों को अपने पास नहीं रख पाये. उनकी बहू को बच्चा होने वाला था. वह बेटे और बहू की मदद करना चाहते थे. लेकिन सामाजिक दबाव के कारण वो ऐसा नहीं कर पाये. सामाजिक दबाव और ताने से परेशान होकर सोमवार को दोनों ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली.

कर्ज अदा करने का था दबाव

मृतक ने चार साल पहले फाइनेंस कंपनी से कर्ज लिया थे. स्वयं सहायता समूह के कर्मी ने पैसा जमा करने को लेकर बहुत दबाव बनाया था. दोनों में आर्थिक तंगी को लेकर विवाद होता था. दोनों का अंतिम संस्कार बका नदी तट पर किया गया. मृतक के तीन पुत्र हैं.

अदालत का फैसला

मां-बाप के हत्यारे कलियुगी बेटे को मिली उम्रकैद की सजा

संवाददाता। चाईबासा

प्रधान जिला एवं सत्र जज की अदालत ने मंगलवार को धारा-302 भादवि में अभियुक्त मदिराय उर्फ सुक्का नाग को उम्रकैदल तथा 10,000 रुपए जुर्माने की सजा दी है. मालूम हो कि टेबो थाना में 20 अक्टूबर 2021 को अभियुक्त मदिराय गांव हलमद टोला उलिलोर के विरुद्ध अपने माता-पिता की हत्या करने का केस दर्ज किया गया था.19 अक्टूबर 2021 अभियुक्त मदिराय अपने पिता बादु नाग एवं माता चरिया से झगड़ा हुआ. इसी क्रम में मदिराय ने अपने माता-पिता की हत्या कर दी और इसके बाद वह गांव से फरार हो गया. जांच के क्रम में चाईबासा पुलिस ने अभियुक्त मदिराय अहिर उर्फ सुक्का नाग को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. सभी साक्ष्यों को वैज्ञानिक तरीके से संग्रह करते हुए पुलिस ने अदालत में आरोप पत्र समर्पित किया. जिसके आधार पर अदालत ने मंगलवार को सजा सुना दी.

अमन सिंह हत्याकांड

यूपी और लोकल गुटों में मारपीट में टूटी थी जेल वार्ड की टीवी, अन्य कई सामान भी क्षतिग्रस्त, प्रशासन सतर्क

हत्या के बाद जेल गैंगवार में 9 पर केस

खास बातें

- धनबाद जेल में हत्या बड़ा षडयंत्र, हो गहन जांच
- सरकार पूरे मामले पर अपना जवाब दाखिल करे

संवाददाता। धनबाद

शूटर अमन सिंह की हत्या के बाद जेल में दो गुटों में जम कर मारपीट हुई थी, तोड़फोड़ भी हुए थे. इस मामले में नौ कैदियों को नामजद अभियुक्त बनाते हुए मारपीट व सरकारी संपत्ति नुकसान करने का मुकदमा दर्ज किया गया है. प्राथमिकी में कई अज्ञात भी आरोपी हैं. एक गुट के विकास रवानी उर्फ बजरंगी, सतीश साव, चंदन यादव, अमर रवानी व अन्य शामिल हैं. ये सभी लोग धनबाद के लोकल गिरोह में शामिल हैं. जबकि यूपी के गुट में आजमगढ़ निवासी वैभव यादव, रामपुर महाराजगंज निवासी आशीष शुक्ला, कौतवाली आजमगढ़ निवासी दिनेश कुमार गौड़ और पुटकी निवासी कुंदन कुमार शामिल है. इसी विवाद के बाद धनबाद जेल में बंद करीब दो दर्जन कैदियों को राज्य के अलग-अलग जेल में भेजा जा रहा है. वहीं धनबाद जेल में छापेमारी के दौरान पुरुष वार्ड से जहां पांच मोबाइल बरामद हुए,

वहीं महिला वार्ड से भी एक मोबाइल बरामद हुआ है. मोबाइल व 18 हजार रुपये महिला कैदी मालती टुडू के पास से बरामदगी है. मालती ने पुलिस को बताया कि उक्त मोबाइल उसे महिला बंदी सोनाली सिंह ने जबरन रखने को दिया था. फिर अन्य वार्ड से चार्जिंग केबल, लाइटर, छोटा चाकू, गांजा पीने का चीलम, कैची आदि बरामद किया गया. इस मामले में कार्यपालक दंडाधिकारी रविंद्रनाथ ठाकुर के बयान पर धनबाद थाने में महिला बंदी मालती व सोनाली के अलावा कई अज्ञात के खिलाफ दर्ज की गई है.

कोर्ट परिसर में तैनात पुलिस कर्मी.

अमन हत्याकांड की एसआईटी जांच हो: हाईकोर्ट

रांची। धनबाद जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या के बाद लिए गए स्वतः संज्ञान पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि यह घटना एक बड़े षड्यंत्र की ओर इशारा कर रही है. जेल में हथियार पहुंचना और हत्या होना बड़ी बात है. एसआईटी बना कर इस मामले की जांच होनी चाहिए. सरकार इस पूरे मामले पर कोर्ट में अपना जवाब दाखिल करे.

आईजी ने अदालत को अबतक की कार्रवाई की जानकारी दी : उधर, जेल आईजी उमा शंकर सिंह अदालत के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित हुए. अदालत ने उनसे पूछा कि अब तक की जांच में उन्हें क्या पता चला?

उन्होंने अदालत को बताया कि सेफ्टी मेजर का पूरा ख्याल रखा गया है. घटना के बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है. प्रथम दृष्टया से जिन लोगों की लापरवाही दिखी है, उनके खिलाफ कार्रवाई की गयी है. अब तक घटना में शामिल चार-पांच अभियुक्तों की पहचान की गयी है और उनसे पूछताछ की जा रही है. वही उन्होंने यह माना कि जेल की सुरक्षा में चूक हुई है.

वरीय अधिकारियों की टीम कर रही लगातार जांच

चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र और जस्टिस आनंदा सेन की खंडपीठ में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने पक्ष रखा. उन्होंने अदालत को बताया कि सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और वरीय अधिकारियों की टीम इस पूरे मामले की जांच कर रही है. कोर्ट ने कहा कि सरकार इस पूरे मामले में अपना जवाब हाईकोर्ट में दाखिल करे.

इटली में बनी पिस्टल से शूटर अमन सिंह को मारी गई गोली

जेल में शूटर अमन सिंह की हत्या में प्रयुक्त दो पिस्टल में से एक के बट पर मेड इन इटली लिखा है. यानी यह पिस्टल इटली में बनी हो सकती है. या फिर, इटली बनी पिस्टल के डिजाइन के अनुसार बनी नकली पिस्टल हो सकती है. जबकि दूसरा हथियार देशी बताया जा रहा है. पुलिस को ये हथियार जेल की ऊंची दीवार से लगभग 35 फीट की दूरी पर पड़े मिले थे. एक पिस्टल में मैगजिन लोड थी, इसमें पांच जिंदा गोलियां थीं. इधर, अमन की मौत की जिम्मेवारी लेने वाले उसके शागिर्द रह चुके आशीष सिंह ने दावा किया है कि पिस्टल अमन की ही थी, जिसे अमन ने उसे दिया था. जेल में आदमी भेज कर हत्या कराने से लेकर पिस्टल उपलब्ध कराने का सारा काम उसने खुद किया था. धनबाद पुलिस इन तथ्यों को खंगाल रही है.

धनबाद जेल में फिर बवाल उपायुक्त औरएसपी पहुंचे

मंगलवार की शाम सात बजे धनबाद जेल में फिर से मारपीट व भिड़ंत होने की सूचना पर अफरा-तफरी मच गई. अस्पताल के आठ कैदियों के जख्मी होने की सूचना दी गई, हालांकि बाद में कोई भी कैदी अस्पताल नहीं लाया गया. मारपीट की ये सूचना पूरे शहर में फैल गई. उपायुक्त, ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी समेत कई अधिकारी जेल पहुंचे. देर रात तक टीम जेल में ही थी. हालांकि मारपीट होने की पुष्टि नहीं हुई. बता दें अमन की हत्या के पहले से ही जेल में इन दो गुटों के बीच तनाव पहले से था. लेकिन हत्या के बाद तनाव और बढ़ गया है. अमन की हत्या वाले दिन भी दोनों गुटों भी भिड़ंत हुई थी. आशंका है कि इन दोनों गुटों के बीच फिर से संघर्ष हुआ है. इस विवाद में घायलों को जेल अस्पताल में उपचार ही दिया गया है. गंभीर से रूप कोई कैदी जख्मी नहीं है.

जांच में तेजी

अदालत में बरामद हथियार की जब्ती सूची सौपी गई

अमन हत्याकांड में पुलिस ने मंगलवार को अदालत में बरामद हथियार की जब्ती सूची सौंपी, जबकि सूची में पुलिस ने दो हथियार के बरामद होने की बात कही. एक सिल्वर कलर का ऑटोमेटिक पिस्टल है, जिसके बट में फाइबर लगा हुआ है. पांच जिंदा गोली लोड मैगजीन 7.26 बोर एक काले रंग का ऑटोमेटिक देसी पिस्टल है, जिसके बट पर फाइबर लगा मेड इन इटली लिखा, सेल की दीवार से 35 फीट की दूरी पर मिला. पुलिस ने 4/ 12/ 23 को जब्त किया है. वहीं दूसरी ओर सुरक्षा के लिहाज से जेल प्रशासन ने जेल के अंदर के सभी वार्ड की सख्त घेराबंदी कर दी है. सभी वार्ड को बैरिकेड कर दिया गया है. एक वार्ड का कैदी दूसरे वार्ड में नहीं जा सकता है. जेल प्रशासन ने मंडल कारा धनबाद में बंद पींटू सिंह, विकास सिंह, गांधी, चंदन सिंह, कुर्बान, सागर सिंह, कुंदन धिक्कार, बंटी खान, गोडविन खान समेत 2* को राज्य के दूसरे जिलों में शिफ्ट करने की पूरी तैयारी कर ली है. सूत्रों की मानें तो आज रात्रि में सभी को दूसरे जिलों में शिफ्ट कर दिया जाएगा.

दो कारण

1. सभी वार्ड को बैरिकेड कर दिया गया है. एक वार्ड का कैदी दूसरे वार्ड में नहीं जा सकता है.
2. सूत्रों की मानें तो आज रात्रि में सभी को दूसरे जिलों में शिफ्ट कर दिया जाएगा.

बर्निंग ट्रेन बनने से बची टाटा-हटिया मेमू, पेंट्रो में लगी आग

संवाददाता। चांडिल

टाटानगर से हटिया के बीच चलने वाली मेमू पैसेंजर ट्रेन मंगलवार को बर्निंग ट्रेन बनने से बाल-बाल बच गयी. घटना चांडिल-मुरी रेलखंड पर स्थित लेटेमदा स्टेशन की है. दरअसल, टाटा-हटिया मेमू पैसेंजर ट्रेन रोज की भांति मंगलवार को भी टाटानगर से हटिया के लिए रवाना हुई. ट्रेन लेटेमदा स्टेशन पर जैसे ही पहुंची लोगों ने इंजन के ऊपर पेंट्रो में आग जलते देखा.

ट्रेन के इंजन के ऊपर पेंटोग्राफ में आग लगने के बाद कुछ देर के लिए स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गयी थी. ट्रेन पर सवार पैसेंजर ट्रेन से उतर गए थे. इसकी जानकारी मिलते ही रेलकर्मी हरकत में आए और स्थिति को संभालते हुए ट्रेन को आइसोलेट किया.

ट्रेन के इंजन के ऊपर पैंटोग्राफ में आग लगने के बाद कुछ देर के लिए स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गयी.

मुरी से आई टीआरडी टीम : समय रहते इसका पता चलने पर रेलकर्मी तत्काल हरकत में आए और इसकी सूचना तत्काल अपने वरीय अधिकारियों को दी. इसके बाद मुरी से टीआरडी की टीम लेटेमदा स्टेशन पहुंची और सभी के प्रयास से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया. इस संबंध में लेटेमदा के स्टेशन मास्टर ने बताया कि इंजन के बीच वाले पेंट्रो में आग लग गई थी. इस घटना में किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है. कुछ देर बाद ट्रेन को गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया. एहतियात के तौर पर मुरी से विशेषज्ञों को बुलाया गया था, ताकि किसी प्रकार की अनहोनी होने से रोका जा सके.

धनबाद में पेड़ से टकरा कर बाइक सवार 2 छात्रों की मौत

संवाददाता। धनबाद

धनबाद जिले के बलियापुर में मंगलवार को सड़क हादसे में दो नाबालिग छात्रों की मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, छोटा अंबोना कोइरीबस्ती निवासी तपन दा का 17 वर्षीय पुत्र सूरज और मंतोष गोप का पुत्र धीरज बाइक से बीबीएम कॉलेज, बलियापुर में एडमिशन के लिए गए थे. कॉलेज का काम खत्म कर दोनों वापस अपने घर लौट रहे थे. इसी दौरान सिंदूरपुर पांडेडीह के समीप तेज गति से आ रहे एक वाहन चकमा खाकर इनकी बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई.

दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए. सूचना मिलते ही बलियापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को इलाज के लिए एसएनएमएमसीएच, धनबाद भेजी, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. दो किशोर छात्रों की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया.परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था.

सूरते हाल झारखंड का सबसे बड़ा अस्पताल भी उपकरणों के लिए तरस रहा

रिम्स डेंटल विभाग में सामानों का टोटा... मरीज परेशान

सौरभ कुमार शुक्ला। रांची

रिम्स के डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोटिक्स विभाग में कृत्रिम दांत बनाने के लिए पर्याप्त सामग्री अभाव के कारण मरीज और विभाग में पढ़नेवाले विद्यार्थी दोनों को परेशानी हो रही है. प्रोस्थोटिक्स विभाग में पहले ही वर्ष से बीडीएस के विद्यार्थियों की पढ़ाई शुरू हो जाती है. अब तीन सत्रों को मिला कर 350 छात्र पढ़ाई कर रहे हैं.

ऐसे में पढ़ाई के दौरान उन्हें दांत बनाने के तरीके की जानकारी के लिए इसकी जरुरत पड़ती है. सामग्री की कमी के कारण छात्रों को पढ़ाई में परेशानी होती है. वहीं कुछ छात्र बाहर से सामान लाकर पढ़ाई करते हैं. विभाग में इसी व्यवस्था के बीच मरीजों को भी गुजरना पड़ता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है.

रिम्स के डेंटल कॉलेज.

खास बातें

- छात्रों को पढ़ाई करने में हो रही है समस्या
- मरीजों को नहीं मिल पातीं सारी सुविधाएं

परमानेंनट दांत लगाने का तरीका तक नहीं सिखाया

मिली जानकारी के अनुसार डेंटल विभाग के लिए कई अत्याधुनिक मशीनें खरीदी गयी हैं, लेकिन जब से मशीन आई है, विभाग के लैब के बगल वाले कमरे में उसे बंद कर रखा गया है. वहीं नाम न लिखने के शर्त पर छात्रों ने बताया कि आज तक यहां परमानेंट दांत लगाने की तरीका नहीं सिखाया गया. टेक्नीशियन की बहाली कर दी गई है जिसे कोई जानकारी तक नहीं है.

इन सामानों की पड़ती है जरूरत

जीआईसी, कंपोजिट, अमालगम, एलगिनेट, फाइल्स, डेंटल स्टोन, इंप्रेशन कंपाउंड, स्पिरिट, टीथ सेट, मॉडलिंग वैक्स, डेंटल ब्रेसेज जैसे महत्वपूर्ण सामान मरीजों के लिए उपलब्ध नहीं हो पाता है. जिससे डॉक्टरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है.

क्या कहते है जिम्मेवार

रिम्स डेंटल विभाग में सामानों की कमी, छात्रों और मरीजों को हो रही परेशानी पर डेंटल इंस्टीट्यूट के प्राचार्य डॉ जयप्रकाश ने कहा कि सामानों की कमी की बात स्वीकार करता हूं. सामानों के खरीदारी को लेकर सूची बनाई गई है और उसे रिम्स प्रबंधन को सौंप दिया गया है. टेंडर की प्रक्रिया के बाद खरीदारी होगी. इसके बाद सामान विभाग को सौंपा जाएगा. कहा कि यह प्रक्रिया कई टेबलों से होकर गुजरती है, जिसमें काफी वक्त लगता है. कोशिश कर रहा हूं कि सामान जल्द से उपलब्ध कराए जा सकें.

दो स्टेडियम पर 1.36 करोड़ बिजली बिल बकाया

शुभम किशोर। रांची

राजधानी रांची अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए जानी जाती है. चाहे वो क्रिकेट हो या फिर हॉकी. नेशनल गेम्स के साथ कई राष्ट्रीय स्तर के खेलों की मेजबानी की है. लेकिन रांची के दो ऐसे स्टेडियम है जहां 16 महीनों से बिजली बिल बकाया है. दोनों स्टेडियम मिलाकर ये आकंड़ा लगभग 1.36 करोड़ पहुंच गई है, जो अक्टूबर 2023 तक की है.

रांची के मोरहाबादी में स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम का लगभग 78 लाख का बिजली बिल बकाया है. बता दें इस स्टेडियम के अलग-अलग परिसर में झारखंड खेल विभाग, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन और भारतीय खेल प्राधिकरण के कार्यालय भी है. इसके अलावा मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम का भी लगभग 58 लाख का बिजली बिल बकाया है. दोनों स्टेडियम झारखंड खेल प्राधिकरण (साझा) के अंतर्गत आते हैं. साझा के सचिव राजकिशोर खाका ने कहा की इस मामले पर बिजली विभाग के एग्जीक्यूटिव को पत्र लिखकर पुराने भुगतान की जानकारी मांगी गई है. क्योंकि साझा द्वारा कि गई भुगतान और बिजली विभाग के डिटेल्स में अंतर आ रही है. इसलिए जो भी आउटकम्स आएगा उसे सरकार कि मदद से भुगतान किया जाएगा.

जेबीवीएनएल रांची के एरिया बोर्ड जीएम पीके श्रीवास्तव ने कहा की स्टेडियम को बिजली बिल की जानकारी दी गई है. वहां से भुगतान की बात चल रही है. बता दें ताजा मामला छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम से आया था. जहां भारत और आस्ट्रेलिया के बीच टी-20 मुकाबला जेनरेटर के भरोसे खेला गया था. क्योंकि इस स्टेडियम पर 3.16 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया के कारण बिजली कंपनी ने साल 2018 में स्टेडियम की बिजली आपूर्ति काट दी थी. रांची में भी बिजली विभाग द्वारा लगातार अभियान चराकर 10 हजार से अधिक बकाये वाले उपभोक्ता की बिजली कनेक्शन को काट रही है.

रांची के किस स्टेडियम में कितना आता है बिजली बिल प्रति माह

खेलगांव स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स	34 लाख
बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम	05 लाख
जेएससीए क्रिकेट स्टेडियम	4.89 लाख
जयपाल सिंह मुंडा हॉकी स्टेडियम	3.5 लाख

ब्रीफ खबरें

एनडीए के कार्यकर्ताओं ने गुवा में मनाया जश्न

नोवामुंडी। सोमवार देर शाम को नोवामुंडी प्रखंड अंतर्गत गुवा में मध्य प्रदेश, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ राज्य में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत की खुशी में भाजपा एवं आजसू के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस निकला.आतिशबाजी कर लोगों के बीच लड्डू वितरण कर विजयोत्सव मनाया गया.मुख्य रूप से एसटी मोर्चा के प्रदेश सदस्य मंगल गिलुवा, सारंडा मंडल अध्यक्ष कैलाश दास,रविंद्र प्रधान, रविंद्र सिंह गिल, दीनानाथ पांडे, सागर दास आदि शामिल थे.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी में की जमकर अतिशबाजी

तांतनगर। मध्य प्रदेश,राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिलने पर तांतनगर प्रखंड क्षेत्र के कोकचो चौक में मंगलवार को भाजपा के मंडल अध्यक्ष सुखलाल चातर के नेतृत्व में नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर खुशी मनाई और खूब अतिशबाजी कर विजय उत्साह मनाया.पूर्व प्रत्याशी भूषण पाठ पिंगुवा ने पीएम मोदी,गृहमंत्री अमित शाह,अध्यक्ष जेपी नड्डा का आभार जताया. चुनाव परिणाम आने से कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी बढ़ा है.

विश्व मृदा दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

चक्रधरपुर। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर चक्रधरपुर के प्रखंड कार्यालय में मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जहां मुख्य रुप से प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी श्रृतिराज लक्ष्मी, जिला कृषि पदाधिकारी कालीपद महतो, अनुमंडल कृषि पदाधिकारी डा.अमरजीत कुजूर उपस्थित हुये.मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी कालीपद महतो ने कहा कि खेतों में किसी भी फसल उत्पादन के बीज लगाने से पहले मिट्टी जांच जरुरी है. तभी बेहतर बनाया जा सकता है.

407 वाहन दुर्घटनाग्रस्त चालक व खलासी बचे

किरीबुरु। मनोहरपुर से जमशेदपुर की ओर जा रहा 407 वाहन मनोहरपुर-छोटानागरा के बीच ममार गांव के समीप दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस दुर्घटना में चालक व खलासी बाल-बाल बच गये. यह दुर्घटना 5 दिसम्बर की अहले सुबह लगभग साढे.चार बजे हुई.चालक तेज रफ्तार से वाहन लेकर जा रहा था,तभी वाहन पर से चालक का संतुलन हटाऔर वाहन ममार गांव स्थित सोनू गोप के घर पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया. वाहन का चारों चक्का ऊपर हो गया.

गायत्री महायज्ञ में पूर्व विधायक हुए शामिल

मनोहरपुर। मंगलवार को संत नरसिंह आश्रम परिसर में आयोजित चार दिवसीय 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ व प्रज्ञा पुराण कथा की तृतीय दिवस के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक गुरुचरण नायक उपस्थित थे. वहीं तृतीय दिवस अनुष्ठान का शुभारंभ पूर्व विधायक गुरुचरण नायक गायत्री माता की दीप प्रज्वलित व पूजा अर्चना कर किया. इसमें भारतीय सांस्कृतिक,देव सांस्कृतिक पुनरुत्थान हेतु राष्ट्र जागरण 24 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं पावन प्रज्ञा पुराण कथा,यज्ञ एवं विभिन्न संस्कार संपन्न हुआ.दीक्षा संस्कार,विद्यारंभ संस्कार एवं मुंडन संस्कार आदि निःशुल्क सम्पन्न हुआ. आध्यात्मिक प्रयोग-प्रयास द्वारा धूमिल हो रही पुरातन सनातनी सांस्कृतिक को पुनर्स्थापित करने के लिए गायत्री परिवार प्रयास कर रही है.

जेंडर सीआरपी की महिलाएं महिला हिंसा रोकने को लेकर निकाली जागरूकता रैली

महिला अत्याचार के खिलाफ निकाला कैंडल मार्च

संवाददाता। नोवामुंडी

आज मंगलवार शाम को जेंडर सीआरपी की महिलाओं तथा विभिन्न समूह की महिलाओं सहित महिलाओं पर हो रहे हिंसा को लेकर कैंडल मार्च के साथ जागरूकता रैली निकाली.

इस दौरान रैली के माध्यम से महिलाओं को जागरुक करते हुए जेंडर सीआरपी की गीता देवी ने कहा कि आज महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को महिलाएं चुपचाप सहन कर लेती है. अब महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध मैं आवाज उठाना है. जब तक महिलाएं अत्याचार के विरुद्ध आवाज नहीं उठाएगी तो उन्हें न्याय नहीं मिलेगा. बहुत से ऐसे गांव है जहां अंधविश्वास में डायन बिसाई में महिलाओं की हत्या कर दी जा रही है. कहीं-कहीं महिलाएं घरेलू हिंसा के शिकार हो जा रहे हैं.रैली के बाद सभी महिलाओं को शपथ ग्रहण कराया गया कि आज विश्व महिला हिंसा उन्मूलन दिवस के अवसर पर हम शपथ लेते हैं कि हिंसा के खिलाफ हमेशा आवाज उठाएंगे, और कभी मुख दर्शक बनकर नहीं रहेंगे.हम शपथ लेते हैं कि सहायता मांगने एवं सहायता देने में पीछे नहीं रहेंगे, और सबको हिंसा के खिलाफ जोड़ेंगे.

हम शपथ लेते हैं कि सबके साथ समान व्यवहार करेंगे, और इसकी शुरुआत हम अपने घर से करेंगे.हम शपथ लेते हैं कि लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ चुप्पी तोड़ेंगे. इस मौके पर जेंडर सीआरपी की महिलाओं में गीता देवी, ममता देवी,अनुराधा राव, महादेवी सिंहा,बिमला नाग,सुकांति केराई, सुमन देवी, पिंकी देवी, हसीना खातून सहित अन्य महिलाएं मौजूद थे.

खास बातें

- महिलाओं ने हिंसा के विरूद्ध आवाज उठाने की शपथ ली
- रैली में बड़ी संख्या में क्षेत्र की महिलाओं ने की शिरकत

आओ जानें सामान्य ज्ञान

- रामगढ़ जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –2007
- बोकारो जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –1991
- धनबाद जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –1956
- लोहरदगा जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –1983
- गुमला जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –1983
- सिमडेगा जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –2001
- रांची जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –1899
- खूंटी जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –2007
- सरायकेला जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –2001
- पूर्वी सिंहभूम जिले का गठन किस वर्ष हुआ है ? –1990

टोंटो के सेरेंगसिया व झींकपानी प्रखंड की जोड़ापोखर पंचायत में लगा शिविर

योजना का लाभ ग्रामीणों को देना मुख्य उद्देश्य : विधायक

संवाददाता। चाईबासा

टोंटो के सेरेंगसिया व झींकपानी प्रखंड के जोड़ापोखर पंचायत में मंगलवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया.इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक दीपक बिरुवा उपस्थित हुए.जिनके हाथों से विधिवत दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया.कार्यक्रम में विधायक दीपक बिरुवा एवं अन्य अतिथियों के हाथों विभिन्न लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया.वही विधायक ने कार्यक्रम में लगे विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया.

मौके पर टोंटो प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित भगत एवं झींकपानी प्रखंड विकास पदाधिकारी सीमा आइंद ने ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की.वहीं विधायक दीपक बिरुवा ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना ही सरकार के द्वारा लगवाए जा रहे शिविर का मुख्य उद्देश्य है.यही कारण कि हेमंत सोरेन की सरकार पंचायत स्तर पर गांव में ही सरकारी अधिकारी पहुंच कर आपकी समस्या सुन रहे हैं और ऑन स्पॉट आपकी समस्याओं का निराकरण करने का कार्य कर रहे हैं.

ग्रामीणों की उमड़ रही भीड़ : ग्रामीण शिविर में पहुंचकर विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठायें. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सोच है कि राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मिले जिससे उसका और क्षेत्र का हो समग्र विकास हो सके. विधायक ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को संवेदनशील होकर कार्य करने का निर्देश दिया. संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसकी प्रचार प्रसार को तेज करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित कराएं.

इन योजनाओं का ले रहे लाभ : अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना,गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट योजना, सावित्री बाई फुले बालिका समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, मनरेगा, ई श्रम विभाग समेत कई विभागों से जुड़े स्टॉल लगाए गए हैं. यहां आकर जानकारी प्राप्त करें और इसका लाभ उठाएं. मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन, टोंटो जिला परिषद सदस्य राज नारायण तुबिद, प्रखंड 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति सदस्य मुन्ना सुंडी, प्रखंड प्रमुख अनीता बारी एवं झींकपानी के जोड़ापोखर में प्रखंड 20 सूत्री सदस्य सोगा बुड़ीउली, प्रमुख प्रदीप तामसोय, मुखिया गुरु चरण मुंडा समेत अन्य मौजूद थे.

खास बातें

- विधायक ने विभिन्न स्टॉलों का भी निरीक्षण किया
- लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का किया वितरण

मुखिया ने जरूरतमंदों के बीच किया कंबल वितरण

किरीबुरु। किरीबुरु पश्चिम पंचायत की मुखिया पार्वती किडो एवं उप मुखिया सुमन मुंडू द्वारा पंचायत क्षेत्र के वृद्ध व जरूरतमंदों के बीच पंचायत कार्यालय प्रांगण में कंबल वितरण किया गया. यह कंबल वितरण लोगों को ठंड से बचाने की सरकारी योजना अन्तर्गत किया गया. मुखिया पार्वती किडो.ने बताया की पिछले वर्ष की तुलना में इस बार प्रशासन द्वारा काफी कम कंबल उपलब्ध कराया गया है. जबकि जरूरतमंदों की संख्या काफी अधिक है. हम किसे कंबल दें और किसे नहीं दें यह समझ में नहीं आ रहा है. जिसे कंबल नहीं मिल रहा है वह नाराज होकर जा रहा है. इससे हमारी छवि भी जरूरतमंदों के सामने धूमिल हो रही है. सभी जरूरतमंदों को समझाना मुश्किल हो रहा है.

सीएस ने मोर्चरी बॉक्स का किया अनावरण

संवाददाता। चाईबासा

चाईबासा स्थित गुरुद्वारा नानक दरबार परिसर में पश्चिमी सिंहभूम के सिविल सर्जन डा साहिर पाल के द्वारा नए मोर्चरी बाक्स (डेड बाडी फ्रीजर) का अनावरण किया गया.उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत हिन्दी में की तथा फिर उन्होंने ठेठ पंजाबी में बहुत ही अच्छे तरीके से सभी को संबोधित किया.

उन्होंने कहा कि वाहेगुरु की अपार बख्शीस का सदका कि हम उनकी कृपा से इस तरह के पुनीत कार्य कर रहे हैं.वाहेगुरु हमें और सक्षम करें ताकि हम निस्वार्थ मानव सेवा में लगे रहें. श्री गुरु सिंह सभा के अध्यक्ष गुरमुख सिंह खोखर सचिव जसपाल सिंह, बलजीत सिंह खोखर तथा सदस्यों के द्वारा उन्हे शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस मोर्चरी बाक्स की सेवा कलकत्ता निवासी शिव कुमार जैन द्वारा की गई.इस कार्यक्रम में विशेष तौर से आमंत्रित शहर की विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्ष सचिव एवं सदस्यगणों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समारोह को भव्य बनाया. विदित है कि चाईबासा में सबसे पहला मोर्चरी बाक्स का अनावरण गुरुद्वारा नानक दरबार परिसर में आज से सात साल पहले चार सितंबर 2016 में हुआ था। श्री गुरु सिंह सभा द्वारा मोर्चरी की सेवा चौबीसों घंटे निशुल्क दी जाती है.

इंडिया गठबंधन को संगठित करने की मांग उठी

चाईबासा। लोकतंत्र बचाओ 2024 अभियान की ओर से जिलाध्यक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कमेटी,पश्चिम सिंहभूम चाईबासा, जिलाध्यक्ष, झारखंड मुक्ति मोर्चा, पश्चिम सिंहभूम, सांसद गीता कोड़ा व मझगांव विधानसभा के विधायक निरल पूर्ति और और चाईबासा विधानसभा के विधायक दीपक बिरुवा को संलग्न पत्र दिया गया. पत्र को पार्टी कार्यालय में व जन प्रतिनिधियों के सचिवों को दिया गया. साथ ही, अभियान का पर्चा भी दिया गया.अभियान का मानना है कि झारखंड, देश, लोकतंत्र संविधान को बचाने के लिए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है. बैठक में क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों से सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया. बैठक में मोदी सरकार के जन विरोधी नीतियों व संविधान विरोधी रवैया पर विस्तृत चर्चा हुई.

ओपन कराटे चैंपियनशिप में राज्य के 500 खिलाड़ी लेंगे भाग

संवाददाता। चाईबासा

स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्वावधान में झारखंड ओपन कराटे चैंपियनशिप रांची के खेल गांव में आयोजित की जाएगी. चैंपियनशिप 9 एवं 10 दिसंबर को होगी. इस चैंपियनशिप में राज्य भर के लगभग 15 जिलों से 500 कराटेकारों के भाग लेने की संभावना है. जेकेएआई झारखंड वेस्ट सिंहभूम के 22 कराटेकार इस चैंपियनशिप में शामिल हो रहे हैं. इस चैंपियनशिप में काता, कुमीते, टीम काता एवं टीम कुमीते स्पर्धा होगी. इस चैंपियनशिप में जीतने वाले गोल्ड मेडलिस्ट कराटे कारों को मेडल के साथ-साथ केस अवॉर्ड भी दिया जाएगा. यह जानकारी जेकेएआई झारखंड के मुख्य प्रशिक्षक एवं अध्यक्ष सेंसई पंकज कुमार सिंह ने दी.

असामाजिक तत्व काट रहे वाई-फाई का केबल

संवाददाता। किरीबुरु

खास बातें

- छात्र-छात्राओं की शिक्षा हो रही प्रभावित
- न्यू कैंप एरिया में रहने वाले लोग परेशान

सेल की किरीबुरु-मेघाहातुबुरु टाउनशिप के न्यू कैम्प क्षेत्र में असामाजिक तत्वों द्वारा निरंतर संचार की वाई-फाई सुविधा से जुड़ी केबल लाइन काटे जाने से लोगों में भारी आक्रोश व नाराजगी है. लोगों ने इसकी शिकायत किरीबुरु थाना पुलिस से भी की है. न्यू कैम्प के लोगों ने बताया कि इस क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क नहीं पकड़ता है. इससे आम लोगों, खासकर छात्र-छात्राओं को संचार सुविधाओं को लेकर भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. बच्चों की शिक्षा प्रभावित नहीं हो इस लिये कुछ लोगों ने बीएसएनएल का वाई-ई सुविधा अपने घरों में लिया. इस सुविधा हेतु दूर से लाया गया केबल तार को अज्ञात लोग काटकर छोड़ दे रहे हैं. इससे संचार सुविधा का लाभ नहीं मिल रहा है. यह केबल बार बार काटा जा रहा है, तथा ऐसा करने वाले कटा तार भी नहीं ले जा रहे हैं. जिससे यह कहा जा सके की चोरी की नियत से ऐसा किया जा रहा है.

नाकामी छिपाने के लिए लगा रहे शिविर : गोप

तांतनगर। झामुमो नेतृत्व चल रही झारखंड सरकार पिछले चुनाव में जनता से किये वादों को पुरा नहीं कर सकने,नाकामी को छुपाने तथा जनता की मूल भावना से दिगभ्रमित करने के लिए सरकार आपकी योजना, आपकी सरकार,आपके द्वार शिविर पंचायतों में लगा रही है. यह बात अंबेडकर राइट पार्टी ऑफ इंडिया के लोकसभा प्रभारी राम हरि गोप ने कही. झामुमो पिछले चुनाव में युवाओं को नौकरी व रोजगार देने का वादा भूल कर जनता के साथ धोखा कर रही है. सरकार अभी तक स्थानीय नीति व विस्थापन नीति बना नहीं पायी है. आदिवासियों से जमीन छिनी जा रही है.सिर्फ जनताओं का ध्यान भटकाने के लिए शिविर लगाया जा रहा है.

समस्या पूर्व विधायक ने मलेरिया प्रभावित गांव चुरगी का दौरा किया

पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर आर्थिक मदद की

संवाददाता। मनोहरपुर

मलेरिया संक्रमण रोग से प्रभावित पश्चिमी सिंहभूम जिला के सुदूरवर्ती सारंडा स्थित गांव चुरगी का एवं मनोहरपुर सीएचसी में इलाजरत रोगियों को देखने पूर्व विधायक गुरुचरण नायक मंगलवार को दौरा किया. इस दौरान उस गांव में मलेरिया ज्वर से दो बच्चों की मौत को लेकर उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाक़ात किया.

अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के मुखिया को आर्थिक मदद किया.गुरुचरण नायक ने गांव में मेडिकल कैंप का भी जायज़ा लिया.तथा वर्तमान स्थिति के बारे मेडिकल टीम कर्मियों से जानकारी प्राप्त किया.उन्होंने गांव में वेहतर इलाज के अलावा ग्रामीणों को अविलंब मच्छरदानी वितरण के लिए जिला के उपायुक्त एवं जिला चिकित्सा पदाधिकारी से दूरभाष में वात किया.वहां कैंप लगाकर उपचार में लगे मेडिकल टीम के चिकित्साकर्मी ने बताया कि चार दिन हुए लगातार मेडिकल कैंप लगाकर ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच व मलेरिया जांच किया जा रहा है.चूंकि स्थिति सही होने तक गांव में मेडिकल कैंप जारी रहेगा.अब तक कुल 48 लोग मलेरिया संक्रमित(पॉजेटिव) पाए गए है.जिसमें 19 मलेरिया संक्रमित रोगियों का मोंहरपुर सीएचसी में इलाज चल रहा है.शेष मलेरिया संक्रमित रोगियों का इलाज गांव में ही चिकित्साकर्मीयों के देख रेख में उपचार चल रहा हैं. वहीं जिला प्रशासन चुरगी गांव की स्थिति पर नज़र बनाए हुए है.इसके लिए आज जिला एवं राज्य की मेडिकल टीम भी चुरगी गांव का दौरा किया.तथा वेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को दिशा निर्देश दिया.

CLASSIFIED

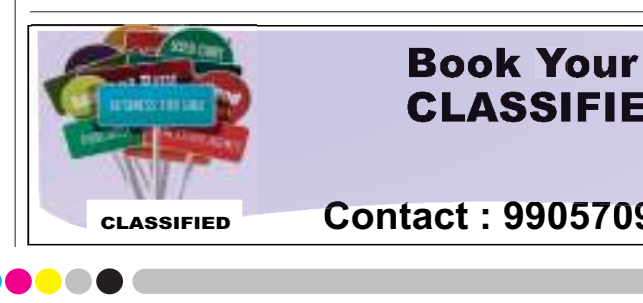

ब्रीफ खबरें

दुर्गम पहाड़ी दंपाबेड़ा पहुंचे पूर्व कमिश्नर

डुमरिया। कोल्हान के पूर्व कमिश्नर विजय कुमार सोमवार शाम को भाजपा नेता टुकाई मरांडी के साथ डुमरिया प्रखंड दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र दंपाबेड़ा पंहुचे. सबर बस्ती में भाजपा के तीन राज्यों में मिली जीत का जश्न सबर जनजाति के लोगों के साथ मनाया.उन्होंने लड्डू का वितरण किया. जनजाति के लोगों के बीच 50 कंबल का वितरण किया.इस अवसर पूर्व कमिश्नर ने सबर बस्ती की समस्याओं की जानकारी ली. समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल करेंगे.

पुलिस ने डुमरिया में की पैदल पेट्रोलिंग

डुमरिया। डुमरिया थाना प्रभारी संजीवन उरांव के नेतृत्व में मंगलवार को पुलिस बल द्वारा डुमरिया में पैदल पेट्रोलिंग किया गया.बुधवार को जिले में वीवीआईपी मूवमेंट के मद्देनजर भीड़भाड़ और बाजार क्षेत्र में पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग की गई.साथ ही दूर दराज क्षेत्रों में भी पेट्रोलिंग वाहन से की गई.इसके साथ ही थाना के समीप वाहन चेकिंग भी किया गया.बुधवार को सीएम हेमंत सोरेन का जमशेदपुर आगमन है.जिला पुलिस द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है.

सीएम के कार्यक्रम को लेकर कई मार्गों पर नो एंट्री

आदित्यपुर। मुख्यमंत्री के खरसावां आगमन कार्यक्रम को लेकर सरायकेला बिरसा चौक से चांदनी चौक खरसावां तक और आकर्षणी मंदिर से गोंड़पुर मोड़ तक 6 दिसंबर को सुबह 9 से शाम 7 बजे तक नो एंट्री रहेगी. जिला यातायात प्रभारी राजेश कुमार सिंह ने दी. इस दैरान सभी प्रकार के बड़े वाहनों के साथ व्यावसायिक वाहनों का परिचालन पूर्णतः बंद रहेगा.यातायात को दुरुस्त रखने को लेकर उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर लिया गया है.

अज्ञात वाहन के धक्के से राहगीर घायल

चांडिल। चौका-कांड्रा सड़क पर खूंटी जुड़िया पुल के पास मंगलवार को हुई सड़क दुर्घटना के एक राहगीर घायल हो गया.राहगीर की पहचान अनगड़ा थाना क्षेत्र के रहने वाले आनंद सिंह के रूप में किया गया है. सड़क पर जाने के दौरान अज्ञात वाहन ने उसे धक्का मार दिया था.घायल अवस्था में आनंद सिंह सड़क किनारे पड़े थे. पीएलवी कार्तिक गोप और भुपेन चंद्र महतो सड़क किनारे घायल को देखकर तुरंत एंबुलेंस और चौका थाना की पुलिस को इसकी सूचना दी.

टाटा-एर्नाकुलम एक्सप्रेस 7 से 17 तक रहेगी रद्द

जमशेदपुर। चक्रवात मिचौंग को लेकर टाटानगर समेत अन्य मार्ग की ट्रेनों को रेलवे ने रद्द का आदेश जारी कर दिया है. टाटानगर एर्नाकुलम साप्ताहिक एक्सप्रेस को अप डाउन में 7 से 17 दिसंबर तक रद्द कर दिया गया है. जबकि रविवार को भी टाटानगर से एर्नाकुलम की ट्रेन नहीं खुली न ही मंगलवार को रवाना हुई. चक्रवात के कारण धनबाद-एलेप्पी एक्सप्रेस भी 3 से 7 दिसंबर तक रद्द है. रेलवे ने विभिन्न स्टेशनों से कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है.

मुकेश महाराज को लंदन में मिला जागरण एचिवर अवॉर्ड

आदित्यपुर। ब्रह्मभट्ट कल्याण समिति, जमशेदपुर के महासचिव सुबोध महाराज के भाई मुकेश महाराज को लंदन में जागरण एचिवर अवॉर्ड-2023 प्राप्त हुआ है. मुकेश महाराज को उक्त अवॉर्ड लन्दन में पिछले दिनों आहुत कार्यक्रम में दिया गया है. यह अवार्ड उन्हें व्यवसाय के क्षेत्र के बेहतर व्यवहार, क्वालिटी तथा सामाजिक दायित्व के निर्वहन के लिए मिला है. मुकेश महाराज के अनुसार उन्हें उत्तर प्रदेश में आईवियर गुणवत्ता के लिए पुरष्कार मिला है .

वेलफेयर ट्रस्ट ने किया लड्डू का वितरण

घाटशिला। भरत सिंह वेलफेयर ट्रस्ट कार्यालय दाहीगोडा के समीप हनुमान मंदिर के पास मुख्य सड़क पर राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की खुशी में मंगलवार को लड्डू का वितरण किया गया.इस संबंध में भाजपा नेता रवि शंकर सिंह ने कहा कि झारखंड प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य भरत सिंह के निर्देश पर भरत सिंह वेलफेयर ट्रस्ट के द्वारा जीत की खुशी मनाते हुए जश्न मनाया.

अपराधियों पर नकेल कसने के लिए जमशेदपुर पुलिस ने तैयार किया एक्शन प्लान

2739 अपराधियों पर 17 नोडल अफसर की रहेगी नजर

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के शहरी थाना क्षेत्रों के कुल 2739 चार्जशिटेड अपराधियों पर पुलिस नजर रखने की तैयारी कर रही है. इसके लिए सभी शहरी थानों में एक नोडल पदाधिकारी की भी नियुक्ति की गई है. इसको लेकर सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने मंगलवार को सभी नोडल पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की. बैठक में सभी को अपने-अपने कार्यों के बारे में बताया गया. जिले से शहरी थानों में आर्म्स एक्ट, हत्या, एनडीपीएस, रंगदारी, डकैती, लूट और छिनतई करने वाले कुल 2739 अपराधी ऐसे है जिसे पुलिस ने चिन्हित किया है जिसपर पुलिस नजर रखेगी.

सूची में शामिल अपराधियों की संख्या

आर्म्स एक्ट	470	लूट	267
एनडीपीएस	370	गृहभेदन	307
हत्या	123	छिनतई	138
रंगदारी	74	वाहन चोरी	478
डकैती	68	विविध चोरी	444

जमशेदपुर पुलिस कर रही अभियान की शुरुआत

सिटी एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने बताया कि जमशेदपुर पुलिस की ओर से इस अभियान की शुरुआत की जा रही है. इसके तहत 1 जनवरी 2022 से 30 सितंबर 2023 तक के जितने भी अपराधी है उनकी एक लिस्ट तैयार की गई है. ये अपराधी शहर के 17 थाना क्षेत्रों के रहने वाले है. वहीं शहरी क्षेत्र को भी चार जोन में बांटा गया है. जिसकी मॉनिटरिंग उनके द्वारा की जाएगी. सभी थाना के पदाधिकारियों को इन अपराधियों की गतिविधि पर नजर रखने का टास्क दिया जाएगा. इन अपराधियों का दोहरा सत्यापन किया जाएगा. यह अपराधी जिस थाना क्षेत्र में रहते है उस थाना द्वारा और जहां अपराधी ने घटना को अंजाम दिया है उस थाना द्वारा अपराधी का सत्यापन किया जाएगा. इसके लिए अलग-अलग फॉर्मेट तैयार किए गए है जिसमें अपराधी से जुड़ी जानकारियां रहेंगी. सिटी एसपी ने बताया कि इस डेटा में अपराधी के जीवन शैली, वकील की जानकारी, सहयोगियों की जानकारी, दिनाचार्य जैसी जानकारियों को शामिल किया जाएगा. जब यह डेटा तैयार हो जाएगा तो भविष्य में अपराधियों को पकड़ने में आसानी होगी. वहीं इन डेटा को पुलिस भविष्य में भी इस्तेमाल में ला सकेगी.

आओ जानें

झारखंड : एक नजर

1. झारखंड राज्य गठन के पश्चात् कितने नए ब्लॉक बने ? **-502.**
2. झारखंड की उपराजधानी कौन सी है ? **-दुमका**
3. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 19 वा जिला कौन सा है ? **-सरायकेला**
4. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 20 वा जिला कौन सा है ? **-लातेहार**
5. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 21 वा जिला कौन सा है ? **-जामताड़ा**
6. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 22 वा जिला कौन सा है ? **-सिमडेगा**
7. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 23 वा जिला कौन सा है ? **-खूंटी**
8. झारखंड की जिलों के गठन के क्रम में 24 वा जिला कौन सा है ? **-रामगढ़**
9. झारखंड में कुल कितने नगर निगम है ? -8
10. रांची नगर निगम की स्थापना कब हुई थी ? **-15 सितम्बर 1979**

छह माह बाद हाईकोर्ट ने अमला मुर्मू मामले में सुनाया फैसला

अमला मुर्मू चांडिल प्रमुख पद पर रहेंगी बरकरार

संवाददाता। चांडिल

झारखंड उच्च न्यायालय ने चांडिल प्रखंड के प्रमुख पद को लेकर दायर रिट याचिका का सुनवाई करते हुए अमला मुर्मू के पक्ष में फैसला सुनाया है. अमला मुर्मू बनाम झारखंड सरकार, उपायुक्त सरायकेला-खरसावां,गुरुपद हांसदा, अनुमंडल पदाधिकारी चांडिल, अंचलाधिकारी चांडिल,झारखंड चुनाव आयोग, पंचायत राज पदाधिकारी सरायकेला-खरसावां के रिट याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय ने अंतिम सुनवाई की. लगभग छह महीने तक उच्च न्यायालय में बहस होने के बाद अंतिम फैसला सुनाया गया है. उच्च न्यायालय के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी के अदालत में यह फैसला सुनाया गया.फैसले के बाद यह तय माना जा रहा है याचिकाकर्ता अमला मुर्मू चांडिल प्रमुख पद पर बरकरार रहेंगी.

खास बातें

- गुरुपद हांसदा ने जाति प्रमाण पत्र को गलत बताया था
- उपायुक्त ने कार्रवाई करते हुए पद से विमुक्त किया था
- 2022 में भादूडीह पंचायत से पंसस पद पर चुनाव जीती थी

न्यायालय से मिला न्याय : अमला मुर्मू

झारखंड उच्च न्यायालय के अंतिम फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए तत्कालीन चांडिल प्रमुख एवं याचिकाकर्ता अमला मुर्मू ने कहा कि उन्हें पद से हटाने के लिए एक गहरी साजिश रची गई थी. उन्हें राजनीति का शिकार बनाया गया था. आदिवासी महिलाओं को अपमानित करने का काम किया है लेकिन न्यायालय ने महिलाओं और आदिवासियों के पक्ष में फैसला देकर न्याय किया है. उन्होंने कहा कि अब वे महिलाओं को जागरूक करने का काम करेगी और उन्हें अपने अधिकारों की जानकारी देगी.

उपायुक्त ने रद्द किया था पंसस का पद

चांडिल प्रमुख अमला मुर्मू पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले की बेटी हैं जो चांडिल के भादूडीह निवासी जयराम माझी की पत्नी है. 2022 के झारखंड पंचायत चुनाव में अमला मुर्मू ने अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीट से भादूडीह पंचायत समिति सदस्य के लिए चुनाव लड़ी और चुनाव जीती. इसके बाद अमला मुर्मू चुनाव जीतकर प्रमुख बनी .चुनाव में पराजित होने वाले गुरुपद हांसदा ने अमला मुर्मू के जाति प्रमाण पत्र को गलत बताते हुए उपायुक्त से शिकायत किया था. शिकायत पर उपायुक्त ने अमला मुर्मू के खिलाफ फैसला देते उसकी प्रमुख पद और पंचायत समिति सदस्य के पद को रद्द कर दिया था .प्रमुख का चुनाव कराने का भी आदेश जारी कर दिया गया था.

कुणाल षाड़ंगी ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

संवाददाता। जमशेदपुर

बहरागोड़ा के पूर्व विधायक सह भाजपा के झारखंड प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने पुर्वी सिंहभूम जिले के कई ज्वलंत व लंबित समस्याओं को लेकर राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह से मुलाकात की. मंगलवार को रांची में हुए मुलाकात में कुणाल षाड़ंगी ने पुर्वी सिंहभूम जिले के किसानों के मुद्दे, डुमरिया में उत्तराखंड के उत्तरकाशी टनल से वापस आये छह श्रमिकों और बहरागोड़ा क्षेत्र की समस्याओं की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया. कुणाल षाड़ंगी ने बताया कि जिले में फसल बीमा योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से अब तक किसानों को बीमा का पैसा भुगतान नहीं किया गया है. पुर्वी सिंहभूम जिले के किसानों को लैंप्स में बेचे गए धान का भुगतान नहीं मिलने और उत्तरकाशी के टनल में फंसे छह श्रमिकों को स्वरोजगार से जोड़ने और स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने की मांग की. कुणाल षाड़ंगी ने बहरागोड़ा के केवला से कैमी तक की जर्जर सड़क को दुरूस्त करने एवं पथ निर्माण विभाग से मोटेल चौक से पाथरा तक की सड़क की मरम्मत का टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग की है.

शिविर लगाकर लोगों को दी गयी कानून की जानकारी

संवाददाता। चांडिल

सौ दिवसीय आउटरीच सह जागरूकता कार्यक्रम के तहत मंगलवार को अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, चांडिल की ओर से प्रभात फेरी निकालकर लोगों को कानून की जानकारी दी गई. इसके साथ ही लोगों को उनके कानूनी अधिकार और कर्तव्यों को लेकर भी जागरूक किया गया. प्रभात फेरी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय चांडिल से प्रारंभ होकर पुनर्वास कालोनी का भ्रमण कर वापस न्यायालय परिसर पहुंचा और समाप्त हुआ. प्रभात फेरी की अगुवाई अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति के सचिव सह एसडीजीएम प्रभारी न्यायाधीश अमित आकाश सिन्हा ने किया.

लोगों को दी गयी अधिकारों की जानकारी

इस अवसर पर अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति, चांडिल की ओर से लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में बताया गया. इसके साथ ही बाल विवाह, बाल श्रम समेत अन्य बाल अपराध, महिलाओं के अधिकार, कैदियों के अधिकार, विभिन्न प्रकार के घरेलू हिंसा से संबंधित जानकारी और उस पर होने वाली सजा के बारे में बताया गया. प्रभात फेरी में अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय के कर्मचारी राजेश कुमार, हरिचरण राम, आनंद कुमार, मनमोहन दास, अरुण महतो, छक्कन लाल पटनायक, नवल किशोर, पीएलवी कार्तिक गोप, भुपेन चंद्र महतो, रमजान अंसारी एवं ग्रामीण मौजूद थे.

श्री मंगसीर नवमी पर निकली कलश यात्रा

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के जुगसलाई गर्ल्स स्कूल रोड स्थित श्रीश्री रानी सती मंदिर में इस बार 24वें मंगसीर नवमी महोत्सव का आयोजन किया गया है. इस तीन दिवसीय महोत्सव के तहत मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गयी,जो विभिन्न मार्गों से होते हुए पूरे जुगसलाई का भ्रमण कर पुनः मंदिर पहुंच कर संपन्न हुई. कलश यात्रा में शामिल दादी की मनोहारी झांकी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही. इसमें शामिल सैकड़ों महिलाएं कलश लिये तो कई दादी के भजनों पर थिरकते हुए चल रही थीं. यह आयोजन प्रत्येक वर्ष श्री रानी सती सत्संग समिति की ओर से धूमधाम के साथ किया जाता है. इसके तहत कलश यात्रा के साथ ही दादी कथा एवं दादी भजन का आयोजन किया जाता है. महोत्सव के पहले दिन पिछले सोमवार को महिलाओं ने दादी को मेहंदी रचाई, जबकि आज भव्य कलश यात्रा निकली. वहीं बुधवार भजन और दादी के मंगलपाठ के साथ इस महोत्सव का समापन होगा. इसके लिए अन्य शहरों से जानेमाने कलाकारों को आमंत्रित किया गया है. इस आयोजन में समिति के सभी पदधारी एवं सदस्य सराहनीय भूमिका निभा रहे हैं.

'बैंक का उद्देश्य लोगों को सूदखोरों से बचाना है'

जमशेदपुर। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष मदन मोहन बरियार ने सिंहभूम क्षेत्र का दौरा किया. इस अवसर पर जमशेदपुर में सिंहभूम क्षेत्र की सभी 81 शाखाओं के शाखा प्रबंधकों एवं कर्मचारियों के साथ उन्होंने समीक्षा बैठक की, जिसमे झारखंड के विकास में बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया. दौरे का मुख्य उद्देश्य स्थानीय शाखा प्रबंधकों और कर्मचारियों से मिलकर स्थानीय जनता की आवश्यकताओं को समझना और उनकी समस्याओं का समाधान करना था. उन्होंने बैंक की विभिन्न शाखाओं के प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण बैंक का लक्ष्य सूक्ष्म और लघु उद्योगों को सस्ता और त्वरित ऋण उपलब्ध कराना है. बैंक का उद्देश्य ग्रामीण जनता को सूदखोरों से बचाना भी है. हमें उत्प्रेरक तत्व के रूप में कार्य करना है और ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक विकास को गति प्रदान करना है. हमें ग्रामीण क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए ग्रामीणों के बीच बैंकिंग की आदतें विकसित करनी है. लोगों कि वित्तीय आवश्यकताओं की पहचान कर कृषि एवं गैर-कृषि के क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाना है. उन्होंने कहा कि हम एक सेवा प्रदाता हैं और जेआरजी बैंक वित्तीय समाधानों का सुपर स्टोर है.

समाज विरोधी गतिविधियों पर ग्रामीण लगायें प्रतिबंध: बुद्धदेव

संवाददाता। मझगांव

प्रखंड मानकी मुंडा संघ भवन परिसर में मंगलवार को मानकी मुंडा संघ का मासिक समीक्षा बैठक संघ के उपाध्यक्ष बुद्धदेव पिंगुवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई. बैठक में उपस्थित प्रखंड क्षेत्र के सभी गांव के मानकी, मुंडा व डाकुवाओ को संबोधित करते हुए बुद्धदेव पिंगुवा ने कहा कि सभी मानकी मुंडा अपने अपने गांव क्षेत्र के भूमि, आपसी विवाद मामला को बैठक आयोजित कर निष्पक्ष रुप से निपटारा करें.

जंगलों की रक्षा करने के लिए लकड़ी माफियाओं को अपने अपने गांव में प्रतिबंध लगाए. जंगलों से एक भी पेड़ अनावश्यक कटाई न हो यह सुनिश्चित करें, ग्राम क्षेत्र के रैयतों का लगान रसीद काटकर अंचल कार्यालय में लगान जमा करें. अपने पोषक क्षेत्र के विद्यालयों में होने वाली बैठक में आवश्यक रूप से सभी ग्रामीण मुंडा एवं मानकी भागीदारी ले. ताकि बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा गुणवत्तापूर्ण मिले. अपने-अपने क्षेत्र की एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो इसके लिए ग्राम सभा स्तर पर विचार विमर्श आवश्यक है. अपने अपने क्षेत्र के ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले उसके लिए इलाज हेतु मरीज को अस्पताल तक लेकर जाएं जिस गांव में वन समिति गठित नहीं है वहां तत्काल वन समिति गठन कर पौधरोपण आवश्यक है. इस मौके पर मुंडा मोरन सिंह बिरुवा, बुद्धदेव पिंगुवा, मानकी राजनिकेश पिंगुवा, पसवान्त पाट पिंगुवा, जुमल सिंह कोडेंकल, खागेश्वर नायक, गुरुचरण नायक, राजेश बागवती, हरिश पिंगुवा, लादुरा चातार, मोरन सिंह हेंब्रम, आदि प्रंखड़ क्षेत्र मानकी, मुंडा डाकुवा उपस्थित थे।

In the Court of
Sri Praveen Kumar
EXECUTIVE MAGISTRATE
BERMO AT TENUGHAT

AFFIDAVIT

I, Mazhar Hussain S/o Abdul Razzak aged about 76 years, Resident of 28 Digembar Babu Lane OCC Ranchi, GPO - Ranchi P.S.-Daily Markel, Dist. Ranchi, At present at Swang Purana Mines, Mahavir Sthan, P.O Swang, P.S. Gomia Dist Bokaro (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That, my Nationality is Indian.
2. That, in my Aadhaar card vide No. 5459 1136 1380 my name has been mentioned as Mazhar Hussain but in my Bank account of Bank of India Swang Colliery vide A/c No. 489810100000548 my name has been mentioned as Md Mazhar Hussain.
4. That, Mazhar Hussain and Md Mazhar Hussain both names are one and same person i.e. myself.
5. That, I want to correct or rectify my name in my above said bank account as Mazhar Hussain in place of Md Mazhar Hussain
6 That,I am swearing this affidavit to produce it before authority concern for needful purpose.
7 That, the above contents of this affidavit are true and correct, If in future the above contents shall be found incorrect, than shaill be laible to appropriate punishment.

Aff. No.2467/24.11.23

समस्या कई अस्पताल और नर्सिंग होम एनजीटी के निर्देशों का कर रहे उल्लंघन

अस्पतालों के बायो कचरा का नहीं हो रहा निष्पादन

संवाददाता। आदित्यपुर

आज भी कोल्हान के आधे अस्पतालों और नर्सिंग होम का बॉयो कचरा का प्रॉपर निष्पादन नहीं हो रहा है. प्रदूषण नियंत्रण पर्षद से जो आंकड़े मिले हैं वह चौंकाने वाले हैं. प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के क्षेत्रीय पदाधिकारी राम प्रवेश कुमार ने बताया कि कोल्हान में कुल सरकारी और गैर सरकारी 414 अस्पताल और नर्सिंग होम हैं, लेकिन वर्तमान में संग्रह किये गए आंकड़ों के अनुसार 245 अस्पताल व नर्सिंग होम ही अपना बॉयो कचरा कॉमन इफ्यूलेंट ट्रीटमेंट प्लांट में भेज रहे हैं. उन्होंने बताया कि यहां 2 कॉमन इफ्यूलेंट ट्रीटमेंट प्लांट हैं. पहला रामकी इंवायरो दुगनी सरायकेला और दूसरा बॉयो जेनेरिक रामगढ़, हजारीबाग में है.

कोरोना काल से दुगनी सीईटीपी में 148 और रामगढ़ सीईटीपी में 97 अस्पताल व नर्सिंग होम बॉयो कचरा रेग्युलर भेज रहे हैं. प्रॉपर बॉयो कचरा निष्पादन नहीं करने में ज्यादा सरकारी अस्पताल शामिल हैं. वे फंड का रोना रोते हैं. इस प्रकार बॉयो कचरा के प्रॉपर डिस्पोजल करने में सरकारी अस्पताल ही पीछे हैं. इन्हें जब नोटिस भेजी जाती है तो सरकारी अस्पताल फंड की कमी का रोना रोते हैं. उन्होंने बताया कि एनजीटी का स्पष्ट निर्देश है कि सभी अस्पताल और नर्सिंग होम को अधिकतम 70 किलोमीटर की दूरी पर ही अवस्थित सीईटीपी में बॉयो कचरा का निष्पादन आवश्यक रूप से करना है. इसके वाबजूद 97 अस्पताल व नर्सिंग होम 150 किलोमीटर दूर रामगढ़ भेजते हैं, जबकि उन्हें सरायकेला स्थित दुगनी भेजनी है. उन्होंने इस संबंध में नोटिस जारी करने की बात कही है. उन्हें हर हाल में एनजीटी के निर्देशों का पालन करना सुनिश्चित करने की चेतावनी देने की बात कही है. साथ ही वैसे सरकारी अस्पताल जो अपना बॉयो कचरा इधर-उधर निष्पादित कर रहे हैं, उन्हें भी नोटिस भेजकर सीईटीपी में डिस्पोजल करना सुनिश्चित करने की चेतावनी देने की बात कही है.

खास बातें

- 150 किमी दूर भेजते हैं बॉयो कचरा, भेजी जा रही नोटिस
- 414 अस्पताल और 245 नर्सिंग होम बॉयो कचरा को भेजते हैं प्लांट

हो जाएं अलर्ट : अगर आप एटीएम कार्ड लेकर पैसा निकासी करने जा रहे हैं तो हो जाएं सावधान

कतरास में धोखाधड़ी कर एटीएम से निकाल लिए हजारों रुपये

संवाददाता । कतरास

इनसे रहें सावधान

अगर आप एटीएम कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद ही जरूरी है. दरअसल, कतरास में एटीएम कार्ड कि धोखाधड़ी कर हजारों रुपया की निकासी का मामला प्रकाश में आया है. घटना के संबंध में बताया जाता है कि कतरास छाताबाद निवासी संजय शर्मा ने अपनी पत्नी का एटीएम कार्ड लेकर छाताबाद स्थित एसबीआई एटीएम मशीन पैसा निकासी करने पहुंचे थे. वहां पहले दो युवक व एक महिला बुरखा पहन कर खड़ी थी. संजय शर्मा एटीएम पहुंच कर पैसा निकालने के लिए मशीन में अपनी पत्नी का एटीएम मशीन में डाला और पिन नंबर दर्ज किया लेकिन पैसा नहीं निकला तभी बाहर खड़े युवक एटीएम मशीन से संजय का एटीएम कार्ड मशीन से निकाल लिया. संजय के विरोध करने पर युवक ने उसी एटीएम की तरह एक दूसरा एटीएम कार्ड संजय शर्मा को थमा दिया. धोखाधड़ी से अनजान संजय शर्मा एटीएम लेकर पंचगड़ी बाजार एसबीआई एटीएम मशीन पहुंचे और अपना पैसा निकालने के लिए एटीएम कार्ड डाल कर पिन कोड डाला तो पिन गलत बताने लगा. जिसके बाद संजय एटीएम गार्ड से जानकारी ली तो पता चला कि उक्त एटीएम उसका नहीं है. तक उसके एटीएम कार्ड से पैसा की निकासी होने का एक मैसेज मिला जिसके बाद संजय शर्मा अपनी पत्नी के साथ भागे-भागे बैंक पहुंच कर बैंक प्रबंधक को जानकारी दी. तभी दूसरी बार भी उसके एटीएम से खरीदारी होने का मैसेज आया जिसके बाद बैंक के द्वारा तत्काल पैसे की निकासी पर रोक लगाया गया.

इधर, भुक्तभोगी ने घटना के संबंध में कतरास पुलिस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के बजाय उस शिकायत पर सनहा दर्ज कर लिया. पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट संजय शर्मा मंगलवार को बाघमारा डीएसपी निशा मुर्मू से मुलाकात कर अपनी आपबीती सुनाई ओर लिखित शिकायत दी. साथ ही शिकायतकर्ता ने अपने स्तर से मामले की तहकीकात कर धोखाधड़ी करने वाले युवकों की तस्वीर भी पुलिस को उपलब्ध करवाया है. संजय शर्मा के अनुसार उनके पत्नी के एटीएम से एक बार में 40000, दूसरी बार में 15295 व तीसरे बार में 17150 की खरीदारी की गई है. कुछ मिलाकर 72445 रुपए की धोखाधड़ी कर निकासी की गई है.

खास बातें

- धोखाधड़ी करने वाले युवकों की तस्वीर सीसीटीवी में कैद
- भुक्तभोगी ने कतरास पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज की

आओ जानें

14 जिलों में सड़क दुर्घटना में वृद्धि

जिला	2022	2023
गढ़वा	85	146
दुमका	140	192
रामगढ़	118	157
गुमला	11	146
कोडरमा	54	66
देवघर	104	123
रांची	327	366
धनबाद	210	235
लातेहार	86	95
लोहरदगा	50	55
साहेबगंज	40	43
सिमडेगा	77	81
गिरिडीह	158	161
हजारीबाग	187	190

इन दस जिले में सड़क दुर्घटना में आई कमी

जिला	2022	2023
जामताड़ा	32	32
खूंटी	89	88
जमशेदपुर	148	142
सरायकेला	138	131
गोड्डा	76	72
पलामू	157	146
बोकारो	166	145
चाईबासा	115	90
चतरा	96	75
पाकुड़	76	47

ब्रीफ खबरें

कोयला लदा ट्रक घर में घुसा, बाल-बाल बचे

बेरमो। बोकारो जिला के पेटरवार थाना अंतर्गत ओबरा गांव के निकट एक कोयला लदा 12 चक्का ट्रक सड़क किनारे होटल और घर को तोड़ते घुस गया. ट्रक दुर्घटना ग्रस्त हो गई. दुर्घटना के दौरान किसी तरह का जानमाल का नुकसान नहीं हुआ. गृहस्वामी मंजू देवी ने बताया कि यह घटना करीब दस बजे रात की है. सभी परिवार के लोग सो रहे थे. अचानक जोर से आवाज सुनाई दी तो वे लोग घर से बाहर निकले तो देखा कि एक ट्रक घर में घुस गया.

अवैध टिकट के साथ एक गिरफ्तार

बोकारो । आरपीएफ पोस्ट बोकारो और सीआईबी आद्रा की टीम द्वारा प्रबल के डेटा के आधार पर प्रभात कॉलोनी चास स्थित आवास तथा अर्चना टूर एंड ट्रैवल्स, सेक्टर वन राममंदिर मार्केट में छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान कुल 6 ई-टिकट जब्त किए गए, जिसकी कीमत 18 हजार 402 रूपये है. आरपीएफ ने दुकान मालिक सुनील कुमार से रेलवे ई-टिकटों की खरीद और आपूर्ति के अवैध कारोबार को चलाने के लिए कोई कागजात प्रस्तुत नहीं किया.

अज्ञात चोरों ने बाइक चोरी कर हुआ फरार

साहिबगंज । तालझारी प्रखंड तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महराजपुर रेलवे स्टेशन के समीप मंगलवार को अज्ञात चोरों ने मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गया. वहीं, पीडित गोड्डा जिला, ठाकुर गगटी, गांव सिंह पखारा निवासी राजीव पंडित ने बताया कि में वर्तमान में महराजपुर रेलवे स्टेशन पर ज्वाइनट मैन के पद पर कार्यरत ड्यूटी के दौरान मंगलवार को बाइक को खड़ी कर अपनी ड्यूटी में चले गए थे.

दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की मौत

गोड्डा । महगामा थाना अंतर्गत ललमटिया मेहरमा मुख्य मार्ग पर ग्राम तेलगामा के समीप अनियंत्रित बाइक सवार ने सड़क से उतरकर पेड़ से जा टकराई जिससे बाइक सवार दोनों की मौके पर ही मौत हो गई. बताया जाता है कि बाइक सवार दोनों युवक गोड्डा की तरफ से जा रहे थे. इसी क्रम में यह हादसा हो गया. मृत दोनों युवकों की पहचान नहीं हो पाई है. गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर बिहार का बताया जा रहा है.

डोजर ऑपरेटर ने युवती से की छेड़खानी

महगामा । ईस्टर्न कोल फील्ड की ललमटिया कोलियरी में डोजर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत कर्मी के खिलाफ छेड़खानी का मामला दर्ज कराया गया है. बताया जाता है कि खनन क्षेत्र से सटे ग्रामीण इलाके में आदिवासी युवती अपना काम कर रही थी कि इसी बीच ड्यूटी पर कार्यरत डोजर ऑपरेटर ने आदिवासी युवती के साथ जोर जबरदस्ती कर छेड़खानी करने लगा. युवती ने हिम्मत दिखाते हुए इसका विरोध किया. बाद में पीड़िता के बयान पर केस दर्ज किया गया.

बाइक चोर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बोकारो । बोकारो समेत आसपास के क्षेत्र में बाइक चोरी कर बेचनेवाले दो चोर को सेक्टर 6 पुलिस ने गिरफ्तार किया है. मालूम हो कि जिले में लगातार बाइक चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा था, जिसके बाद बोकारो एसपी प्रियदर्शी आलोक ने चोरों के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश जारी किया था. उसके बाद आदेश के आलोक में सिटी डीएसपी बोकारो कुलदीप कुमार के निर्देशानुसार एक टीम का गठन करके टीवी टॉवर सेक्टर-6 थाना क्षेत्र के पास से भोला राम को पकड़ लिया.

रांची के डोरंडा स्थित एक फ्लैट से 43 लाख के गहने चोरी हुए थे

रांची से गहने चोरी कर भाग रहे 3 अपराधियों को पुलिस ने पकड़ा

संवाददाता । रांची

रांची के डोरंडा स्थित एक फ्लैट से 43 लाख रुपए के गहने चोरी कर भाग रहे गाजियाबाद के एक गैंग को यूपी पुलिस ने मुरादाबाद से गिरफ्तार कर लिया है. जानकारी के अनुसार, पाकबड़ा थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक कार की तलाशी ली, तो उनकी कार से करीब 43 लाख की कीमत के जेवरात बरामद हुए. इनमें 42 लाख की कीमत (600 ग्राम) के सोने के जेवर, 80 हजार की कीमत के एक किलो चांदी के जेवर और 35 हजार 380 रुपए नकद शामिल हैं. जिसके बाद पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया. इनमें गाजियाबाद कोतवाली क्षेत्र के कैलाभट्ठा निवासी नदीम, गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र के गरिमा गार्डेन निवासी जावेद और साहिबाबाद थाना क्षेत्र के पसौंडा निवासी ताहिर उर्फ तहूर उर्फ तोमर शामिल हैं.

सरस्वती वेला सोसायटी के फ्लैट में की थी चोरी : अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्यों ने पूछताछ में खुलासा किया कि वो 29 नवंबर को रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती वेला सोसायटी के फ्लैट में चोरी की थी. बताया कि वह कार से दूसरे राज्यों के शहरों में घूमते हैं और रेकी करते हैं. खाली मकान और फ्लैट को देख कर वारदात को अंजाम देने की योजना बनाते हैं. बताया कि वह गाजियाबाद और दिल्ली के कई शहरों में भी इस तरह की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं.

कैदी वार्ड से फरार चेन स्नैचर पुंदाग से गिरफ्तार

रांची। रिम्स के कैदी वार्ड से फरार चेन स्नैचर मो. शाकिब उर्फ देबा पुंदाग से गिरफ्तार हो गया है. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए मंगलवार सुबह पुंदाग स्थित एक घर से उसको गिरफ्तार किया. पुलिस को चकमा देने के लिए देबा वहां नाम बदल कर रहने पहुंचा था. पुलिस ने शाकिब की पत्नी जोया को भी गिरफ्तार किया है. उसने अपने साथियों के साथ शाकिब को रिम्स से भगाया था. पुलिस देबा और जोया दोनों से पूछताछ कर रही है. गौरतलब है कि मो. शाकिब उर्फ देबा को रिम्स के आर्थो वार्ड में टूटे पैर का इलाज कराने के लिए भर्ती किया गया था. लेकिन रविवार की दोपहर वह पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया था. इस मामले रांची एसएसपी ने दो पुलिसकर्मियों को सस्पेंड भी किया है.

पिकअप वैन व बाइक में टक्कर, दो घायल

बोकारो । बोकारो जिले के पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के एनएच 32 काशीझरिया पोस्ट ऑफिस के पास बिचाली लदी पिकअप वैन वाहन और बाइक की टक्कर में बाइक सवार दो व्यक्ति बुरी तरह जख्मी हो गए. बाइक सवार दोनों व्यक्ति की हालत सड़क में जमा खून से स्थिति स्पष्ट हो रही है कि दोनों गंभीर रूप से जख्मी हुए है. सूचना के बाद पिंड्राजोरा पुलिस तुरंत पहुंची और दोनों घायलों को सदर अस्पताल बोकारो में भर्ती कराया. जानकारी के अनुसार पुरुलिया की ओर से बिचाली लदी वाहन संख्या डब्ल्यूबी 81, 3054 पुरुलिया से बोकारो की ओर आ रही थी. इस दौरान विपरीत दिशा से आ रही बाइक संख्या जेएच 09 ए आर 8065 में सवार 55 वर्षीय बादल माहथा और 50 वर्षीय करण माहथा अपने घर काशी झरिया आ रहे थे. इसी बीच दोनो वाहनों की आमने सामने टक्कर हो गई. जिससे दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है. दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहन को पुलिस जब्त कर कार्रवाई में जुट गई हैं.

जेलों में सुरक्षा कड़ी, चाबी तक ले जाने की मनाही

- अमन सिंह हत्याकांड के बाद उठाए गए कई कदम

संवाददाता । रांची

धनबाद जेल में अपराधी अमन सिंह की हत्या के बाद राज्य के सभी जेलों की सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है. जेलकर्मी अपनी बाइक की चाबी तक लेकर अंदर नहीं जा सकते हैं. इसके अलावा जेल प्रशासन ने यह निर्देश जारी किया है कि जेल का सीसीटीवी कैमरा किसी भी हाल में बंद नहीं होना चाहिए. जेल प्रशासन की तरफ से सभी जिलों की पुलिस को यह भी लिखा गया है कि वह किसी भी समय किसी भी जेल में औचक निरीक्षण जरूर करें. झारखंड के चार जेल बेहद सेंसेटिव माने जाते हैं. रांची, पलामू, हजारीबाग और जमशेदपुर जेल में कई बड़े गैंगस्टर और बड़े नक्सली नेता बंद हैं. जमशेदपुर में पूर्व में जेलर तक की हत्या की जा चुकी है. ऐसे में इन चार जेलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है.

तैनात कर्मी सामान अंदर नहीं ले जा सकते

केंद्रीय कारा और उप कारा की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. जेल में तैनात कर्मियों को भी किसी तरह का सामान अंदर ले जाने पर रोक लगा दी गई है. जेल कर्मियों को भी अपने लंच के अलावा कोई भी सामान अंदर लेकर जाने पर ब्रेक लगा दिया गया है. जेल कर्मियों को यह निर्देश दिया गया है कि वह अपनी बाइक और दूसरे वाहनों की चाबी तक गेट पर जमा करें. मोबाइल अगर किसी भी कर्मी का अंदर पाया गया तो उस पर कार्रवाई होगी. आदेश के बाद जेल गेट में प्रवेश करते ही सभी कर्मियों की तलाशी ली जा रही है. घर की चाबी से लेकर किसी तरह का सामान तलाशी के दौरान मिलता है तो उसे प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है.

लंगर कोर्ट पहाड़ी के समीप दिया घटना को अंजाम

अपराधियों ने हमला कर लूटे फोन व पैसे

संवाददाता । पलामू

हुसैनाबाद थाना अंतर्गत जपला पात्रा मुख सड़क पर लंगर कोर्ट पहाड़ी के समीप बाइक सवार अपराधियों ने सुनील कुमार राम नाम के युवक की गर्दन पर चाकू से हमला किया और मोबाइल-पैसे लूटकर भाग गये. इस हमले से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. आनन-फानन में राहगीरों ने उसे हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया. जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया. यह घटना सोमवार देर रात की बतायी जा रही है. घटना के सूचना मिलने पर हुसैनाबाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गयी है.

जपला से अपने गांव पथरा जा रहे थे सुनील

बताया जाता है कि पथरा गांव निवासी सुनील कुमार राम (24 वर्षीय) बाइक से जपला (हुसैनाबाद) से घर लौट रहे थे. इसी दौरान लंगरकोट गांव के समीप बाइक पर सवार होकर तीन अपराधी आये और उनकी बाइक को ओवरटेक करके रोका. इसके बाद अपराधियों ने उनके साथ मारपीट की और चाकू से उनकी गर्दन पर हमला कर दिया. इसके बाद वो मोबाइल व पैसे छीन कर भाग गये.

सड़क हादसे से 19 वर्षीय एक युवक की हुई मौत

संवाददाता । गांडेय (गिरिडीह)

गांडेय थाना क्षेत्र के फुलजोरी के पास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई. बता दें की गांडेय थाना क्षेत्र के फुलजोरी के पास अपाचे बाइक से फुलजोरी हॉल्ट की ओर जा रहा था. बाइक हाई स्पीड होने की वजह से अनियंत्रित होकर एक दीवार से जा टकराई जिससे युवक की मौत घटना स्थल पर ही हो गई. मृत युवक की पहचान गांडेय थाना क्षेत्र के बरमसिया पंचायत के कुसेया गांव की 19 वर्षीय वसीम अकरम के रूप में हुई है. घटना की सूचना मिलने पर गांडेय थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया गया है.

भदुमा रेलवे फाटक के पास से शव बरामद

पलामू । जिले के उंटारी रोड और सतबहिनी रेलवे स्टेशन के बीच में स्थित भदुमा रेलवे फाटक के पास से एक युवक का शव बरामद हुआ है. युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा हुआ था. मृतक की पहचान नहीं हो पाई है. ऐसा माना जा रहा है कि युवक चलती ट्रेन से असंतुलित होकर गिर पड़ा है, या यह भी आशंका जताई जा रही है कि हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया गया हो. पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है.

संपत्ति विवाद में चाचा ने भतीजे से की मारपीट

जमशेदपुर। सिदगोड़ा थाना अंतर्गत बारीडीह बागुननगर के रहने वाले रोहित चौधरी को उसके चाचा और चचेरे भाई ने संपत्ति विवाद में मारपीट कर घायल कर दिया. मंगलवार सुबह घायल अवस्था में रोहित को उसके परिजनों ने एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया. रोहित ने बताया उसके चाचा राजकुमार अग्रवाल और उनके परिवार वाले अक्सर उनके साथ मारपीट करते हैं. पिता विनोद कुमार अग्रवाल को भी परेशान कर रखा है. वे लोग चाहते हैं कि हमारा पूरा परिवार घर से निकल जाए. घर में रहने पर उनकी हर बात मानने का दबाव बनाया जाता है, और ऐसा नहीं करने पर मारपीट की जाती है. मंगलवार सुबह मामूली बात पर कहा सुनी हो गई, जिसके बाद चाचा राजकुमार अग्रवाल और उनके बेटे गौतम अग्रवाल ने मारपीट शुरू कर दी. घर में हो हंगामे की सूचना मिलने पर पीसीआर की टीम मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया. पुलिस ने परिजनों की मदद से घायल रोहित को अस्पताल पहुंचाया.

पाकुड़ में विस्फोटक के साथ दो तस्कर को किया गिरफ्तार

- 1800 पीस जिलेटिन, डेढ़ क्विंटल अमोनियम नाइट्रेट बरामद

पाकुड़ । जिले के हिरणपुर थाने की पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक मारुति वाहन से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किया है. पुलिस ने वाहन पर रखे 1800 पीस जिलेटिन व डेढ़ क्विंटल अमोनियम नाइट्रेट के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है. यह जानकारी मुख्यालय डीएसपी बैजनाथ प्रसाद ने मंगलवार को हिरणपुर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी. उन्होंने बताया कि पुलिस ने सोमवार की देर रात एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के दौरान मारुति संख्या डब्ल्यूबी 40 ए 1080 से विस्फोटक पदार्थ बरामद किया. इस मामले में वाहन चालक राजू शेख और अलादीन अंसारी पाकुड़िया को गिरफ्तार किया गया. विस्फोटक साहिबगंज जिले के बड़हवा से लाया जा रहा था. वाहन जांच अभियान में हिरणपुर थाना प्रभारी सुनील कुमार रवि, एसआई सत्यदेव कुमार, सचिन लकड़ा सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

देश में सबसे अधिक झारखंड में हुईं राजनीतिक हत्याएं

सौरभ सिंह । रांची

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट क्राइम इन इंडिया-2022 के अनुसार, देशभर में सबसे अधिक राजनीतिक कारणों से हत्या झारखंड में हुई है. देशभर में राजनीतिक कारणों से 59 व्यक्तियों की हत्या हुई है. जिनमें सबसे अधिक 17 झारखंड में हुई है. हालांकि हत्या के सबसे अधिक मामले यूपी में दर्ज किए गए हैं. वहीं हत्या के मामले में झारखंड देश में आठवें पायदान पर है. झारखंड में साल 2022 में 1550 हत्या की घटनाएं हुई हैं.

झारखंड में सबसे अधिक हुई राजनीतिक हत्याएं

झारखंड	17	तमिलनाडु	04
ओडिशा	08	कर्नाटक	02
बिहार	08	तेलंगना	01
केरला	07	त्रिपुरा	01
आंध्रप्रदेश	04	यूपी	01

झारखंड में किस वजह से कितनी हुई हत्या की घटनाएं

प्रतिशोध	228	प्रेम प्रसंग	49
दहेज के लिए	42	अवैध संबंध	40
डायन के आरोप	11	ब्लाइंड मर्डर	54
मानव बलि	21	डिस्प्यूट	282
राजनीतिक हत्या	17	अन्य वजह से	27
ऑनर किलिंग	04		

हत्या मामले में झारखंड का देश में 8वें स्थान पर

उत्तरप्रदेश	3491	तमिलनाडु	1690
बिहार	2930	झारखंड	1550
महाराष्ट्र	2295	कर्नाटक	1404
मध्यप्रदेश	1978	ओडिशा	1379
पश्चिम बंगाल	1690		

शिकंजा दो घंटे से अधिक समय तक चला निरीक्षण,आधे दर्जन से अधिक थानेदार शामिल

एसडीओ ने जेल की छापेमारी, नहीं मिले आपत्तिजनक सामान

संवाददाता । गोड्डा

मंगलवार देर शाम सदर एसडीओ बैजनाथ ओरांव एवं एसडीपीओ जेपीएन चौधरी के नेतृत्व में मंडल कारा गोड्डा का औचक निरीक्षण किया गया. दो घंटे से अधिक देर तक चले इस निरीक्षण कार्य में जेल का चप्पा-चप्पा छान मारा गया. कैदी वार्ड से लेकर कैंटीन तक जांच किया गया, मगर कहीं से भी किसी तरह का कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं किया गया. छापेमारी में आधे दर्जन से अधिक थाने के प्रभारी के अलावा अन्य पुलिसकर्मी एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल थे.

छापेमारी दल में पंचायती राज पदाधिकारी धीरज ठाकुर, कार्यपालक दंडाधिकारी मोनिका बास्की, डीसीएलआर सदानंद महतो, प्रशिक्षु डीएसपी गौरव कुमार, परिचारी प्रवर संदीप कुमार, पुलिस निरीक्षक सह नगर थाना प्रभारी मधुसूदन मोदक, मुफ्फसिल थाना प्रभारी गजेश कुमार, मोतिया ओपी प्रभारी अशोक कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार सिंह, मनोरंजन कुमार, दिलीप, आदित्य, राजेंद्र यादव, अमित अभिषेक के अलावा महिला पुलिस कर्मी शामिल थी. इस क्रम में बताया गया कि ऊपर से मिले निर्देश के बाद यह छापेमारी जेल में की गई थी.

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में चार दिन बाद आरोपी हुआ गिरफ्तार

पलामू । नाबालिग लड़की से दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई में आरोपित को चार दिनों के बाद गिरफ्तार किया गया. यह मामला पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र का है. इस सिलसिले में ओरिया गांव निवासी आरोपित विष्णु कुमार (22) को गिरफ्तार किया गया है. घटना एक दिसंबर की है. इस संबंध में लेस्लीगंज थाने में सोमवार को लिखित आवेदन दिया गया था. लड़की के पिता ने मामला दर्ज कराया था. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस की ओर से कार्रवाई की गई. बताया जाता है कि गत 1 दिसंबर को लड़की के माता-पिता खेत में काम करने गए थे. इसी का फायदा उठाकर आरोपी लड़की के घर में जबरन घुस गया और उसके साथ दुष्कर्म किया.

लड़की द्वारा जब शोर मचाया गया तो उसने उसका मुंह दबाकर बंद कर दिया और कहा कि इस घटना के बारे में किसी को भी बताओगी तो तुम्हें और तुम्हारे पूरे परिवार को गोली मार देंगे. घटना के बाद लड़की डरी सहमी रही, लेकिन बाद में उसने मामले की जानकारी दी.

नशेड़ी ने ब्लेड से काटी हाथ की नस, एमजीएम में भर्ती

जमशेदपुर। कपाली ओपी के डेमडूबी अंसारनगर निवासी अनवर हुसैन ने मंगलवार सुबह नशे की लत के कारण ब्लेड से अपने हाथ की नस काट ली. परिजनों ने उसे तत्काल एमजीएम अस्पताल पहुंचाया. जहां उसका इलाज चल रहा है. अनवर के भाई मो गुलाम ने बताया कि उसका भाई नशे का आदि है. नशे के लिए पैसे नहीं मिलने पर वह बार-बार हाथ की नस काट लेता है. कुछ दिनों पूर्व भी उसने आत्महत्या का प्रयास किया था, जिसके बाद उसे अस्पताल लाया गया था. हालांकि उस समय उसे ज्यादा चोट नहीं आई थी. डॉक्टरों ने उसे नशा मुक्ति केंद्र ले जाने की सलाह दी थी. दो महीने तक उसका नशा मुक्ति केंद्र में इलाज भी चला. वापस आने के बाद नशे के लिए पैसे नहीं मिलने पर फिर से हाथ की नस काट ली.

अस्पताल में इलाजरत अनवर हुसैन

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष मौसमी बीमारियों से बचें. लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. खर्च का बोझ बढ़ेगा.

वृषभ संतान के लिए समय शुभ है. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. जीवनसाथी की उन्नति सामाजिक सम्मान को बढ़ाएगी.

मिथुन किसी गलत संगत से परेशानी होगी. पर कार्यसिद्धि होगी. जिससे आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें. जल्दबाजी एवं लापरवाही से कार्य करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएं.

कर्क समय उत्तम है. यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा. स्वाध्याय में रुचि बढ़ेगी.

सिंह विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं. साझेदारी में नए प्रस्ताव मिलेंगे.

कन्या यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है. व्यापार सामान्य चलेगा. गणेशजी का पूजन ध्यान करें.

तुला परिवार कुटुम्ब से कोई अच्छी खबरें मिलेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा. आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है. सुख-समृद्धि बढ़ेगी.

वृश्चिक आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे. आलस्य से बचकर रहें.

धनु भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी. रुका पैसा प्राप्त होने के योग हैं.

मकर व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा. अधिक लोभ-लालच न करें. काला कंबल दान करें.

कुंभ नया कार्य से बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. खर्चों में कमी करना होगी. व्यापार में सही निर्णय नहीं लेने से हानि हो सकती है.

मीन जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. आपको अपने कर्म पर विश्वास रखते हुए कार्य करना चाहिए.

रांची विवि व डीएसपीएमयू में शिक्षकों के मानदेय अलग-अलग

रांची। रांची विश्वविद्यालय और डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में वोकेशनल कोर्स में पढ़ाने वाले शिक्षकों को अलग अलग मानदेय मिलता है. रांची विश्वविद्यालय में वोकेशनल शिक्षकों को अधिकतम मानदेय 36000 है, वहीं रांची विश्वविद्यालय के वोकेशन शिक्षकों का अधिकतम मानदेय 24000 है. दो विश्वविद्यालय अगल बगल हैं, लेकिन मानदेय में काफी फर्क है. हालांकि पिछले दिनों रांची विश्वविद्यालय ने 10 प्रतिशत और डीएसपीएमयू 10000 रुपए कि बढ़ोतरी की है. इससे वोकेशनल कोर्स में पढ़ाने वाले शिक्षकों में काफी आक्रोश है. वोकेशनल शिक्षक संघ के रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष अवधेश ठाकुर ने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा है कि रांची विश्वविद्यालय में मानदेय 10% बढ़ता है और डीएसपीएमयू द्वारा 10000 रुपये बढ़ाया जाता है. रांची विश्वविद्यालय सबसे पुराना और सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है और दोनों विश्वविद्यालय करीबन 1 किलोमीटर की दूरी पर हैं.

आठ से 12 तक झारखंड में होगी नफरत के खिलाफ प्रेम पदयात्रा

रांची। आठ से 12 दिसंबर तक झारखंड में नफरत के खिलाफ ढाई आखर प्रेम पद यात्रा होगी. समाज में फैल रही नफरत को मिटाने के लिये सांस्कृतिक पद यात्रा समता, बंधुता और एकता के नाम निकाली जायेगी. यात्रा ढाई आखर प्रेम की ओर से निकाली जा रही है. (इप्टा) भारतीय जन नाट्य संघ रांची जिला के अध्यक्ष पंकज मित्र ने पत्रकारों को बताया कि यह पदयात्रा राजस्थान से भगत सिंह की जयंती 28 सितंबर 2023 से शुरू हुई. यात्रा गांधीजी की शहादत की तिथि 30 जनवरी को दिल्ली में संपन्न होगी. मालूम हो राजस्थान, बिहार, पंजाब, उत्तराखंड, ओडिशा, जम्मू, उत्तर प्रदेश व कर्नाटक से होते हुए यह यात्रा 12 दिसंबर तक झारखंड में होगी. यात्रा विभूतिभूषण बंद्योपध्याय की कर्मभूमि घाटशिला से इस्पात नगरी जमशेदपुर तक जाएगी

अमन सिंह की हत्या के बाद जेलों की सुरक्षा को लेकर उठने लगे सवाल

झारखंड के जेलों में 2180 पद स्वीकृत, उनमें 1769 पद हैं खाली

संवाददाता। रांची

धनबाद जेल में कुख्यात अमन सिंह की हत्या के बाद से ही झारखंड के जेलों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं. इस मामले पर झारखंड हाइकोर्ट ने स्वतः संज्ञान भी लिया है. लेकिन झारखंड के जेल की सुरक्षा व्यवस्था कैसे मजबूत होगी, जब जेलों में 2180 पद स्वीकृत हैं, जिनमें 1769 पद खाली हैं. ऐसे में झारखंड के 31 जेलों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी. गौरतलब है कि झारखंड बने 23 वर्ष हो गये. लेकिन इन वर्षों में राज्य में 30 जेल आईजी बने. इनमें से चार आईजी ही स्थायी रहे. इतने वर्षों में राज्य की जेलों के उद्धार के लिए किसी ने नहीं सोचा. बता दें कि आईएएस अधिकारी ही जेल आईजी बनाए जाते हैं. पिछले 23 वर्षों में 30 जेल आईजी में 26 आईएएस अधिकारी प्रभारी के तौर पर काम करते रहे, सिर्फ चार ही स्थायी (तीन आईएएस व एक आईपीएस) रहे.

झारखंड के 2180 पद में 1769 पद खाली हैं

- जेल अधीक्षक के कुल 28 पद में 20 कार्यरत हैं और 8 खाली है.
- कारापाल के कुल 31 पद में 07 कार्यरत हैं और 24 खाली है.
- सहायक कारापाल के कुल 66 पद में 6 कार्यरत है और 60 खाली हैं.
- लिपिक के कुल 49 पद में 34 कार्यरत है और 15 खाली हैं.
- मुख्य उच्च कक्षपाल के कुल 03 पद में 1 कार्यरत है और 02 खाली हैं.
- उच्च कक्षपाल के कुल 244 पद में 5 कार्यरत है और 239 खाली हैं.
- कक्षपाल पुरुष के कुल 1655 पद में 258 कार्यरत है और 1397 खाली हैं.
- कक्षपाल महिला के कुल 104 पद में 80 कार्यरत है और 24 पद खाली हैं.

झारखंड के जेलों में क्षमता से ज्यादा कैदी हैं बंद

झारखंड की जेलों में कैदियों की भरमार लगी हुई है. जेलों की क्षमता से अधिक कैदी जेलों में बंद हैं. सूबे की जेलों में एक-दो नहीं बल्कि क्षमता से 3756 ज्यादा कैदी बंद हैं. पूरे झारखंड में 31 जेल हैं. जिनमें सात सेंट्रल, 17 जिला व 6 अनुमंडल कारा हैं और एक ओपन जेल है. इन सभी जिलों में कैदियों के रखने की कुल क्षमता 17501 है, जबकि वर्तमान में 21257 कैदी जेलों में बंद है.

भाजपा ने दुमका से लिट्टीपाड़ा तक निकाली आदिवासी अधिकार बाइक रैली

हेमंत के रहते झारखंड की जनता सुरक्षित नहीं : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता। दुमका

भाजपा ने दुमका से पाकुड़ के लिट्टीपाड़ा तक आदिवासी अधिकार बाइक रैली निकाली. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी इस रैली में शामिल हुए. लोगों को संबोधित करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की विधि व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है. हेमंत सोरेन के मुख्यमंत्री रहते राज्य में कोई भी सुरक्षित नहीं है. राज्य में जल, जंगल, जमीन की लूट मची है. राज्य में आकंठ भ्रष्टाचार है. पुलिस वसूली में लगी है. दलाल, बिचौलिए, अपराधी बेखौफ हैं. उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में अलग राज्य दिया. राज्य का विकास भी भाजपा ने किया और आगे भी करेगी.

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि केंद्र की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आदिवासी समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए संकल्पित है. भाजपा सरकार ने केंद्र में अलग आदिवासी मंत्रालय बनाया. आज मोदी मंत्रीमंडल 8 केंद्रीय मंत्री जनजाति समाज से हैं. आज देश के संवैधानिक प्रमुख पद पर बैठीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी आदिवासी समाज से हैं. बाबूलाल ने दावा किया कि 2024 में भाजपा संथाल परगना की सभी लोकसभा और विधानसभा सीट को जीतेगी. भाजपा का संथाल की जनता में मजबूत जनाधार है. आज भी तीन में से दो लोकसभा सीट भाजपा के पास है, जबकि तीसरी सीट राजमहल पर भी भाजपा ने कई बार जीत दर्ज की है.

भाजपा के मीडिया प्रभारी ने व्हाट्सएप ग्रुप में पोस्ट की उत्तेजक तस्वीरें

रांची। झारखंड में भाजपा के नेता सोशल मीडिया का बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं. ये नेता मीडिया के लिए बनाए गये व्हाट्सएप ग्रुप पर खबरों के साथ-साथ उत्तेजक तस्वीरें पोस्ट कर रहे हैं. शनिवार को भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ने इस ग्रुप में अभिनेत्री जान्हवी कपूर की एक साथ तीन उत्तेजक तस्वीरें पोस्ट की. थोड़ी देर बाद उन्होंने इन तस्वीरों को डिलीट कर दिया, लेकिन तबतक कई लोगों ने इस तस्वीर का स्क्रीन शॉट बना लिया और उसे वायरल कर दिया. बाद में उन्होंने इसके लिए कोई शर्मिंदगी भी जाहिर नहीं की.

2 दिसंबर को 'बीजेपी झारखंड न्यूज 2' ग्रुप में शेयर की थी तस्वीर : 2 दिसंबर को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी रांची के बूटी बस्ती में पहुंचे थे, जहां 1 नवंबर को संजय पाहन नाम के व्यक्ति की हत्या कर दी गई थी. बाबूलाल के संजय के परिजनों से मुलाकात की खबर और फोटो शिवपूजन पाठक बीजेपी झारखंड न्यूज 2 नाम के ग्रुप में पोस्ट कर रहे थे. इसी दौरान उन्होंने बाबूलाल मरांडी की तस्वीर के साथ जान्हवी कपूर की तीन उत्तेजक तस्वीरें भी पोस्ट की थी.

आओ जानें

झारखंड का प्राचीन इतिहास

- झारखंड का इतिहास पाषाण काल से शुरू होता है.
- यहां से ताम्र-पाषाण युग के तांबे के बने उपकरण प्राप्त हुए है. एक स्वतंत्र भू-राजनीतिक क्षेत्र के रूप में इसकी पहचान मगध साम्राज्य की स्थापना से पूर्व की मानी जाती है.
- झारखंड का प्राचीन इतिहास प्रारंभिक मानव बस्तियों, प्राचीन ग्रंथों और राजवंशीय शासन की कहानियों को आपस में जोड़ता है.
- पुरातात्विक साक्ष्यों से पता चलता है कि इस क्षेत्र में प्रागैतिहासिक मानवों का निवास था और उनके अस्तित्व के अवशेष, जैसे शैल चित्र और उपकरण, अभी भी पाए जा सकते हैं.
- इस क्षेत्र का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों और वेदों और महाभारत जैसे ग्रंथों में मिलता है, जो उस समय के इसके महत्व की ओर इशारा करता है.
- खनिजों और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इस क्षेत्र ने प्राचीन काल में विभिन्न राजवंशों को आकर्षित किया.
- यह मगध, मौर्य और गुप्त राजवंशों जैसे साम्राज्यों के शासन के अधीन था, जिनमें से प्रत्येक ने झारखंड की संस्कृति और समाज पर एक अमिट छाप छोड़ी थी.
- इन राजवंशों के शासन में कला, संस्कृति, प्रशासन और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण प्रगति हुई, जिससे क्षेत्र के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को आकार मिला.

ठंड में लुंगी ओढ़े वृद्ध व्यक्ति पर पसीजा पीडीजे का दिल

सुनील कुमार। लातेहार

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिल कुमार ने मंगलवार को मानवता का परिचय दिया. उन्होने ठंड में लुंगी ओढ़े देख कर एक वृद्ध को कंबल ओढ़ाया. दरअसल, पीडीजे श्री कुमार अदालत से कार्य निपटाकर अपने आवास जा रहे थे. इसी दौरान उन्होंने मुख्य द्वार के पास पेड़ के नीचे एक वृद्ध को ठंड में ठिठुरते देखा. वह वृद्ध अपने तन पर लुंगी ओढ़ कर ठंड से बचने का प्रयास कर रहा था. वृद्ध को ठंड में ठिठुरता देख कर पीडीजे ने तत्काल अपनी गाड़ी वापस परिसर की ओर मुड़वा लिया. उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकार की सचिव श्वाती विजय उपाध्याय को तत्काल कंबल भिजवाने का निर्देश दिया. सचिव अविलंब कंबल ले कर वहां पहुंची. इसके बाद पीडीजे ने उस वृद्ध को खुद से कंबल ओढ़ाया. श्री कुमार की गाड़ी वापस होते देख न्यायिक दंडाधिकारी एवं कर्मी दौड़ पड़े. वृद्ध ने बताया कि वह गारू से लातेहार आया था. उसकी गाड़ी छूट गई थी .

आवेदन रद्द होने के बावजूद परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थी

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग हमेशा विवादों में रहा है और एक बार फिर आईटीआई औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी के 930 पदों पर नियुक्ति के लिए पिछले सप्ताह हुए परीक्षा में नियम की अनदेखी कर 50 आवेदन रद्द हुए थे, फिर भी दर्जनों अभ्यर्थी कई संवर्ग की नियुक्ति परीक्षा में शामिल हो गए. औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी के नियमित और बैकलॉग पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा आयोजित की थी. इस परीक्षा में नियम की अनदेखी कर एक से अधिक संवर्ग की परीक्षा में दर्जनों अभ्यर्थी सामान नाम सामान जन्म तिथि सामान पिता का नाम के शामिल होने का मामला प्रकाश में आया है.बताते चलें कि औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी नियुक्ति परीक्षा के विज्ञापन की क्रम संख्या 13 (7) में स्पष्ट उल्लेख है कि यदि कोई अभ्यर्थी एक से अधिक ऑनलाइन फॉर्म जमा करता है तो लास्ट वाले उसके आवेदन को ही वैध माना जाएगा. साथ ही पहले जमा किए गए सभी ऑनलाइन फॉर्म को रद्द कर दिया जाएगा. इसी नियम के तहत जेएसएससी ने कार्रवाई करते हुए 17 नवंबर को समान नाम, पिता, एवं जन्म तिथि वाले एक से अधिक आवेदन देने वाले 50 अभ्यर्थियों की दावेदारी रद्द कर दी थी, इसके बावजूद दर्जनों ऐसे अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने में सफल रहे. बता दें कि झारखंड औद्योगिक प्रशिक्षण अधिकारी के कुल 930 पदों के लिए 27 28 29 नवंबर को परीक्षा ली गई थी. इसमें नियमित के 904 और बैकलॉग के 26 पद शामिल है.

कोल्हान विवि में नहीं बना मूल्यांकन केंद्र, घर में जांची जा रही हैं कॉपियां

संवाददाता। जमशेदपुर

कोल्हान विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने इस बार कमाल कर दिया है. हर बार परीक्षा की कॉपियों की जांच (मूल्यांकन) के लिए किसी न किसी कॉलेज में मूल्यांकन केंद्र बनाया जाता था. लेकिन इस बार विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग ने इस परंपरा को ध्वस्त करके रख दिया. इस बार स्नातक छठे सेमेस्टर की कॉपियों की जांच के लिए कहीं भी कोई मूल्यांकन केंद्र नहीं बनाया गया था. सभी कॉपियों की जांच स्थायी अथवा आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यपकों ने अपने घर में की. इस बार उन्हें घर ले जाकर कॉपियों की जांच करने की छूट दी गयी थी.

इस संबंध में पूछने पर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक ने बात को टाल दिया. लेकिन एक पदाधिकारी ने बताया कि परिस्थितजन्य को देखते हुए ऐसी व्यवस्था करनी पड़ी थी. कॉलेजों में जगह की कमी है, क्योंकि वर्तमान में कक्षाएं चल रही हैं, छात्र संख्या पूर्व की तुलना में अधिक बढ़ गयी है. इसे ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन केंद्र बनाने में कठिनाई हो रही है. संभवतः इसी वजह से मूल्यांकन केंद्र का निर्धारण न कर शिक्षकों को अपनी सुविधा के अनुसार कॉपियों को घर अथवा कॉलेज में जांचने की छूट दी गयी थी.

पीएचडी प्रवेश परीक्षा रिजल्ट जल्द

विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पिछले 3 दिसंबर को आयोजित पीएचडी प्रवेश परीक्षा के परिणामों की घोषणा जल्द की जाएगी. इसके साथ ही साक्षात्कार की तिथि, कटऑफ आदि भी जल्द ही तय करने को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन गंभीर है. इसे लेकर विश्वविद्यालय में परीक्षा बोर्ड की एक बैठक भी हो चुकी है.

सीटू के राज्य महासचिव का 11 दिसंबर को गोमिया आगमन

संवाददाता। बेरमो

इंडस्ट्रियल मजदूर यूनियन (सीटू) आईईएल गोमिया शाखा की बैठक आईईएल अवस्थित यूनियन कार्यालय में यूनियन के अध्यक्ष लालचंद सोरेन की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में सीटू के राज्य उपाध्यक्ष सह इंडस्ट्रियल मजदूर यूनियन (सीटू) आईईएल गोमिया शाखा के महासचिव रामचंद्र ठाकुर, सीटू के जिला सचिव सह राज्य सचिव प्रदीप कुमार विश्वास सीटू के राज्य कमेटी सदस्य राकेश कुमार खास तौर पर उपस्थित थे. बैठक में उपस्थित रामचंद्र ठाकुर ने कहा 11 दिसंबर को सीटू के राज्य महासचिव का गोमिया आगमन पर उनका भव्य स्वागत होगा. उन्होंने कहा उनके गोमिया आगमन के बाद आईईएल प्रबंधन के साथ उनकी बैठक होगी. बैठक में सीटू के जिला सचिव प्रदीप कुमार विश्वास, राज्य कमेटी सदस्य राकेश कुमार, शंकर प्रजापति, माधव चौधरी, मुकेश रवानी, मनोज रवानी, प्रशांत श्रीवास्तव, शारदानंद श्रीवास्तव, रजत कुमार, जुल्फेकार अली आदि मौजूद थे.

आयोजन धनबाद के न्यू टाउनहॉल में 23 दिसंबर से होगा तीन दिवसीय गो ग्राम कुंभ

इसरो के वैज्ञानिक सहित 2 हजार गो सेवकों का होगा जुटान

संवाददाता। धनबाद

एकल अभियान के तहत आगामी 23 , 24 और 25 दिसम्बर को प्रथम गौ ग्राम कुम्भ का आयोजन धनबाद के न्यू टाउन हॉल और गोल्फ ग्राउंड में किया जाएगा, जिसमें देश विदेशो से लगभग 2000 लोग शिरकत करेंगे .उक्त जानकारी एकल अभियान गौ ग्राम योजना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केदारनाथ मित्तल ने 5 दिसम्बर को धनबाद क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान दी .उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सूबा राव साइंटिस्ट इसरो, अश्विनी उपाध्याय एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट, रामदत्त चक्रधर अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, शंकर लाल अखिल भारतीय गौ ग्राम प्रमुख रा. स्व. संघ, आलोक कुमार अखिल भारतीय सह संपर्क प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उपस्थित रहेंगे.

प्रेस वार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते एकल अभियान गो ग्राम योजना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केदारनाथ मित्तल एवं अन्य.

इस कार्यक्रम में किसान गोवंश संरक्षण और इनसे बनने वाले उत्पादों के बारे में विस्तार से जानेंगे. यही नही इस योजना के माध्यम से यह भी प्रयास किया जा रहा है कि भारतीय देसी गायों के नस्ल को कैसे बचाया जाए, ताकि पुन जैविक खेती पर निर्भर हो और बिना दूध देने वाली बूढ़ी गायों को भी आर्थिक रूप से स्वावलंबी जीवन जीने लायक बनाया जा सके . गौग्राम योजना का नारा है - गाय का घर किसान का घर, गाय बिकेगी नहीं तो कटेगी नहीं.उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के प्रति जागरूकता को लेकर 17 दिसंबर को शोभायात्रा भी निकाली जाएगी. 3 दिसम्बर को कुंभ में आए सभी प्रतिनिधियों को धनबाद , गिरिडीह, जामताड़ा और बोकारो के आसपास के 100 गांव में गोग्राम-वनयात्रा के माध्यम से भ्रमण कार्यक्रम होगा. 24 को गोल्फ ग्राउंड में सार्वजनिक सभा होगी, जिसमें विभिन्न महानगरों के 30,000 लोग शामिल होंगे और 25 दिसंबर को इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन होगा. प्रेस वार्ता में महेंद्र अग्रवाला अध्यक्ष श्रीहरि गौग्राम योजना (झारखंड), केशव हडोडिया अध्यक्ष वनबंधु परिषद धनबाद चैप्टर, रविन्द्र ओझा, आयुष तिवारी उपाध्यक्ष एकल फ्यूचर, रोहित प्रसाद, सोमनाथ पूर्ति, नितिन हाड़ोदिया उपस्थित थे.

बीएयू के शिक्षक संघ ने की सांकेतिक हड़ताल

संवाददाता। रांची

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) शिक्षक संघ ने सांकेतिक हड़ताल की. प्रमोशन एंड एडवांसमेंट स्कीम के तहत प्रमोशन मिलना था, जो पिछले 15 सालों से नहीं मिला है. इसलिए बीएयू के शिक्षक और वैज्ञानिकों ने बीते 21 नवंबर को विश्वविद्यालय कुलपति के नाम आवेदन दिया था. उस आवेदन में कहा था कि यदि 4 दिसंबर तक मांगें नहीं मानी जाती हैं, तो 5 दिसंबर से हड़ताल पर जाएंगे.

तय समय पर मांगे नहीं मानी गई. इसलिए सांकेतिक हड़ताल पर गए, लेकिन कुछ देर बीतने के बाद विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति अबू बकार सिद्दिकी पी. के आश्वासन के बाद अपने आपने काम में लग गए. विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक लगभग 90 हैं, जिनकी इनकी नियुक्ति 2004 में हुई थी. पहला प्रमोशन 15 साल पहले होना था.

स्वस्थ मिट्टी में ही होगी पोषक फसल

रांची। मिट्टी में अनगिनत सूक्ष्मजीव भरे पड़े हैं. जिस मिट्टी में कीड़े-मकोड़ों, सूक्ष्मजीवों का वास नहीं है, वह मिट्टी निर्जीव है. मिट्टी स्वस्थ रहेगी तभी पोषक फसल मिलेगी और मानव स्वस्थ रहेगा. बीएयू में विश्व मृदा दिवस कृषि वैज्ञानिक डॉ. डीके शाही ने यह बात कही.

शपथ पत्र

मैं संगीत सोनल पुत्र स्व0 सुनील कुमार सिन्हा, उम्र लगभग 33 साल, निवासी :- राम लखन निवास, राम नगर, पी0ओ/पी0एस सदर, हजारीबाग, झारखंड शपथपूर्वक बयान करता हूं कि जो निम्नलिखित है -

1. यह कि मेरे पिता जी के मृत्यु के उपरांत मैं अपने नाम के आगे संगीत सुनील सिन्हा जोड़ना चाहता हूँ एवं भविष्य मे मैं संगीत सुनील सिन्हा के नाम से जाना जाऊँगा।
2. यह कि जो भी मैं शपथ कर रहा हूं, वो सही एवं सत्य है एवं मेरी जानकारी में है।

शपथ पत्र संख्या 968/05.12.23

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों की भीड़ उमड़ रही है. लोग अपनी समस्याओं को आवेदन के माध्यम से सरकार के साथ साझा कर रहे हैं. दो चरण की सफलता के बाद सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का यह तीसरा चरण है. जिला पंचायतों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में लोगों की सहूलियत के लिए अधिकारी, कर्मचारियों की तैनाती की गई है. जो कार्यक्रम में अपनी योजना, अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचने वाले लोगों से जुड़कर उनकी समस्याएं हल कर रहे हैं. धनबाद गोविंदपुर प्रखंड की रतनपुर पंचायत की पुष्पा हेम्ब्रम और प्रिया कुमारी को समय पर स्कूल पहुंचने की समस्या थी. इन दोनों को 4500 रुपए का चेक दिया गया ताकि वे साइकिल खरीद सके. अब दोनों छात्राएं ढ़ेड़ घंटे की जगह 20 मिनट में अपना स्कूल पहुंच सकेगी. इसी तरह बहुत सारी समस्याएं सरकार इस कार्यक्रम में सुलझा रही है. पूछने पर लोगों ने कहा कि सरकार ने यह अच्छा काम किया है. एक तो जिला मुख्यालय जाने की जरुरत नहीं पड़ रही है, दूसरी यह कि आवेदन देने के लिए किसी को ढूंढ़ना नहीं पड़ रहा है. इसके लिए स्टाल बना दिए गए हैं. वहीं सरकार को भी इस बात की जानकारी मिल रही है कि लोगों की जरुरतें क्या हैं. वे क्या चाहते हैं, योजनाओं का सही दिशा में कार्यान्वयन हो पा रहा है कि नहीं, इसकी भी जानकारी सरकार को मिल रही है. इसी कार्यक्रम में सरकार योजना के अनुसार परिसम्पत्तियों का वितरण, योजनाओं का उद्घाटन और आधारशिला भी रखी जा रही है. पिछले चार दिनों में विभिन्न पंचायतों में आयोजित कार्यक्रमों में सरकार की ओर से करोड़ों रुपए की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. कई योजनाएं शुरू की गई, तो कई की आधारशिला भी रखी गई. शुभम संदेश की टीम ने विभिन्न पंचायतों में आयोजित कार्यक्रम को कवर किया है. पेश है रिपोर्ट.

■ सरकार को भी वस्तुस्थिति की मिल रही है जानकारी

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में परिसंपत्तियों का वितरण, योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन भी हो रहा है

■ कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को दूर किया जा रहा है

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ रही है लोगों की भीड़, आवेदन के माध्यम से लोग अपनी समस्याओं को साझा कर रहे हैं

90 मिनट की दूरी अब 20 मिनट में तय करेगी पुष्पा और प्रिया

धनबाद

हर जरुरत मंद को मिल रहा योजना का लाभ, दो छात्राओं को मिला चेक

आपकी योजना आपकी सरकार सरकार गोविंदपुर प्रखंड के द्वार कार्यक्रम में जरूरतमंदों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है. बड़े बुजुर्गो के साथ साथ साथ ग्रामीण युवक युवतियां भी शिविर का लाभ उठा रही है. रतनपुर पंचायत की पुष्पा हेम्ब्रम और प्रिया कुमारी ने बताया कि हम दोनों बागसुमा एनएन हाई स्कूल की दसवीं की छात्रा हैं. हमलोग के गांव से स्कूल की दूरी 6 किलोमीटर से अधिक है. पैदल स्कूल जाने में हर दिन 90 मिनट का समय लगता है. साधन नहीं होने की वजह से स्कूल में अक्सर डांट भी सुननी पड़ती है. लेट होने की वजह से कई बार तो स्कूल भी छूट जाता है. लेकिन अब हमारी यह परेशानी दूर होगी. हम लोगों को शिविर में 4500 रुपए का चेक जिला भू-अर्जन पदाधिकारी मुजाहिद अंसारी और सहायक श्रमायुक्त रंजीत कुमार के हाथों प्राप्त हुआ है. इस पैसे से अब अपने लिए साइकिल खरीद सकूंगी. साइकिल से स्कूल जाने में अब मात्र 20 मिनट का समय लगेगा. जल्दी स्कूल पहुंच कर अन्य एक्टिविटी में भी हिस्सा ले सकूंगी और टीचर से डांट भी नहीं सुननी पड़ेगी. इस आयोजन के लिए दोनों छात्राओं ने मुख्यमंत्री को आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा यह प्रयास हर साल होना चाहिए तथा हम जैसी अन्य छात्राओं को भी बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलना चाहिए.

भू-अर्जन पदाधिकारी ने बताया कि शिविर में डीसी के निर्देश का पालन किया जा रहा है. कई लोगों की जरूरतों का ऑन द स्पॉट समाधान किया जा रहा है. अन्य लोगों के आवेदन जमा लेने के बाद उनके लिए समय सीमा तय की जा रही है, ताकि निर्धारित समय में उन्हें योजना का लाभ मिले.

साहिबगंज

योजनाओं की जानकारी दी गई, कई योजनाओं से लाभुकों को जोड़ा गया

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तीसरे चरण में तालझारी प्रखंड के तालझारी पंचायत, बरहेट प्रखंड के बरमसिया पंचायत, राजमहल प्रखंड के दाहू टोला पंचायत, बरहरवा प्रखंड के मधुआपाड़ा पंचायत, पतना प्रखंड के कटहल बाड़ी पंचायत, उधवा प्रखंड के पूर्वी उधवा एवं साहिबगंज प्रखंड के हर प्रसाद पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया. इन शिवरों में सभी सरकारी विभागों के स्टाल लगाए गए जहां झारखंड सरकार के तहत चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी दी गई. जबकि वैसे लाभुक जो किसी योजना से छूटे हुए हैं एवं योग्य हैं उन्हें योजना से जोड़ा गया. मौके पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, मुखिया, प्रधान एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे. सभी की सहभागिता से शिविर का सफल क्रियान्वयन किया गया. जहां विभिन्न योजना अंतर्गत योजनाओं की स्वीकृति एवं प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया. नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी भी पहुंचाई गई. इस मौके पर सिमडेगा से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दिखाया गया. इस क्रम में जनसंपर्क विभाग द्वारा चलाए जा रहे एलईडी वन के माध्यम से कई योजनाओं की विस्तृत जानकारी वीडियो के माध्यम से दी गई. शिविरों के दौरान ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ रही है जहां लोगों ने योजनाओं से जुड़ने के लिए अपने आवेदन दिए. इस क्रम में लोगों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन भी दिया. जहां कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट निपटारा कर दिया गया. जबकि कई आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया अभी भी जारी है.

इचाक की बोंगा पंचायत में लगा शिविर, ऑन द स्पॉट मिला मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन का लाभ

इचाक प्रखंड के बोंगा पंचायत में 29 नवंबर को आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में इचाक के बोंगा में रहने वाले अयोध्या राम को एक घंटे के भीतर ऑन द स्पॉट मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना का लाभ दिया गया.मौके पर अयोध्या राम ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि वे बहुत दिनों से मुख्यमंत्री वृद्धावस्था पेंशन योजना से जुड़ कर लाभ लेने के लिए प्रयासरत थे. जब उन्हें पता चला कि उनके पंचायत में शिविर लगा है, तो आज सुबह शिविर में पहुंचकर अपना आवेदन दिया. लगभग 45 मिनट में कागजात की जांच कर उन्हें वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृति दे दी गई और उनका नाम सूची में शामिल हो गया. इस मौके पर प्रखखंड विकास पदाधिकारी संतोष कुमार और अंचलाधिकारी मनोज कुमार महथा ने उन्हें स्वीकृति पत्र प्रदान किया. उन्होंने कहा कि इस स्वीकृति पत्र के सहारे प्रति माह वृद्धावस्था पेंशन के लाभ को प्राप्त कर सकेंगे.

हजारीबाग

घाटशिला

अबुआ आवास योजना के लिए सबसे ज्यादा भीड़

प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में पिछले चार दिनों से आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम का शिविर आयोजित किये जा रहे हैं. आम लोगों की भीड़ शिविर में अनुमान से अधिक उमड़ रही हैं. शिविर में सबसे ज्यादा भीड़ अबुआ आवास योजना को लेकर देखने को मिल रही है.शिविर में पहुंचे मांझी पारगना माहल के देश विचार सचिव बहादुर सोरेन से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि शिविर का अवलोकन करने के पश्चात ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आम जनता की मूलभूत समस्याओं का ऑन द स्पॉट एक भी देखने को नहीं मिला. कुछ लोगों को विभाग से मोबाइल पर सूचना दी गई कि आवेदन स्वीकृत हो गई है. उन्होंने सरकारी पदाधिकारी तथा सरकार पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम पूरी तरह से ग्राम सभा का उल्लंघन कर किया जा रहा है. जबकि पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में बिना ग्राम सभा के एक भी व्यक्ति को लाभ नहीं मिलना चाहिए . ग्राम सभा से ही पेंशन योजना तक की स्वीकृति होने का प्रावधान संविधान में दिया गया है.

तीसरी बार दिया है आवेदन

काशीदा पंचायत सचिवालय में आवेदन देने आए काशीदा गांव निवासी लक्ष्मीपद गोराई ने बताया कि तीसरी बार सरकार हमारे द्वार आयी है. लेकिन अब तक कोई फायदा नहीं हुआ. पिछले दो बार सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. आवेदन लेने के लिए भीड़ जमा होती है. बाद में इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है. सभी आवेदन रद्दी की टोकरी में चले जाते हैं. धरातल पर कोई काम नहीं होता है.

उमड़ी भीड़, 100 लोगों को कंबल, एक दिव्यांग को मिली ट्राय साइकिल

आदित्यपुर

आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 5-6 में बुधवार को सरकार आपके द्वार योजना के तहत लगे शिविर में हजारों की भीड़ उमड़ी . इसका मुख्य कारण इस योजना का प्रचार प्रसार करना है. आज के शिविर में स्वास्थ्य, बिजली, नगर निगम, अबुआ आवास योजना के शिविर अलग से लगाये गए थे. बुधपार को दोनों वार्ड के 100 जरुरत मंद लोगों को ठंड से बचने के लिए कंबल दिए गए, जबकि एक दिव्यांग को नगर निगम की ओर से ट्राय साइकिल दी गई है. यह शिविर सर्वाधिक सफल हुई है, अब आगे भी शिविरों को सफल बनाने के लिए ऐसे ही प्रचार प्रसार किये जाएंगे.

और बेहतर व्यवस्था की जाएगी : पिछले दिन वार्ड 5 और 6 के नागरिकों के लिए गम्हरिया के बेसिक स्कूल कैम्पस में सरकार आपके द्वार योजना का शिविर लगाया गया था. जिसमें हजारों की संख्या में लोग जुटे हैं. पूर्व के 3 शिविर से आज लाभुकों की संख्या अधिक थी. कारण इस शिविर के लिए प्रचार प्रसार किया गया था. अब आगे से हर शिविर का प्रचार प्रसार किया जाएगा. शिविर में 100 से ज्यादा लोगों को कंबल, एक दिव्यांग व्यक्ति को ट्राय साइकिल दी गई है. जबकि नगर निगम के स्टाल पर 100 से ज्यादा राशन कार्ड के आवेदन, 40 से ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन मिले हैं. बिजली विभाग के स्टाल पर भी 37 आवेदन उपभोक्ताओं ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए दिए हैं. स्वास्थ्य विभाग के स्टाल पर 113 लोगों को विभिन्न बीमारियों की जांच कर दवाइयां दी गई है. अब अगले एक महीने तक लगने वाले शिविर में नगर निगम के द्वारा इससे भी बेहतर व्यवस्था की जाएगी.

पीरटांड़ (गिरिडीह)

जमा हुए आवेदन, दी योजनाओं की जानकारी लाभुकों के बीच सामग्री का भी वितरण किया

पीरटांड़ प्रखंड के बिसनपुर पंचायत में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, बीडीओ मनोज कुमार, उपप्रमुख महेंद्र प्रसाद, मुखिया अनूप मिश्रा, बिसनपुर पंचायत के पश्चमी पंसस गीता देवी, पूर्वी पंसस अलका देवी, समाजसेवी सुजीत पाण्डे, उप मुखिया कांति देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यक्रम में सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया. कार्यक्रम में सभी विभागों के द्वारा विभागवार स्टॉल लगाए गए थे. जहां लोगों के आवयश्कता अनुसार आवेदन लिए जा रहे थे. वहीं उपस्थित विधायक एवं पदाधिकारियों ने प्रखंड एवं अंचल के विभिन्न विभागों के द्वारा लगाए स्टाल का निरीक्षण कर स्टाल में उपस्थित कर्मियों को शिविर में उपस्थित लाभुकों का सहयोग करने का निर्देश दिया. कहा गया कि राज्य सरकार की ओर समाज के हर वर्ग को समाज की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए ही कार्यक्रम किया जा रहा है. विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने कहा कि प्रखंड एवं अंचल के शिविर में उपस्थित कर्मी ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें तथा ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें ताकि आमजनों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके. वहीं विधायक ने कई सामग्री का भी शिविर में वितरण किया.

शिविर में आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, पीएम आवास योजना, पीडीएस, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, शिक्षा विभाग, प्रज्ञा केंद्र, पशुपालन विभाग, जमीन संबंधित विभाग आदि के स्टाल लगाए गए थे. जहां अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई. वहीं कार्यक्रम में ब्लॉक से सम्बंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे.

बेरमो

480 आवेदन अबुआ आवास के मिले, नहीं लगा शिक्षा विभाग का स्टॉल, युवा निराश

गोमिया प्रखंड के तिलैया पंचायत के दनिया ग्राम के स्कूल में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना के लिए करीब 480 लोगों ने आवेदन पत्र जमा किया. वहीं इस कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की ओर से कोई स्टॉल नहीं लगाया गया था न ही कोई अधिकारी ने भाग लिया. इस पर बीडीओ ने कहा कि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी को फटकार लगाई है. कार्यक्रम का उद्घाटन दर्जा प्राप्त मंत्री सह पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो, बीडीओ महादेव और सीओ प्रदीप कुमार महतो ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस शिविर में सीडीपीओ अलका रानी, नोडल पदाधिकारी डॉ. सुरेश प्रसाद, आजसू नेत्री कौशल्या देवी, बीस सूत्री के अध्यक्ष लुदु मांझी, मुखिया चिंता देवी, पंसस शिवलाल हेम्ब्रम, बीपीओ आशीष रंजन, कॉर्डिनेटर संतोष पंडित सहित अन्य कर्मचारी और जनप्रतिनिधि शामिल थे. पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद महतो, सहित पदाधिकारियों ने आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम शिविर में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया. शिविर में बड़ी संख्या में लोग भाग लिया और अपने आवश्यकता के अनुसार फार्म भरकर समर्पित किया है. लाभुकों में सबसे ज्यादा अबुआ आवास योजना के स्टॉल में भीड़ लगी थी. गुरुजी क्रेडिट कार्ड और 7 केसीसी योजना के आवेदन भी दिए गए. अन्य विभागों में भी ग्रामीणों के द्वारा आवेदन दिए जाने की सूचना है.

ऑन स्पॉट हुआ निष्पादनः इस कार्यक्रम में ऑन स्पॉट बाल विकास परियोजना की ओर से 4 लाभुकों को सावित्रीबाई फुले योजना का लाभ दिया गया. वहीं पांच लाभुकों की पेंशन योजना स्वीकृत की गई. 5 जन्म मृत्यु का प्रमाण पत्र भी दिए गए. 3 लोगों को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ दिया गया. इस अवसर पर पूर्व विधायक योगेंद्र महतो ने कहा कि यह व्यापक और महत्वकांक्षी कार्यक्रम झारखंड की दिशा और दशा तय करने वाला है.

डुमरी (गिरिडीह)

अबुआ आवास के लिए 705 सहित पेंशन पशु शेड के लिए भी दिए गए आवेदन

डुमरी प्रखंड के जीतकुंडी में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में स्थानीय विधायक सह प्रदेश के उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री बेबी देवी शामिल हुई. इस दौरान बीडीओ अन्वेषा ओना, सीओ शशिभुषण वर्मा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो, मंत्री प्रतिनिधि राजकुमार पांडेय, बरकत अली मुख्य रूप से उपस्थित थे. ग्रामीणों से मंत्री बेबी देवी ने कहा कि पंचायत स्तर पर ही राज्य सरकार के लोक कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचाना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है. इस दौरान अधिकारियों ने सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप, भू-राजस्व से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, सामुदायिक व व्यक्तिगत वन पट्टा, किसान क्रेडिट योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभुकों से इसका लाभ उठाने की अपील की. मौके पर कंबल,धोती, साड़ी, लुंगी और स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच साईकिल क्रय के लिए डीबीटी के माध्यम से प्राप्त होने वाली राशि का प्रतीकात्मक चेक का वितरण किया. इस दौरान मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टॉल का निरीक्षण किया. शिविर में अबुआ आवास के लिए 705 आवेदन, साईकिल के लिए 7 आवेदन, पेंशन के लिए 9 आवेदन, शौचालय के लिए 32 एवं पशु शेड के 23 आवेदन आये.

गोमो

अबुआ आवास के लिए 500 से अधिक आवेदन, धोती-साड़ी का भी वितरण

तोपचांची प्रखंड के अंतर्गत सुदूर ग्रामीण क्षेत्र चैता ग्राम पंचायत सचिवालय में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों की भारी भीड़ जुटी . बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी अपनी समस्याओं को लेकर कार्यक्रम में लगाए गये स्टॉल में आवेदन फार्म जमा किये . अबुआ आवास के लिए सबसे अधिक आवेदन प्राप्त हुए . दोपहर तक 500 से अधिक आवेदन काउंटर में जमा हो चुके थे. इसके अलावा वृद्धा पेंशन , वन भूमि पट्टा भूमि, खाता प्लॉट नम्बर में सुधार,वाहन लोन,राशन कार्ड, जाति, आवासीय, जन्म मृत्यु, सिचाई कूप आदि अनेक कल्याणकारी योजनाओं को लेने के लिए ग्रामीणों ने आवेदन जमा किए. कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी व अंचल अधिकारी उपस्थित नहीं थे. बिलम्ब से पहुंचे नोडल पदाधिकारी डीटीओ राजेश कुमार सिंह, सहायक नोडल पदाधिकारी सुरेन्द्र कुमार, मुखिया आरती देवी, पंचायत सचिव राम चन्दर ठाकुर, मुखिया प्रतिनिधि लाल चंद महतो, झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष लालचंद महतो सहित स्थानीय गणमान्य लोगों ने योजना के तहत स्वीकृत बीस राशन कार्ड धारियों को धोती साड़ी, कम्बल, जाति, आवासीय सहित अन्य स्वीकृत प्रमाण पत्र अथितियों के हाथों वितरण किए गए. मूर्ति देवी,मीना देवी,मगर महतो , बुधन महतो ,रुकमणी देवी, पुरनी देवी,रुपिया देवी, बिजली देवी, सारदा देवी,अन्जना देवी ने धोती साड़ी मिलने पर सरकार को धन्यवाद दिया.

पंचायत स्तर पर शिविर लगने से ग्रामीणों में खुशी, उमड़ रही भीड़

आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत चक्रधरपुर प्रखंड के अब तक चार पंचायत में शिविर आयोजत किये गए हैं. शिविर को लेकर लोगों में काफी उत्साह है.पंचायत स्तर पर लगने वाले शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ उमड़ रही है. चक्रधरपुर प्रखंड की गुलकेड़ा पंचायत के गुलकेड़ा स्थित मैदान में शिविर लगाया गया. जहां मुख्य रुप से चक्रधरपुर के विधायक सुखराम उरांव भी उपस्थित हुए. शिविर के दौरान सरकार द्वारा लोगों के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे.जहां मनरेगा, डीएमफटी, स्वास्थ्य, पेंशन,राशन, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, श्रमाधन पोर्टल आदि के स्टॉल पर लोगों ने अपने आवेदन जमा किये. वहीं शिविर के दौरान विधायक सुखराम उरांव ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई व शिशुओं का अन्नप्राशन मुंहजुट्ठी भी कराया.साथ ही जरुरतमंद लोगों के बीच कंबल का वितरण किया. इस मौके पर इंडियन ओवरसीज बैंक की ओर से भी स्टॉल लगाकर लोगों को बैंक में खाता खोलने, ऋण इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई. इस मौके पर अंचलाधिकारी बाल किशोर महतो, चक्रधरपुर पंचायत की मुखिया लक्ष्मी केराई, समाजसेवी दयासागर केराई,प्रखंड बीस सूत्री सदस्य विजय सिंह सामड के अलावे प्रखंड व अंचल कार्यालय के अलावे अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, पंचायत प्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

चक्रधरपुर

गुलकेड़ा गांव में शिशु की अन्नप्राशन करते विधायक सुखराम उरांव.

हर तीन महीने में लगे शिविर चक्रधरपुर प्रखंड के गुलकेड़ा गांव निवासी सुखलाल जारिका ने कहा कि पंचायत स्तर पर लगाया जा रहे शिविर से ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है, लेकिन इस तरह के शिविर प्रत्येक तीन महीने पर लगना चाहिए, इससे पंचायत के बड़ी संख्या में ग्रामीणों को लाभ मिलेगा.

योजनाओं की मिल रही जानकारी चक्रधरपुर निवासी पोकुवाबेड़ा गांव निवासी सरिता जामुदा ने कहा कि पंचायत स्तर पर आपके द्वार कार्यक्रम में लगाये गए शिविर में कई प्रकार की योजनाओं के बारे में जानकारी मिल रही है. पंचायत से प्रखंड कार्यालय की दूरी लंबी होने के कारण ग्रामीण प्रखंड कार्यालय नहीं जा पाते हैं. इस तरीके से पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित किये जाने से ग्रामीणों को लाभ मिल रहा है.

18000 लाभुकों ने भरा आवेदन, उमड़ी भीड़

चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम के लगभग 18 प्रखंड में पांचवें दिन सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किए गए. जिसमें लोगों की भीड़ शिविर में देखने को मिली. पश्चिमी सिंहभ के जनता दरबार में अब तक लगभग 18000 से अधिक लाभुकों ने विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन किया है. लोगों की भीड़ शिविर में अधिक होने से अब प्रशासन की ओर से व्यवस्था को दुरुस्त किया गया है. उपायुक्त ने सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी को आदेश जारी कर कहा कि शिविर में किसी तरह की लापरवाई न करें. आम जनता को योजनाओं के संबंधित जानकारी दें. यदि उसे आवेदन करने में किसी तरह की परेशानी हो रही है तो उसके आवेदन को भरकर जमा करें. प्रत्येक ग्राम के मुंडा व जन प्रतिनिधि से भी सहयोग ले. आम जनता तक सरकारी लाभ पहुंच सके. उपायुक्त ने कहा कि किसी भी तरह की परेशानी का सामना आम जनता को करना न पड़े. इसको लेकर प्रशासन की ओर से गाइडलाइन जारी की गई है. मालूम हो कि पश्चिमी सिंहभूम में अब तक हजारों की संख्या में लोगों ने सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं. सबसे अधिक आबुआ आवास योजनाओं में लोगों ने आवेदन किया है.

अबुआ आवास के सबसे ज्यादा आवेदन

मेदिनीनगर

मंत्री मिथलेश ठाकुर से मेदिनीनगर शहर के क्राउन प्लाजा होटल में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर की प्रेसवार्ता की. उहोंने कहा आपकी योजना आपकी सरकार आपकी द्वार कार्यक्रम सभी समस्याओं का ऑन द स्पॉट निराकरण किया जा रहा है.प्रखंड से अबुआ आवास के सबसे ज्यादा आवेदन जिला प्रशासन को मिल रहा है. तीसरे फेज में 24 नवम्बर से आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है. एक दिसम्बर को इस कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पलामू जिला के मुख्यालय मेदिनीनगर में दो दिवसीय दौरा है. प्रेसवार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा, सचिव सन्नू सिद्दक्की, अभिषेक सिंह, दीपक तिवारी, अविनाश देव, राकेश सिन्हा, शुशीला मिश्रा, मुन्ना सिन्हा, सन्नी शुक्ला, असफर जी,सुमित कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे.

बयानों के जंग में कॉप-28

यूरोप और पश्चिम एशिया के दो युद्धों के साए में जलवायु परिवर्तन का मुद्दा शासकों के लिए कैसी चुनौती है यह दुबई में हो रहे कॉप 28 की बहसों से समझा जा सकता है. पहले से ध्रुवों में बंटी दुनिया के सबसे अहम.सवाल को जिस तरह हल्के में ले रही है, उससे साफ है कि इतिहास की गलतियों से सीखने में विश्व नेतृत्व सक्षम नहीं है. इस समय सबसे बड़ी चुनौती वैज्ञानिकों की वे चेतावनियां और तेजी से मौसम में आ रहे बदलाव हैं, जिनका साफ असर विभिन्न महादेशों की जनता झेल रही है. कार्बन उत्सर्जन को कम करने के संकल्प को जमीन पर उतारने के बजाय विकास की उन्हीं प्रचलित धारणाओं का पक्ष पोषण किया जा रहा है, जिससे यह समस्या उठ खड़ी हुई हैं. यह तो सर्वविदित है कि विकसित देशों ने दुनिया के जलवायु संतुलन को प्रभावित किया है और उनसे होड़ ले रहीं तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं के पास भी न तो कोई वैकल्पिक तरीका है और न ही वैकल्पिक अवधारणा. बावजूद सम्मेलन दर सम्मेलन केवल वायदे होते हैं, बड़ी बातें होती हैं और फिर अगले सम्मेलन के हवाले सब कुछ सुपुर्द कर दिया जाता है. यह सवाल दुनिया पूछ रही है कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने और धीरे धीरे खत्म कर देने की दिशा में शासकों और उनके पृष्ठपोषक कारपारेट कंपनियों ने क्या कदम उठाए हैं. दुबई सम्मेलन की त्रासदी तो यह रही कि उसमें न तो अमेरिका के राष्ट्रपति आए और न ही चीन के. जबकि ये दोनों ही देश कार्बन उत्र्सजन का रिकार्ड दर रिकार्ड बना रहे हैं. आज हम जलवायु संकट के मुहाने पर खड़े हैं, जिसने जलवायु से जुड़े वादों को तत्काल गतिविधियों में बदलने की जरूरत स्पष्ट कर दी है. ग्लासगो में संपन्न वैश्विक जलवायु सम्मेलन (कॉप-26) में महत्वाकांक्षी नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों की घोषणा की गई थी, लेकिन दुबई में चल रहे कॉप-28 पर इन वादों को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी शायद ही पूरी होने वाली है. जिस तरह से वर्ष 2023 ने गर्मी, सूखा, बाढ़, लू और दावानल के रिकॉर्ड तोड़े हैं, जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए तेज और निर्णायक कदम उठाने की जरूरत को कम करके नहीं आंका जा सकता है. कॉप-28 में ग्लोबल स्टॉक टेक (जीएसटी) एक निर्णायक अवसर के रूप में सामने आया है. यह देशों की सामूहिक प्रगति का एक रिपोर्ट कार्ड है, जिसमें वादों, उठाए गए कदमों और भविष्य के सख्त कदमों की जानकारी शामिल होगी. जीएसटी पेरिस जलवायु समझौते की आधारशिला है, जिसका उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 से दो डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए सामूहिक प्रगति की समय-समय पर समीक्षा करना है. बहुपक्षीय विकास बैंकों में भी सुधार की जरूरत है, ताकि वे विकासशील देशों के लिए वित्तीय जोखिम और लागत घटा सकें. दुबई में हो रहे कॉप-28 को दोहरावभरी बयानबाजियों से आगे नहीं बढ़ पाया है.

> कॉप-28 में ग्लोबल स्टॉक टेक (जीएसटी) एक निर्णायक अवसर के रूप में सामने आया है. यह देशों की सामूहिक प्रगति का एक रिपोर्ट कार्ड है, जिसमें वादों, उठाए गए कदमों और भविष्य के सख्त कदमों की जानकारी शामिल होगी.

सुभाषित

यस्मिन् जीवति जीवन्ति बहवः स तु जीवति।
काकोऽपि किं न कुरुते चञ्च्वा स्वोदरपूरणम्।।

जिसके जीने से कई लोग जीते हैं, वह जीया कहलाता है, अन्यथा क्या कौआ भी चोंच से अपना पेट नहीं भरता? अर्थात व्यक्ति का जीवन तभी सार्थक है, जब उसके जीवन से अन्य लोगों को भी अपने जीवन का आधार मिल सके. अन्यथा कौवा भी अपना उदर पोषण करके जीवन पूर्ण कर ही लेता है.

'कोप भवन' से बाहर आगे की दुनिया

लोकसभा की कुल 543 सीटों में भाजपा ने पिछली बार 303 जीतीं थीं. मध्यप्रदेश में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए क्या-क्या किया गया बताना हो तो पीएम ने कोई सवा दर्जन से अधिक यात्राएं कीं. अमित शाह प्रदेश में ही लगभग बने रहे. करोड़ों लोगों को मुफ़्त के अनाज के साथ-साथ 'लाड़ली बहना' जैसी बीसियों योजनाओं के लिए ख़ज़ाने को ख़ाली कर दिया गया. 'ज़रूरतमंद' मतदाताओं के 'अभावों' को हर संभव योजना के बल पर वोटों के रूप में प्राप्त करने (ख़रीद लेने?) के टोटके आज़माए गए.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

मतपत्रों की गिनती से मिले नतीजों पर मत जाइए कि भाजपा ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के साथ-साथ अविश्वसनीय तरीक़े से छत्तीसगढ़ में भी कांग्रेस का सफ़ाया कर दिया है. ये नतीजे 'असली' नहीं हैं. 'असली' नतीजे यही हैं कि भाजपा पराजित हुई है. प्राप्त परिणाम बराबरी के मैदान पर 'ईमानदारी' से लड़े गए चुनावों के नहीं हैं, जैसा कि 2018 में देखा गया था. इन चुनावों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया था और प्राणों की बाज़ी लगा दी थी. ख़ास कर मध्यप्रदेश और राजस्थान में. तेलंगाना के परिणाम भाजपा पहले से जानती थी. भाजपा की कोशिश तो बस केसीआर की प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष मदद करके वहां किसी भी तरह कांग्रेस को सत्ता में आने से रोकने की थी. उसमें न तो उसे और न ही ओवैसी को सफलता मिली. मतदाताओं के बीच सांप्रदायिक ध्रुवीकरण कर देने की सारी कोशिशें विफल हो गईं. विश्व प्रसिद्ध मंदिरों के राज्य तेलंगाना में हिंदू आबादी 85 प्रतिशत है. तीन राज्यों में हुई हार के बाद से कांग्रेस में इतना ज़्यादा मातम छाया हुआ है कि वह 'कोप भवन' से बाहर निकल कर तेलंगाना की ऐतिहासिक जीत पर तालियां ही नहीं बजाना चाहती. कल्पना कीजिये कि अगर तेलंगाना में भी भाजपा की योजना सफल हो जाती तो क्या होता?

पूछा जा सकता है कि चुनाव- परिणामों के निष्कर्ष क्या हैं? निष्कर्ष केवल दो हैं: पहला तो यह कि सिर्फ़ चार राज्यों के चुनाव प्रचार में ही पीएम को अगर अपना सारा कामकाज छोड़कर इतनी ताक़त झोंकना पड़ी तो केंद्र की सत्ता में वापसी के लिए चार महीने बाद ही होने वाले लोकसभा चुनावों में मोदी क्या करने वाले हैं? मिज़ोरम में तो पीएम ने पैर भी नहीं रखा! कारण भाजपा ही बता सकती है. दूसरा निष्कर्ष यह कि विधानसभा चुनाव यदि नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी के बीच बना दिए गए थे तो 'फ़ीनिक्स' की तरह राहुल ने देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को तेलंगाना में राख से पुनर्जीवित करके दिखा दिया. सत्ता द्वारा जेल की देहरी तक धकेल दिए जाने के बावजूद राहुल लौट कर लड़ाई के मैदान में पहुंच गए. हिमाचल विजय के बाद पहले कर्नाटक में भाजपा को सत्ता से बाहर किया और फिर उससे लगे तेलंगाना में भी कांग्रेस को शीर्ष पर लाकर भाजपा के लिए दक्षिण भारत के प्रवेश द्वार को ही बंद कर दिया.

तीन राज्यों में विजय के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधन में दक्षिण भारत पर ज़्यादा ध्यान केंद्रित करने के आह्वान में पीएम की चिंता को टटोला जा सकता है. (स्मरण किया जा सकता है कि पीएम और अमित शाह ने कर्नाटक में किस तरह की मेहनत और रोड-शो किए थे.) केरल से लगाकर उड़ीसा तक छह राज्यों में लोकसभा की डेढ़ सौ सीटें हैं और भाजपा कहीं भी सत्ता में नहीं है. ममता के पश्चिम बंगाल (42 सीटें), नीतीश-तेजस्वी के बिहार (40 सीटें) और सोरेन के झारखंड (14 सीटें) को भी जोड़ लिया जाए तो भाजपा के लिए चुनौती लगभग 250 सीटों की हो जाती है. लोकसभा की कुल 543 सीटों में भाजपा ने पिछली बार 303 जीतीं थीं.

मध्यप्रदेश में भाजपा को फिर से सत्ता में लाने के लिए क्या-क्या किया गया बताना हो तो पीएम ने कोई सवा दर्जन से अधिक यात्राएं कीं. अमित शाह प्रदेश में ही लगभग बने रहे. करोड़ों लोगों को मुफ़्त के अनाज के साथ-साथ 'लाड़ली बहना' जैसी बीसियों योजनाओं के लिए ख़ज़ाने को ख़ाली कर दिया गया. 'ज़रूरतमंद' मतदाताओं के 'अभावों' को हर संभव योजना के बल पर वोटों के रूप में प्राप्त करने (ख़रीद लेने?) के टोटके आज़माए गए. संघ की पूरी ताक़त के साथ- साथ पड़ोसी प्रदेशों से बुलाकर तैनात की गई कार्यकर्ताओं की फ़ौज चुनाव में झोंक दी गई. नौकरशाही को पार्टी के साथ 'सहयोग' नहीं करने के परिणाम के बारे में खुले तौर पर चेतावनी दे दी गई.

अमित शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर कह दिया था कि वे सपा और बसपा उम्मीदवारों की हर संभव मदद करें क्योंकि वे कांग्रेस के ही वोट काटेंगे. तीन दिसंबर के परिणामों के सूक्ष्म विश्लेषण के बाद पता चल पाएगा कि सपा/बसपा आदि दलों और बागियों ने सम्मिलित रूप से कांग्रेस का कितना खेल बिगाड़ा और उससे कितने भाजपा उम्मीदवारों को जीतने में मदद मिली. मध्यप्रदेश में भाजपा के मुक़ाबले कांग्रेस की उपलब्धि उसे प्राप्त कुल सीटों (66) और वोट शेयर (40.4%) से अधिक इस बात से आंकना चाहिए कि उसका मुक़ाबला कितनी बड़ी ताक़त और उसे प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष मदद करने वाली निहित स्वार्थों की जमात से था. प्रधानमंत्री अगर चुनाव को 2018 की तरह ही लड़ते तो उसके परिणाम क्या तीन दिसंबर जैसे ही निकलते? क्या तब उनके और भाजपा के ख़िलाफ़ व्याप्त जनता की नाराज़गी की असली लहर का लोकसभा के पहले ही पता नहीं चल जाता? ऐसा नहीं किया गया. जो एंटी-इंकम्बेंसी केंद्र के ख़िलाफ़ थी उसे राज्य सरकार के खाते में डालने के प्रयास किए गए पर चतुर शिवराज सिंह की 'लाडली बहनों' ने सबको बचा लिया. (पिछले साल नवंबर में हिमाचल में पराजय के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री ने भाजपा की हार के कारणों के लिए कथित रूप से केंद्र सरकार की नीतियों को ज़िम्मेदार ठहराया था.) विधानसभा चुनावों के 'अघोषित' नतीजे यह हैं कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की जीत केवल तेलंगाना में ही नहीं, बल्कि 'सभी राज्यों' में हुई है. प्रधानमंत्री को लोकसभा के लिए तैयारी नए सिरे से करनी पड़ेगी. कारण यह कि विधानसभा चुनावों पर ही भाजपा इतना सब लुटा चुकी है कि मतदाताओं को देने के लिए उसके पास मंदिर, राष्ट्रवाद और 'कन्हैया लाल की कहानी' के अलावा कुछ नहीं बचा है! भाजपा क्या केवल इनके दम ही दिल्ली की सत्ता में वापस आ जाएगी?

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

मर्यादा का पालन

मातु पिता गुर प्रभु कै बानी, बिनहिं बिचार करिअ सुभ जानी. देखिए माता, पिता, गुरु और स्वामी की बात को बिना विचारे ही, शुभ समझकर मान लेना चाहिए. चाहे जो भी हो, इस मर्यादा का पालन निश्चित ही करना चाहिए. इसकी बड़ी कीमत है. देखो! यहाँ जो भी है, अपनी मर्यादा में है. एक नदी भी जब तक दो किनारों के बीच बहती है, तभी तक जीवन देने वाली है. मर्यादा भंग हो जाए, किनारा तोड़ कर निकल जाए. तो कितने जीवन लील जाए. समुद्र, पृथ्वी, सूर्य, कोई भी मर्यादा छोड़ दे तो अभी प्रलय हो जाए. बस एक मनुष्य ही ऐसा है कि रत्ती भर ज्ञान हुआ कि मर्यादा गई. देखिए सामान्य मनुष्यों की तो बात ही क्या, उच्चतम श्रेणी के साधकों के लिए भी महापुरुषों के जीवन चरित्र संजीवनी बूटी के समान हैं. तो जीवन के हर मोड़ पर हमें वही करना चाहिए जो किन्हीं महापुरुष ने तब किया, जब वे भी जीवन के उसी मोड़ पर खड़े थे. वनवास की आज्ञा मिलने पर भगवान राम कहते हैं-'सुनु जननी सोइ सुत बड़भागी.जो पितु मातु बचन अनुरागी..' मां! वही पुत्र भाग्यवान है, जिसका अपने माता पिता के वचन प्रिय हैं. 'चारि पदारथ करतल ताकें.प्रिय पितु मातु प्रान सम जाकें..' जिसके माता पिता प्राण समान हैं, धर्म अर्थ काम मोक्ष उसके हाथ में हैं. मां! मैं पिता जी की आज्ञा से अग्नि में भी कूदने को तैयार हूं, जहर भी पीने को तैयार हूं. भगवान ने एक बार पलट कर इतना भी नहीं पूछा कि मेरा दोष क्या है? तुरंत वनगमन स्वीकार कर लिया. कौशल्या जी भी ऐसा ही कहती हैं-'पितु आयसु सब धरमक टीका..' राम! पिता की आज्ञा का पालन करना ही सब धर्मों का शिरोमणि धर्म है. भरत जी गुरु जी से ऐसा नहीं कहते कि आप गलत कहते हैं. कहते हैं- 'तुम तो देहु सरल सिख सोई. जो आचरत मोर भल होई..' आप तो वही कहते हैं, जिसका पालन करने में मेरा भला हो. मैं यह बात जानता हूं पर मेरा ही मन शांत नहीं है. अब आप स्वयं विचार करें! आपको मां से सेवा लेते हुए संकोच नहीं होता, छोटी सी बात पर मां को कटु वचन कहते हुए संकोच नहीं होता, मां को सामने देख अपने हाथ पैर होते हुए भी पानी का गिलास तक स्वयं न उठाते हुए संकोच नहीं होता, मां के पैर छूने में संकोच होता है?

सामने है एक नया राजनीतिक परिदृश्य

• परिणाम

विजय केसरी

मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना विधानसभा के चुनाव परिणाम ने एक नए राजनीतिक परिदृश्य को सामने लाकर खड़ा कर दिया है. एग्जिट पोल के परिणाम को दरकिनार करते हुए जो परिणाम सामने लेकर आया है, सबों को अचंभित कर दिया है. परिणाम को देखने से प्रतीत होता है कि मोदी की गारंटी पर जनता ने मोहर लगा दी है . वहीं तेलंगाना के मतदाता ने कांग्रेस को स्पष्ट जनादेश देकर पार्टी को जीवन देने का प्रयास किया है. पांच राज्यों में हुए चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है . एग्जिट पोल ने बराबर यह बताने की कोशिश की थी कि तीनों हिंदी प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है. आगे यह भी बताने की कोशिश की गई कि इन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार बनने की ज्यादा संभावना है. लगभग सभी एग्जिट पोल ने यह संभावना व्यक्त की थी कि इन प्रदेशों में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी कांटे की टक्कर है. इसी बात को लेकर पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक बहसें भी देशभर में चल रही थीं. इन बहसों से देश भर की जनता एक कन्फ्यूजन की स्थिति में आ गई थी, लेकिन चुनाव परिणाम ने स्थिति बिल्कुल पलट कर ही रख दी है. कहीं दूर-दूर तक भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे की टक्कर दिख ही नहीं रही है. चार राज्यों के चुनाव परिणाम ने एक नई राजनीतिक आहट का भी संकेत दिया है. वहीं मोदी और कांग्रेस पर निष्ठा भी व्यक्त की गई है. कांग्रेस पार्टी के लिए यह एक अच्छी खबर है. भारतीय जनता पार्टी का तेलंगाना में प्रदर्शन जैसा पूर्व में था, कुछ बेहतर हुआ है. तेलंगाना में भाजपा के वोट प्रतिशत में भी बढ़ोतरी हुई है. भाजपा को तेलंगाना में सत्ता तक पहुंचने में अभी समय लगेगा. तेलांगना की जनता ने मोदी की गारंटी को पूरी तरह नकार दिया है. वहीं तेलंगाना में कांग्रेस को मिली सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि कांग्रेस अभी भी पूरी दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरती रहेगी . इन चारों राज्यों के चुनाव परिणाम पर गहनता के साथ अध्ययन करने पर यह बात परिलक्षित होती है कि इन चारों प्रांतों के मतदाताओं ने एक स्पष्ट संकेत दिया है कि अब इस देश में सिर्फ दो ही पार्टियां गतिशील रह सकती हैं . एक भारतीय जनता पार्टी और दूसरी कांग्रेस पार्टी. इन चारों राज्यों की जनता ने यह चौंकाने वाला परिणाम प्रदान कर एक नए राजनीतिक परिदृश्य का सूत्रपात किया है. इन चारों राज्यों में भारतीय जनता पार्टी ने जीत के लिए पूरी शक्ति लगा दी थी . भारतीय जनता पार्टी को कर्नाटक की हार से जो राजनीतिक नुकसान हुआ था, इन तीनों राज्यों में प्रचंड बहुमत प्राप्त कर उस नुकसान को भर दिया गया है. वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रचार में जो प्रतिबद्धता दिखाई, वह तारीफे काबिल है. इन तीनों राज्यों के चुनाव परिणाम से कांग्रेस पार्टी को सबक लेने की जरूरत है. कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन और राहुल गांधी के बयानों से उनकी पार्टी को अच्छा खासा नुकसान हुआ है . कांग्रेस पार्टी को इन तीनों विधानसभा के चुनाव परिणाम पर विचार करने की जरूरत है. चूंकि अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी, स्वाधीनता संग्राम की पार्टी रही है . संपूर्ण देश में इस पार्टी की एक विशिष्ट पहचान है. यह पहचान कायम रहे. उनके नेताओं को अपने बयान को बहुत ही संभाल कर जारी करना चाहिए. अन्यथा जिस तेजी के साथ भाजपा उभरती नजर आ रही है, यह कांग्रेस की सेहत के लिए उचित नहीं है. मध्य प्रदेश के चुनाव परिणाम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नरेंद्र मोदी की बातों पर राज्य की जनता को भरोसा है. इन पांच राज्यों में चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी हो, कांग्रेस पार्टी हो अथवा अन्य क्षेत्रीय दल हों, सभी पार्टी और दलों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए कई तरह की घोषणाएं कीं. इन घोषणाओं का लाभ भी उनकी पार्टी को मिला. लेकिन ऐसी घोषणाओं के बल पर प्रदेश में सरकार नहीं बनाई जा सकती है. भारत एक विशाल लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष देश है. ऐसी घोषणाओं से सत्ता और विपक्ष दोनों को बचाने की जरूरत है. इसके साथ ही यह भी ख्याल सत्ता और विपक्ष दोनों को रखना चाहिए कि चुनाव आते हैं . चुनाव जाते हैं. आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है . कल कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी. परसों किसी अन्य क्षेत्रीय दल की सरकार बनेगी. लेकिन सभी को इस देश में ही रहना है. चुनावों के दौरान इस तरह की रेवड़ियां बांटा जाना देश हित में नहीं है.

> पांच राज्यों में हुए चुनाव को 2024 के लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है . एग्जिट पोल ने बराबर यह बताने की कोशिश की थी कि तीनों हिंदी प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है. आगे यह भी बताने की कोशिश की गई कि इन प्रदेशों में कांग्रेस की सरकार बनने की ज्यादा संभावना है.

चालीसवें साल में भोपाल त्रासदी की याद

• सामयिकी

स्वदेश कुमार

39 वर्ष पहले 3 दिसम्बर सन् 1984 को भोपाल में हुई गैस त्रासदी की यादें आज भी लोगों के जेहन में बसी हुई हैं. यहां पर कीटनाशक बनाने वाली कम्पनी में मिथाइल आइसोसाइनेट गैस के रिसाव से आधिकारिक तौर पर 2256 लोग मौत का शिकार हुए थे. मध्यप्रदेश की तत्कालीन सरकार ने 3787 लोगों की गैस से मरने वालों के रूप में पुष्टि की थी. अन्य अनुमान बताते हैं कि 8000 लोगों की मौत तो दो सप्ताह के अंदर हो गई थी और लगभग अन्य 8000 लोग तो रिसी हुई गैस से फैली संबंधित बीमारियों से मारे गए थे. 2006 में सरकार द्वारा दाखिल एक शपथ पत्र में माना गया था कि रिसाव से करीब 558,125 सीधे तौर पर प्रभावित हुए और आंशिक तौर पर प्रभावित होने वालों की संख्या लगभग 38,478 थी. 3900 तो बुरी तरह प्रभावित हुए एवं पूरी तरह अपंगता और अंधेपन के शिकार हुए थे. भोपाल गैस त्रासदी को लगातार मानवीय समुदाय और उसके पर्यावरण को सबसे ज़्यादा प्रभावित करने वाली औद्योगिक दुर्घटनाओं में गिना जाता रहा है. दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक दुर्घटना मानी जाने वाली इस दुर्घटना में दोषियों को नाममात्र की सज़ा मिली. यूनियन कार्बाइड के अध्यक्ष वारेन एंडरसन' को भारत में बहुत जल्दी जमानत मिल गई. वे अमेरिका चले गए और 1993 में उनकी मृत्यु भी हो गई. यूनियन कार्बाइड के भारतीय अफसरों को दो-दो वर्ष की मामूली सज़ा मिली और वे छूट गए. दुनिया भर में पिछले 120 वर्षों से 1,519 ऐसे हादसे हो चुके हैं, जिनका असर काफ़ी व्यापक था. इन हादसों में एक अनुमान के अनुसार क़रीब 6.4 लाख लोगों ने अपनी जान गंवा दी, जबकि 44 लाख लोग इनसे प्रभावित हुए. इनमें क़रीब 3,27,701.35 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है. आंका गया मूल्य सीधे तौर पर नुकसान को दर्शाता है, जबकि वास्तविक नुकसान इससे कई गुना ज़्यादा है.इस मामले में भारत की स्थिति तो और ज़्यादा ही बुरी है. यहां पर 1901 से लेकर अब तक 116 औद्योगिक दुर्घटनाओं का रिकॉर्ड उपलब्ध है. ये दुर्घटनाएं ऐसी हैं, जिनका व्यापक असर पड़ा. इनमें क़रीब 10,316 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं और 9 लाख से ज़्यादा प्रभावित हैं, साथ ही 5,280 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है, हालाकि नुकसान का यह आंकड़ा सरकारी तौर पर नुकसान को बयां करता है, पर प्रभावितों की संख्या और नुकसान इससे कई गुना ज़्यादा है.हमारे देश में सभी आंकड़े ज्ञात करना और भी अधिक मुश्किल है, क्योंकि अधिकांश कम्पनियों में जोख़िमवाले कामों की जगहों पर अस्थायी या ठेके के मज़दूर रखे जाते हैं, जिनका कोई रिकॉर्ड कम्पनी के पास नहीं होता. दुर्घटना हो जाने के मृतकों और घायलों को मुआवज़ा देने कोई ज़िम्मेदारी सम्बन्धित कम्पनी की नहीं होती.क़रीब दो दशक पहले एक मामला समाचारपत्रों में सुर्ख़ियों का विषय बना था, जब यह मामला प्रकाश में आया था कि भारत के अनेक परमाणु बिजलीघरों के उन स्थानों पर ठेके के मज़दूरों से काम करवाया जाता है, जहां पर रेडिएशन ज़्यादा होता है. दुनिया भर में नवउदारवादी नीतियों के लागू होने के बाद औद्योगिक दुर्घटनाओं में बहुत तेज़ी से वृद्धि देखी गई, इसका कारण यह है कि दुनिया के बड़े औद्योगिक देश अपने जोख़िमवाले उद्योगों को तीसरी दुनिया के उन देशों में स्थानान्तरित कर रहे हैं, जहां श्रम सस्ता है. यहां पर अधिकांश फैक्ट्रियां संकरे तथा अस्वास्थ्यकर इलाक़ों में हैं, जहां कम जगहों में हज़ारों मज़दूर काम करते हैं. वहां पर दुर्घटनाओं के बचाव का कोई उपकरण न होने के कारण अकसर दुर्घटनाएं होती हैं, आग लगती है तथा सैकड़ों मज़दूर मारे जाते हैं. यह प्रवृत्ति केवल भारत में ही नहीं बल्कि एशिया, अफ़्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे सभी ग़रीब देशों में है. बढ़ते हुए आर्थिक संकट की स्थिति में अधिक मुनाफ़ा कमाने की होड़ में दुनिया भर में श्रम कानूनों का व्यापक तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है, जिसके कारण इस तरह दुर्घटनाएं बहुत तेज़ी से बढ़ रही हैं.भोपाल गैस काण्ड त्रासदी पर इतिहासकार और संस्कृतिकर्मी लाल बहादुर वर्मा द्वारा लिखित नाटक "ज़िन्दगी ने एक दिन कहा" में उस नाटक का एक पात्र कहता है, "युद्धकाल में हिरोशिमा और शान्तिकाल में भोपाल". वास्तव में यही आज की सच्चाई है. साम्राज्यवादी मुल्कों ने मुनाफ़े की होड़ के लिए दो महायुद्ध लड़े, जिसमें करोड़ों लोग मारे गए, हिरोशिमा-नागासाकी पर परमाणु बम गिराए गए.

> दुनिया भर में पिछले 120 वर्षों से 1,519 ऐसे हादसे हो चुके हैं, जिनका असर काफ़ी व्यापक था. इन हादसों में एक अनुमान के अनुसार क़रीब 6.4 लाख लोगों ने अपनी जान गंवा दी, जबकि 44 लाख लोग इनसे प्रभावित हुए. इनमें क़रीब 3,27,701.35 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है.

मीडिया में अन्यत्र

लोकतंत्र और म्यांमार में गृह युद्ध

म्यांमार में गृह युद्ध में घटित हालिया घटनाओं के आधार पर बात करें तो वहां लोकतंत्र की वापसी की उम्मीद फिर से जिंदा होती लग रही है. फरवरी 2021 के तख्तापलट में नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के नेतृत्व वाली सरकार को अपदस्थ करने के बाद, टाटामाडॉ (जबरन सत्तारूढ़ सैन्य समूह या हुंटा) ने अभी तक इतनी बड़ी चुनौती का सामना कभी नहीं किया है. मौजूदा हिंसा और सत्तारूढ़ हुंटा को लगे झटके बताते हैं कि युद्ध एक नये दौर में पहुंच गया है. अक्टूबर के आखिर में 'थ्री ब्रदरहुड अलायंस' (टीबीए) द्वारा समन्वित हमले शुरू किये जाने के बाद से, हुंटा ने अपने दर्जनों ठिकाने गंवा दिये हैं और उसकी हालत पतली हो रही है, क्योंकि उसके सैन्य बलों को विरोधी मिलिशिया (नागरिक सेना) से लड़ना पड़ा रहा है, खासकर देश के देहाती इलाकों में. वर्ष 2010 में नियंत्रित लोकतंत्रीकरण के बाद म्यांमार की राजनीति में आए बदलावों को पलटने के प्रयास के तहत, हुंटा ने एनएलडी के नेताओं को हिरासत में ले लिया. इसके अलावा, तख्तापलट के बाद विरोध प्रदर्शनों को दमन के जरिये दबाने की कोशिश की, लेकिन इसका नतीजा यह हुआ है कि एनएलडी और उसके सहयोगियों (जिन्होंने नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट या एनयूजी का गठन किया है) ने विद्रोही मिलिशिया बना लिये हैं, जिन्हें पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज कहा जाता है. ये फोर्सेज कारेन, कचिन, चिन और करेन्नी जातीय समूहों के साथ मिलकर हुंटा से लोहा ले रहे हैं. ठीक इसी दौरान, उनके राजनीतिक प्रतिनिधि म्यांमार का संघीय व लोकतांत्रिक चार्टर तैयार करने के लिए एक मंच के जरिए आपस में संवाद कर रहे हैं. दूसरों के अलावा, टीबीए में शामिल समूहों- म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस आर्मी, तआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी और अराकान आर्मी - ने शुरू में हुंटा के साथ अपने संघर्षविराम की स्थिति बनाये रखी थी, लेकिन अब वे गृह युद्ध में शामिल हो गये हैं. इसने उत्तरी शान राज्य में हुंटा की पकड़ कमजोर की है और रखाइन राज्य में उसे लड़ाइयों में उलझा दिया है. इसने, और इसके साथ एनयूजी से जुड़े दूसरे जातीय सशस्त्र बलों द्वारा नये सिरे से शुरू किये हमलों (जैसे पड़ोसी भारत से लगे चिन राज्य में) ने हुंटा को मुश्किल में डाल दिया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा | डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अभिमान/दंभ/गर्व

शब्द में अपार शक्ति होती है, लेकिन तभी जब उसका सही प्रयोग हो. वैसे शक्तिशाली शब्दों का समूह मंत्र होता है, लेकिन वह सही उच्चारण और विधि से ही ही अपना यथोचित परिणाम दे पाता है. शब्दों का अनुचित प्रयोग कई बार अनर्थकारी भी हो जाता है, जिसके परिणाम स्वरूप युद्ध और विनाश जैसी स्थिति बन जाती है. आज की शब्द चर्चा में हम तीन ऐसे शब्द लेकर आये हैं, जिसका अर्थ लगभग एक जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में उनके अर्थ में भिन्नता होती है. वे शब्द हैं अभिमान, दंभ और गर्व. अब इनका अंतर इस प्रकार समझा जा सकता है. इन पांचों शब्दों में आत्मश्लाघा यानी अपने आप की प्रशंसा के तत्व विद्यमान हैं. अर्थों पर ध्यान देंगे तो इन सबों में अलग-अलग कुछ विशिष्टताएं दिखायी पडेंगी. इनसे मिलते जुलते शब्द अहंकार और दर्प भी हैं. अहंकार वह चित्तवृत्ति है, जो तब पैदा होता है, जब व्यक्ति अपने गुणों को वास्तविकता से कुछ अधिक समझने लगता है. दूसरा है दर्प. यह जिस व्यक्ति में होता है तो इसका अर्थ है कि वह व्यक्ति घमंड में ऐसा चूर है कि शिष्टाचार, नियमादि की चिंता नहीं करता. जब किसी व्यक्ति में अभिमान आ जाता है, तो वह सम्मान में स्वयं को बड़ा और दूसरों को छोटा समझने लगता है. अब आते हैं दंभ पर. दंभ उस चित्त वृत्ति का नाम है, जो अयोग्य व्यक्ति को इस भ्रम में डाले रखता है कि उससे अधिक काबिलियत किसी में नहीं हो सकती और इसी बात का उसे घमंड होता है. अयोग्य व्यक्ति में होनेवाला घमंड दंभ कहलाता है. इन सबों में सर्वोच्च है गर्व. यह तब आता है, जब व्यक्ति अपने धन, बल, कुल, विद्या आदि की वास्तविक स्थित पर अभिमान करता है. इसमें अपनी महत्ता का उचित ज्ञान होता है और गौरव का भाव पैदा होता है. गर्व को सकारात्मक माना जाता है. दर्पण और दंभ दोनों में नकारात्मकता होती है.

चुनाव की तैयारी में नेता चिम्मनलाल

• तीर-तुक्का

डॉ. एस.के. पाण्डेय

चिम्मनलालजी अपनी पार्टी-'एसकेएपी' यानी 'सबकुछ अपना पार्टी' के प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं की एक बैठक को सम्बोधित करते हुए बोल रहे थे कि हमारे पास आगामी चुनाव के पहले सिर्फ एक वर्ष का ही समय शेष रह गया है. अतः हम सबको सारे आपसी मतभेद भुला करके काम करना है. हमें मालूम है कि हमारे बीच मतभेद और भेद दोनों है. फिर भी जनता का मत एक हो यानी 'एसकेएपी' के पक्ष में मतदान हो, इसलिए हमें कुछ भी करना है. यदि अब भी नहीं करेगे तो कब करेंगे. यही पीक टाइम है. अगर अब भी चूक गए तो समझो पांच साल के लिए चूक गए. आप सभी कान खोलकर सुन लें कि यह समय आराम करने का नहीं है, कमाने का नहीं है, बटोरने का नहीं है. खर्च करने का है. दिमाग, धन-बल जो भी है सब. चोर भी समय पड़ने पर लूटे हुए को लुटा देते हैं और हम लोग तो नेता हैं. यह समय हाथ पर हाथ धरे बैठने का नहीं है. बल्कि दौड़ने का है. सभी क्षेत्रों का दौरा करो. जहां से आपलोग चुनाव जीतकर आये हैं, उसे याद कीजिए. वहां जाना ज्यादा मुश्किल हो तो उस क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के साथ जाओ तो रास्ते में भटकना नहीं पड़ेगा. सिर्फ कुछ ही दिनों की तो बात है. उसके बाद तो फुर्सत ही फुर्सत होगी. किसी ने कहा नेता जी अबकी बार कोई ऐसा विधेयक पास करवा दीजिए, जिससे चुनाव होना हो तो मार्च के अंत तक हो जाया करे. जून में चुनाव होने से गर्मी में जबरन दौड़-धूप करनी पड़ती है. एक-दो महीने तो दिन रात एक कर देना पड़ता है. जो सेहत के लिए काफी नुकसानदायक होता है. गर्म हवा और लूक तथा पैंतालीस से पचास डिग्री का पारा सहकर बाहर निकला नहीं जाता. चिम्मनलालजी बोले कि पूर्ण बहुमत में आने तो दीजिए. उसके बाद हम ऐसी सभी समस्याओं पर विचार करेंगे. नेता जी आगे बोले कि नई-नई कुछ योजनाओं की हम घोषणा करने वाले हैं. लाखों रिक्तियों को भरने के लिए विज्ञापन निकाल रहे हैं. जिन विभागों में कोई भी रिक्त स्थान नहीं है. उनमें भी रिक्त पद निकाले जायेंगे. चुनाव के बाद ऐसे विज्ञापन रद्द कर दिये जायेंगे. राजनीति में यह सब तो चलता ही रहता है. विज्ञापन निकलना और रद्द होना लोकतंत्र में आम बात है. और तो और, परीक्षाएं भी सम्पन्न कराई जा सकती हैं, लेकिन परिणाम वही खटाई में. खोदा पहाड़ निकली चुहिया. बेरोजगारों में नवजीवन जगाने के लिए, उन्हें ढाढस बंधाने के लिए. कुछ न कुछ करना हमारा कर्तव्य भी बनता है. इसी बहाने उनमें कुछ करने का हौसला आता है.

Her Story

रीता गुप्ता

दनन्हीं सी उम्र में अवसाद! सुनने में अजीब जरूर लगता है लेकिन यह आज की सच्चाई है. आपका आपका कलेजा का टुकड़ा गर इन दिनों आमदिनों से कुछ अलग व्यवहार कर रहा, खाने-पीने में आनाकानी कर रहा, चिड़चिड़ा हो रहा तो बजाय डांटने-झुंझलाने के, पहले उसके नन्हे से दिल को टटोलें. जाने कौन सी कलेजे से लगाए वह मुस्कुराना भूल रहा हो.

हंसता बचपन खिलता बचपन

केस 1. दस वर्षीय स्वप्निल आज भी स्कूल से आ कर सीधे अपने बिस्तर पर चला गया और गुमसुम सा छत ताकने लगा. कुछ देर के बाद वह सीधे पढने ही बैठ गया. मां के जबरदस्ती करने पर उसने थोड़ा बहुत कुछ खाया जरूर पर उसकी उदासी नहीं छंट पाई. ये उस का नित्यक्रम था. उसे हर चीज से मानों अरूचि होती जा रही थी. कई बार बिना बात के रोने लगता. रात को उसे नींद नहीं आती.

केस 2. बारह-तेरह वर्ष की हर्षिका बेहद चिड़चिड़ी और जिद्दी स्वभाव की होती जा रही थी. आए दिन वह अपनी मम्मी से लड़ती, बहन को तो दुश्मन ही समझती और पापा से बेवजह की फरमाइश करती रहती. अपने सामान को फ़ेंक देती और हर वक्त शिकायत करती कि उसे कोई प्यार नहीं करता. घर का माहौल हमेशा तनावपूर्ण रखती.

ये दोनों ही बच्चे अपने अवसाद ग्रस्त होने की संकेत दे रहें हैं. अविश्वसनीय अवश्य लगता है पर ये सच है कि आजकल बहुत छोटी उम्र से ही बच्चों में तनाव के लक्षण दिख रहे हैं. अवसाद बच्चों के लिए एक बड़ी वास्तविक चिंता है. इसका असर बच्चों के सोचने, महसूस करने और उनके व्यवहार पर पड़ सकता है और बच्चों के जीवन की गुणवत्ता पर भी असर डालता है.

अवसाद के कारण

अवसाद को आमतौर पर वयस्कों की बीमारी माना जाता है और जब बच्चें और किशोर इसकी चपेट में आते हैं तो अवसाद की पहचान हो भी नहीं पाती. बच्चों में दिखने वाले लक्षण वयस्कों से थोड़ा अलग भी होते हैं. सुधार की दिशा में पहला कदम है लक्षणों की पहचान

अवसाद से पीड़ित बच्चे में निम्न लक्षण दिखते हैं

- पढ़ाई से मन उचाट, स्कूल में प्रदर्शन में अचानक गिरावट
- स्कूल जाने से मना करना
- ध्यान भंग हो जाना और पढ़ाई या दूसरी चीज़ों में ध्यान न दे पाना
- जल्दी थक जाना और सुस्ती महसूस करना
- भूख और नींद की कमी
- सोचने विचारने और निर्णय करने में मुश्किल
- छोटी छोटी बातों पर चिढ़ जाना
- बिना बात के रोना
- सिरदर्द या पेट दर्द की शिकायत जो इलाज से ठीक नहीं हो रहा हो
- दोस्तों के साथ खेलने से मना करना
- उन गतिविधियों में मन न लगना जिनमें पहले आनंद आता था.

प्रसिद्ध बाल मनोवैज्ञानिक डेविड इल्काइंड ने अपनी पुस्तक द हरिड चाइल्ड ग्रोइंग अप टू फास्ट टू सून में इस बात पर चिंता जताई है कि विभिन्न कारणों से आज बच्चें तनावग्रस्त हो अवसाद में चले जातें हैं. माता-पिता अपने बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालकर उनसे वक्त से पहले 'मैच्योर' व्यवहार की उम्मीद करते हैं. एकल परिवार, मां-बाप की बड़ी अपेक्षाएं, बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई का दबाव, बेतरह प्रतिद्वन्द्विता और पीयर प्रेशर , घुटनशील वातावरण, बच्चों की उम्र से ज्यादा प्रतिभा की अपेक्षा और उन पर लगातार दबाव के कारण बच्चे मानसिक रूप से परेशान रहने लगे हैं. अकेलापन और घर का माहौल भी बहुत असर करता है. डेविड बतातें हैं कि बच्चों के उत्पाद तैयार कर रही कंपनियां बच्चों को जिस ढंग से फैशनेबल कपड़े पहनने और टीवी कार्यक्रम परिपक्व व्यवहार के लिए उकसा रहे हैं, उससे भी बच्चों में मानसिक रोग बढ़ रहे हैं. शोध बताते हैं कि ऐसे माहौल से बच्चे के मानसिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ता है.

अवसाद का इलाज

अगर आपके बच्चे में ऊपर दिए गए लक्षणों में दो या उनसे अधिक लक्षण नज़र आते हैं तो पहला कदम यही होगा कि आप किसी बाल रोग विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से मिलें. उपचार के विकल्पों में दवाएं और थेरेपी दोनों ही तरीकें शामिल हैं और ये निर्भर करते हैं अवसाद की स्थिति कैसी है.

अवसाद में परिवार की भूमिका

पर ऐसी समस्या आए ही नहीं इसके लिए जरुरी है घर का माहौल का सही होना. हंसमुख, मिलनसार और जिंदादिल बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास ज्यादा अच्छी तरह से होता है. वैसे भी चाहे पर्सनल लाइफ हो या फिर प्रोफेशनल लाइफ ऐसे जिंदादिल और एक्टिव लोग हर जगह सफल होते हैं और खुद खुश रहने के साथ-साथ अपने परिजनों, मित्रों और सहकर्मियों को भी खुश रखते हैं. इसलिए समझदारी इसी में है कि घर में हंसी-खुशी का माहौल रखें और बच्चों को शुरू से ही टेंशन फ्री मिलनसार और जिंदादिल रहने की ट्रेनिंग दें.

1. मां-बाप के झगड़े बच्चों पर हमेशा नकारात्मक प्रभाव छोड़ जातें हैं.
2. भरसक कोशिश करें कि माहौल हल्का-फुल्का और सौहार्द पूर्ण बना रहे.
3. बच्चों को खुल कर हंसने मजाक करने के लिए प्रेरित करें.
4. घर-परिवार-दोस्तों में जो हंसोड़ हो, उसके सान्निध्य में समय बिताएं
5. हर दिन शाम को साथ बैठने और सप्ताहांत में कहीं भी आउटिंग के लिए अवश्य समय निकालें.
6. बच्चा यदि कुछ दिनों से बहुत तनाव में गुजरा हो जैसे परीक्षाएं इत्यदि के कारण तो उसके समाप्त होते ही उसके लिए मनोरंजन के पल अवश्य संजोये.
7. बच्चें की क्षमता को पहचान कर ही उसपर दबाव बनाये या लक्ष्य निश्चित करें. कई बार औकात से बाहर की अपेक्षाएं भी बच्चों की हंसी छीन लेती है.
8. खेलने-कूदने-उधम मचाने और मस्ती करने जैसी स्वाभाविक क्रियाओं को छीन बचपन को नीरस न बनायें. अलबत्ता उम्र के साथ समय का महत्व सीखाएं ताकि वे संतुलन बना जी सकें.
9. बच्चे के शारीरिक स्वास्थ्य का ख़्याल रखिए. व्यायाम या शारीरिक गतिविधि से बच्चे के मूड में सुधार आता है.
10. संतुलित व्यक्तित्व निर्माण में प्यार-दुलार के साथ साथ सख्ती की थपकी भी अत्यावश्यक है. पर, जल्द ही प्यार से गले लगा उनको आश्वस्त भी कर सुनिश्चित करें कि उनकी मुस्कान वापस आ जाये.

हंसना तनाव, दर्द और मन की उलझनों को दूर करने का सबसे शक्तिशाली एन्टीडोट है. शरीर और दिमाग को दोबारा से संतुलन में लाने के लिए बेहतर हंसी से कारगर और जल्दी असरकारी कोई भी दवा नहीं हो सकती. यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड के शोधकर्ताओं की मानें तो हंसने का संबंध शरीर के रक्त संचार से है. आप जितना हंसेंगे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन उतना ही बढ़ेगा. हंसना एक प्रकार की संक्रामक बीमारी है. यह आसपास मौजूद लोगों को खांसी-सर्दी से कहीं ज्यादा जल्दी प्रभावित करती है, लेकिन इसका असर सामने वाले पर सकारात्मक रूप से होता है.
अतः अपने बच्चों में शुरू से रोपें जिन्दादिली के बीज.

परमिंदर कौर चद्ढा

डिक्शनरी में नहीं नो शब्द

ज़ार बर्क़ गिरे, लाख आंधियां उट्ठें / वो फूल खिल के रहेंगे जो खिलने वाले हैं...साहिर लुधियानवी की ये पंक्तियां परमिंदर कौर चद्ढा उर्फ रोमी सेठ पर सटीक बैठती है जो दो टूक में कहती हैं कि मेरी डिक्शनरी में नो शब्द है ही नहीं और मैं वह सब हासिल कर सकने का माद्दा रखती हूं, जो मैं मेरी चाहत होती है. इनकी बातों में दम है क्योंकि पढ़ाई लिखाई छोड़ने और बतौर होममेकर करीब दो दशक गुजारने के बाद इन्होंने जब वापस पढ़ने-कुछ करने की तमन्ना पाली तो एक-एक कर कई उपलब्धियां अपने खाते में दर्ज करती गईं. यह सिलसिला आज भी जारी है.

नर्सरी टीचर से एसो. प्रोफेसर तक

शादी के करीब 18 साल बाद नर्सरी टीचर के रूप में अपना करियर वापस शुरू किया. फिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अध्यापन और अब कॉलेज में बतौर एसिस्टेंट प्राफेसर...यह सब इतना आसान नहीं था. करियर को पुनः गति देने के साथ अपनी काबलियत में लगातार इजाफा किया. इंग्लिश, एजुकेशन और इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएशन और कुछ सर्टिफिकेट कोर्स के बाद अब पीएचडी को पूरा करने में लगी हैं. पीएचडी के साथ ही बचपन का नाम के आगे डॉक्टर लगाने का सपना पूरा होगा. साथ ही रिसर्च पेपर प्रकाशित होने का सिलसिला भी लगातार जारी है.

पूरा हुआ मॉडलिंग का ख्वाब

एजुकेशन फील्ड के साथ ही मॉडल बनने का किशोर वय का ख्वाब भी एक राष्ट्रीय प्रकाशन समूह के प्लेटफॉर्म पर मिसेज इंडिया कॉन्टेस्ट (2023) जीतने के साथ ही पूरा हो गया. इसके साथ क्लोविया, सायनोरा, वॉयला जैसे ब्रांड के लिए मॉडलिंग करने का अवसर भी मिला. ग्लैमर के क्षेत्र में भी लगातार सफलताएं कदम चूम रही हैं.

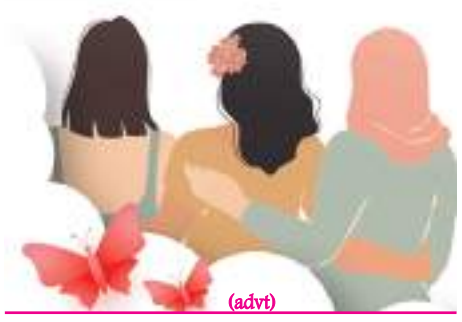

(advt)

बड़े काम के किचन टिप्स

किसी ग्रेवी में अगर तेल या घी ज़्यादा हो जाए तो उसे थोड़ी देर के लिए फ्रिज या फ्रीज़र में रख दें. इससे तैर रहा तेल ऊपर जम जाएगा और आप आसानी से उसे निकालकर फेंक सकती हैं. डिश को सर्व करने से पहले दोबारा गर्म कर लें. कुछ ऐसे ही और किचन टिप्स बता रही हैं कुकरी

- अंडा फेंटते वक्त उसमें 2 चम्मच दूध मिला लें, इससे ऑमलेट सॉफ्ट और फ्लफी बनेगा.
- बिना अंडे का सॉफ्ट और फ्लफी केक बनाने के लिए केक का बैटर पके केले और दही के साथ बनाएं.
- यदि दूध की मलाई में एक चम्मच चीनी डालकर फेटा जाए तो मक्खन ज्यादा मात्रा में निकलता है.
- पके केले का गुच्छा लटका कर रखने से केला 5 से 6 दिनों तक खराब नहीं होगा.
- हरी मिर्च का डंठल तोड़कर फ्रिज में रखने से मिर्च जल्दी खराब नहीं होती है.
- लौकी का कोफ्ता या हलवा बनाने के लिए इसे कद्दूकस करने के बाद जो पानी निकले उससे आटा गूंध लें. इससे परांठे सॉफ्ट, टेस्टी और अधिक हेल्दी बनेंगे.
- परफेक्ट फ्रेंच फ्राइज़ के लिए आलूओं को काटकर उन्हें 2-3 मिनट के लिए पानी में उबाल लें. अब टिशू पेपर पर फैला कर सारा पानी सूखा लें. इस पर कॉर्न फ्लार से डस्ट करें. इसके बाद ज़िप लॉक बैग या एयर टाइट डिब्बे में बंद करके फ्रीज़र में रख दें. जब ज़रूरत हो निकाल कर तुरंत फ्राय करें और परफेक्ट फ्रेंच फ्राइज के मजे लें.

-रानी प्रसाद

बढ़ रही है ठंड, त्वचा का रखिए ख्याल, आजमाइए ये उपाय

कमलजीत कौर
ब्यूटी एक्सपर्ट

सर्द मौसम पर सबसे अधिक हमारी त्वचा प्रभावित होती है. नॉर्मल या फिर ऑयली स्किन में ड्राइनेस की शिकायत होने लगती है. सर्दियों में त्वचा की डीप क्लीनिंग नहीं हो पाती है, जिसकी वजह से ब्लैकहेड्स, गंदगी चेहरे पर बनी रहती है. इसलिए इस मौसम में ऐसे फेशियल को कराना चाहिए जो मौसम के अनुकूल हो और त्वचा को हाइड्रेट करे. त्वचा की नियमित सफाई और पोषण के खास मायने हैं. आइए आज जाने कि ठंड के मौसम में पार्लर में किस तरह का फेशियल कराएं और घर पर त्वचा की नियमित देखभाल कैसे करें.

वाइन फेशियल

ठंड के मौसम में वाइन फेशियल उपयुक्त विकल्प है. यह त्वचा को भीतर तक मॉइश्चराइज्ड करता है जिससे त्वचा ग्लो करती है. अलग-अलग ब्रांड और पार्लर के स्तर के अनुसार इसकी कीमत प्रभावित होती है. लेकिन आमतौर पर 800-1200 रुपए में वाइन फेशियल के लिए कई विकल्प मिल जाते हैं.

गोल्ड फेशियल

गोल्ड की तासीर गर्म होती है. इसकारण ठंड के मौसम में पर्ल या सिल्वर फेशियल की तुलना में गोल्ड फेशियल अधिक प्रभावकारी माना जाता है. इन दिनों शादी का मौसम है. ऐसे में गोल्ड फेशियल खासतौर पर दुल्हन में विशेष लोकप्रिय है. अगर सांवली रंगत है और जरा निखार चाहती हैं, तब भी इस मौसम में गोल्ड फेशियल आपके लिए बेहतर विकल्प है. ब्रांड और पार्लर सुविधा के अनुसार यह 1000 से 3000 रुपए के रेंज में कराया जा सकता है.

एरोमा थेरेपी फेशियल

यह फेशियल सभी तरह की त्वचा के लिए लाभदायक है. इसमें कई तरह के ऑयल जैसे लैवेंडर ऑयल, सेंसेटिव स्किन ऑयल आदि का प्रयोग मसाज में किया जाता है. ठंड के मौसम में त्वचा भीतर से ग्लो करती है और हाइड्रेट रहती है. इसका रेंज 1200 रुपए से स्टार्ट है.

घर में ये उपाय कारगर

- एक कप गुलाब जल में आधा कप ग्लिसरिन और चार विटामिन ई के कैप्सूल डाल कर मिला लें और किसी बॉटल में स्टोर कर फ्रिज में रख लें. नहाने से आधे घंटे पहले इसे चेहरे, गले व हाथ-पैर में लगा कर हल्का मसाज करें.
- दो चम्मच शहद में एक चम्मच ग्लिसरीन और एक चौथाई चम्मच नींबू का रस मिलाएं. नहाने से आधा घंटे पहले इससे चेहरे पर मसाज कर साफ सूती कपड़े से चेहरा साफ कर लें. इससे त्वचा साफ भी होगी और भीतर तक नमी पहुंचेगी.
- प्योर नारियल तेल से नहाने से पहले चेहरे, हाथ-पैर में मसाज भी बेहतर परिणाम दिखाएगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

नवजात का निजी अस्पताल में मौत

अररिया। फारबिसगंज के रेफरल रोड स्थित शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.आशुतोष कुमार के निजी क्लीनिक में सोमवार की देर रात दो माह के नवजात शिशु की मौत हो गई. जिसके बाद परिजनों ने चिकित्सक के क्लीनिक में हंगामा मचाना शुरू कर दिया. परिजन का आरोप था कि चिकित्सक ने इलाज में लापरवाही बरती और एक इंजेक्शन लगाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई. इंजेक्शन लगने के थोड़ी देर बाद ही शिशु की मौत हो गई. सूचना के बाद फारबिसगंज थाना से सब इंस्पेक्टर सुबोध कुमार पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया.

सड़क हादसे में किसान की मौत

बेगूसराय। बरौनी-मुजफ्फरपुर खंड पर सोमवार देर रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई. घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के पांडव एचपी पेट्रोल पंप के समीप की है. मृतक अनिल कुमार राय बछवाड़ा थाना क्षेत्र के रानी पंचायत-तीन के निवासी हैं. घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि अनिल कुमार राय रात करीब 10.30 बजे दूध सेंटर जा रहे थे. इसी दौरान एनएच पर तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार ने ठोकर मार दिया. थोड़ी देर बाद पहुंचे परिजन गंभीर हालत में उठाकर अस्पताल ले गए. जहां कि चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया है.

पुलिस ने चोरी के बालू लदे पांच ट्रैक्टर जब्त

नवादा। नवादा पुलिस ने मंगलवार को नारदीगंज थाने के फलडु बालूरघाट पर 5 अवैध रूप से बालू लदे पांच ट्रैक्टर ट्राली को जब्त कर लिया है. साथ ही बालू माफिया नालंदा जिले के राजगीर थाने के फतेहपुर गांव के निवासी संतोष कुमार को उनके मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है. जिन्होंने पुलिस के सामने स्वीकार किया है कि बड़े पैमाने पर बालू की चोरी कर राजगीर के विभिन्न इलाकों में आपूर्ति कर लाखों रुपये की कमाई कर रहा है. उसने यह भी स्वीकार किया कि प्रतिदिन इन इलाकों से नाजायज तरीके से बालू का उठाव किया जाता है.

रोहिणी ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

'मेरे पापा का हंसता-मुस्कुराता चेहरा, वो युग-प्रवर्तक'

संवाददाता। पटना

खिलखिलाता मुस्कुराता चेहरा. वो युग-प्रवर्तक. 5 दिसंबर 2022 का दिन मेरे लिए मुश्किलों से ज्यादा खुशियों का दिन था. आज फिर 5 दिसंबर (2023) है.

पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक पोस्ट सोशल मीडिया साइट एक्स पर शेयर किया है. उन्होंने लालू को किडनी डोनेट करने के उस दिन को याद किया है जब वे अस्पताल में भर्ती थीं और लालू को उनकी जरूरत थी. रोहिणी ने लिखा है कि उन्हें उसी स्वस्थ रूप में देखने की कामना थी, जिस रूप में उन्हें बचपन से देखती आई थी. मेरे पापा का हंसता-

एक साल ऐसे बीता जैसे कल ही की बात हो. हमेशा की तरह बीते पूरे साल भी परमपिता परमेश्वर से मेरी बस यही विनती रही कि जब तक मेरे इस नश्वर शरीर में प्राण रहे, मेरे पापा का मेरे सिर पर हाथ, उनका स्नेहिल आशीष रहे. आज के ही दिन 2022 को दिल में मेरे समुद्री लहरों के जैसे जज्बात थे. मगर इरादे चट्टानों के जैसे मजबूत.

बुर्का पहन कर आने वाली छात्राओं की एंट्री पर लगाई रोक

शेखपुरा। शेखपुरा जिले के शेखोपुरसराय नगर पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चारूआवां में बुर्का पहनने वाली छात्राओं पर प्रतिबंध लगाया गया. कुछ छात्राओं को एचएम सत्येंद्र चौधरी ने बुर्का न पहन कर आने की हिदायत दी. इस बात पर छात्राओं ने अपने परिजनों से शिकायत की. शिकायत के बाद अभिभावक उग्र हो गए और अन्य ग्रामीणों के साथ विद्यालय आकर प्रधानाध्यापक को खरी खोटी सुनाई. साथ ही कहा कि बुर्का पहनना उनकी धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा है और स्कूल आने से ऐसी छात्राएं को कोई नहीं रोक सकता.

आओ जानें

बिहार में उद्योगों की स्थिति

चीनी का उत्पादन	लाख क्विंटल में
2006-07	45.12
2007-08	33.90
2008-09	21.44
2009-10	26.71
2010-11	38.51
2011-12	45.10
2012-13	50.85
2013-14	59.22
2014-15	52.67
2015-16	50.33
2016-17	52.48
2017-18	71.54
2018-19	84.02

चार पुलिसकर्मी घायल, सदर अस्पताल में चल रहा है इलाज

जमा खां का वाहन दुर्घटनाग्रस्त चालक होमगार्ड जवान की मौत

संवाददाता। पटना

रोहतास जिले में परसथुआ थाना क्षेत्र के रूपीबांध गांव के पास मोहनिया-आरा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-30 पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खां के साथ चल रहे पुलिस स्कॉट वाहन सोमवार देर रात दुर्घटनाग्रस्त होने से चालाक होम गार्ड जवान की मौत हो गई तथा चार पुलिस कर्मी जख्मी हैं. जख्मी पुलिस कर्मियों को पीएचसी कोचस में इलाज के लिए ले जाया गया जहां उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सक सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिए. सभी का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है. मृतक चालक जमालुद्दीन खान (50 साल) नोखा थाना के मेयारी बाजार निवासी ताजुद्दीन खान के पुत्र थे. घायलों में पुलिस के जवान रमेश कुमार, मनोज कुमार, अर्चना कुमारी व रानी कुमारी का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोचस में इलाज के लिए ले जाया गया जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिए.

एसपी विनीत कुमार ने मंगलवार को बताया कि मंत्री जमा खां कैमूर से पटना जा रहे थे. इसी क्रम में उन्हें रोहतास जिला की सीमा परसथुआ से मालियाबाग तक के लिए पुलिस स्कॉर्ट कराई जा रही थी. स्कॉर्ट वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई. जख्मी चार पुलिसकर्मियों का इलाज सदर अस्पताल सासाराम में कराया जा रहा है और सभी खतरे से बाहर हैं. घायल पुलिस कर्मियों से डीआईजी नवीन चंद्र झा और एसपी नवीन कुमार मिल उनकी स्थिति से अवगत हुए. मंत्री या मंत्री के वाहन को कोई क्षति नहीं पहुंची है. मंत्री पटना के लिए रवाना हो गए. एसपी ने कहा कि घटना की जांच सासाराम एसडीपीओ कर रहे हैं.

शेखपुरा में बोलेरो ने मां-बेटी को रौंदा, मौत

शेखपुरा। शेखपुरा जिले के शेखूपुरसराय-शेखपुरा मुख्य सड़क मार्ग के नीमी गांव के पास मवेशियों को चारा देने जा रही मां-बेटी को बोलेरो ने कुचल डाला. इस घटना में घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई. परिजनों की मानें तो दहेज को लेकर उनके दामाद ने अपनी पत्नी और सास की बोलेरो से कुचल कर हत्या कर दी है. फिलहाल ये घटना हत्या है या सड़क हादसा यह सपष्ट नहीं हो पाया है. इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर इकट्ठा हो गई. आक्रोशित ग्रामीणों ने बीच सड़क पर शव को रखकर शेखपुरा-शेखूपुरसराय मुख्य सड़क मार्ग को नीमी गांव के समीप घंटों जाम कर दिया. जाम की सूचना मिलने पर डायल 112 और शेखूपुरसराय थाने की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने-बुझाने का काम किया. सड़क जाम की वजह से सड़क पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई. ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन से आरोपी की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग को लेकर खूब नारेबाजी की.

नीतीश आईएनडीआईए की बैठक में शामिल नहीं होंगे

संवाददाता। पटना

आईएनडीआईए गठबंधन की बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होने वाली बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल नहीं होंगे. यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आहूत की है.

बैठक में पांच राज्यों के हालिया चुनाव नतीजों पर मंथन और आगामी रणनीति पर चर्चा होनी है. विपक्षी गठबंधन के सूत्रधार नीतीश कुमार ने बीमार होने के कारण दिल्ली न जाने का फैसला किया है. इस बैठक में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव के अलावा जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह और मंत्री संजय झा शामिल होंगे. इस बैठक को अहम माना जा रहा है. इसमें संयोजक के नाम के साथ सीट बंटवारे पर चर्चा होने की संभावना है. पांच राज्यों में गठबंधन में शामिल दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़ा है. क्षेत्रीय दलों का मानना है कि इसी वजह से तीन राज्यों में भाजपा को जीत मिली. जदयू और राजद का स्पष्ट कहना है कि कांग्रेस अपनी हार के लिए खुद जिम्मेवार है. मिलकर चुनाव लड़ा जाता तो नतीजे कुछ और होते. नीतीश कुमार की पहल पर केंद्र की सत्ता से भाजपा को बेदखल करने के लिए बने इस गठबंधन में पांच राज्यों के चुनाव पर सीटों के बंटवारे की बात होने के बाद कांग्रेस ने चुप्पी साध ली थी. पिछले दिनों खुद नीतीश ने कांग्रेस के रवैये पर नाराजगी जताई थी.

पंचायत उपचुनाव की घोषणा, 28 को वोटिंग

पटना। बिहार में पंचायत उपचुनाव की घोषणा कर दी गयी है. राज्य भर में जिला परिषद सदस्य, ग्राम कचहरी सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, पंचायत मुखिया सहित कुल 1675 पदों के लिए चुनाव होंगे. 9 दिसंबर से 15 दिसंबर तक नामांकन प्रक्रिया चलेगी. वहीं 28 दिसंबर को वोटिंग और 30 दिसंबर को चुनावी नतीजे आयेंगे. इस संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव मुकेश कुमार सिन्हा ने सभी जिलों के निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखा है. घोषणा के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है. पंचायत उपचुनाव के लिए जारी शेड्यूल के अनुसार, पंचायत उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 9 दिसंबर से 15 दिसंबर तक चलेगी. सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन का आवेदन लिया जायेगा.

दो भाइयों ने बहन के प्रेमी को काट डाला

संवाददाता। औरंगाबाद

पुलिस ने 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

उन्होंने बताया कि परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर पांच नामजद अभियुक्त के विरुद्ध मदनपुर थाने में मामला दर्ज किया गया. मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में जांच शुरू की गई. घटना की तकनीकी एवं मानवीय जांच करने के बाद 3 दिसंबर को इस हत्याकांड में लिप्त 5 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया. इसके साथ ही हत्या में प्रयोग हुई कुल्हाड़ी को आरोपी कुंदन समीर की निशानदेही पर घटनास्थल के पास उत्तर कोयल नहर स्थित पानी के नीचे से बरामद किया गया.

दो भाइयों ने मिलकर बहन के प्रेमी को मार डाला. इसके बाद उसके शव को नहर में फेंक दिया था. भाइयों ने अपनी बहन से ही फोन कराकर उसे बुलाया और फिर कुल्हाड़ी से मारकर मौत के घाट उतार दिया. इस घटना को लेकर पुलिस ने खुलासा कर दिया है और आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई है. एसडीपीओ मो. अमानुल्लाह खान ने बताया कि 27 नवंबर की सुबह 7 बजे घटना के बारे में जानकारी मिली थी. सूचना मिलने के बाद घटनास्थल पर पुलिस बल पहुंचा. शव को देखने पर प्रथम दृष्टया मामला हत्या का पाया गया. 28 नवंबर की सुबह शव की पहचान छालीदोहर गांव निवासी महेंद्र यादव के रूप में की गई.

कारोबार

रॉयल एनफील्ड पुरानी बाइक खरीदेगी

नयी दिल्ली। बाइक निर्माता रॉयल एनफील्ड अपनी पुरानी बाइक को खरीदने और बेचने की पहल ला रही है. कंपनी ने 'रीओन' नाम की एक सुविधा शुरू की है. इसमें पुरानी बाइकों को मौजूदा तथा संभावित ग्राहकों को रॉयल एनफील्ड बाइक खरीदने या बेचने का विकल्प दिया जाएगा. रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी बी. गोविंदराजन ने एक बयान में कहा, हम 'रीओन' पहल को पुरानी रॉयल एनफील्ड बाइक खरीदते समय ग्राहकों की पहुंच तथा विश्वास संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए उपयुक्त मानते हैं.

'फॉर्मूलेशन' सुविधा का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली। एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में एक 'फॉर्मूलेशन' सुविधा का अधिग्रहण किया है. यह संयंत्र करीब छह एकड़ में फैला हुआ है. वर्तमान में इसमें काम जारी है और अगले साल इसके शुरू होने की उम्मीद है. एकम्स के संयुक्त प्रबंध निदेशक संजीव जैन ने एक बयान में कहा, 'बद्दी सुविधा के अधिग्रहण से बाजार में गतिशीलता आएगी, जो हमारी कंपनी की योजनाबद्ध दूरदर्शिता तथा सक्रिय दृष्टिकोण का एक स्पष्ट संकेत है.

भारत में चाय निर्यात 4.93 प्रतिशत घटा

कोलकाता। भारत से चाय का निर्यात जनवरी से सितंबर के दौरान 4.93% घटकर 15.792 करोड़ किलोग्राम रह गया. चाय बोर्ड के नवीनतम आंकड़ों में यह बात सामने आई. वर्ष 2022 के पहले नौ महीनों में निर्यात 16.611 करोड़ किलोग्राम रहा था. आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत में मुख्य तौर पर असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में समीक्षाधीन अवधि में चाय का निर्यात 6.61% गिरकर 9.628 करोड़ किलोग्राम रह गया, जबकि एक साल पहले इसी नौ महीने में यह 10.309 करोड़ किलोग्राम था. दक्षिणी क्षेत्र में जनवरी से सितंबर के बीच निर्यात 2.19% की मामूली गिरावट के साथ 6.164 करोड़ किलोग्राम रह गया.

देश में 80 लाख टन यूरिया की मैन्यूफैक्चरिंग कैपिसिटी डेवलप की जा रही है

भारत यूरिया के निर्माण में आत्मनिर्भर हो जाएगा: सुरेश

- 70 लाख टन तक यूरिया आयात करना पड़ रहा है
- फाई का 59वां सालाना सेमिनार आज से दिल्ली में

भाषा । नयी दिल्ली

जिस क्षेत्र में भारत को दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, उसमें अब सुधार हो रहा है. यानि भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है. इसी में यूरिया है. देश में रासायनिक उर्वरक बनाने वाली कंपनियों का शीर्ष संगठन फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (फाई) का कहना है कि भारत को अब यूरिया खाद के लिए किसी दूसरे देश की तरफ नहीं देखना होगा. भारत शीघ्र ही यूरिया मैन्यूफैक्चरिंग में भी आत्मनिर्भर होने जा रहा है. संगठन का कहना है कि इस समय देश में 80 लाख टन यूरिया की मैन्यूफैक्चरिंग कैपिसिटी डेवलप की जा रही है. इसके दो साल के अंदर तैयार हो जाने की उम्मीद है. फाई के अध्यक्ष सुरेश कृष्णन का कहना है कि अगले दो साल में भारत यूरिया के निर्माण में आत्मनिर्भर हो जाएगा. कृष्णन रासायनिक उर्वरक बनाने वाली कंपनी पारादीप फास्फेट लिमिटेड के मैनेजिंग डाइरेक्टर भी हैं.

उन्होंने बताया कि इस समय देश में हर साल करीब 350 लाख टन यूरिया की खपत है. इसमें से करीब 285 लाख टन यूरिया का उत्पादन देश में हो जा रहा है. देश की आवश्यकता पूरी करने के लिए इस समय करीब पांच से सात मिलयन टन मतलब कि 70 लाख टन तक यूरिया का आयात करना पड़ रहा है. इससे देश के किसानों की साल भर की आवश्यकता तो पूरी हो ही जाती है, कुछ इंवेंट्री भी बची रह जाती है जो कि अगले साल काम आता है.

यूरिया बनाने वाली 6 नई यूनिटें बनाई गई हैं

केंद्र सरकार ने पिछले कुछ साल में ही स्वदेशी यूरिया उत्पादन क्षमता में 76.2 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि करने में सफलता पाई है. इसके तहत यूरिया बनाने वाली कुल 6 नई यूनिटें बनाई गई हैं. इनमें मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (मैटिक्स) की पानागढ़ यूरिया यूनिट, चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की गडेपान-II यूरिया यूनिट, रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की रामागुंडम यूरिया यूनिट और हिंदुस्तान उर्वरक एंड रसायन लिमिटेड (हर्ल) की तीन यूरिया यूनिटें गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), सिंदरी (झारखंड) और बरौनी (बिहार) शामिल हैं. इनमें से प्रत्येक यूनिट की उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन प्रति वर्ष है. पिछले दिनों रसायन और उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया ने दावा किया था कि आवश्यकता की तुलना में यूरिया का लगभग 75 फीसदी, डीएपी का 40 और एनपीकेएस का 85 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा निजी कंपनियों द्वारा देश में ही उत्पादन किया जा रहा है. इसका फायदा आनेवाले दिनों में देश को होगा.

विमानन एअर इंडिया ने डाटा केंद्र किया बंद

नयी दिल्ली। एअर इंडिया ने अपने दो डाटा केंद्र बंद कर दिए हैं और अपने 'कम्प्यूटेशनल' कार्यभार को क्लाउड पर स्थानांतरित किया है. यह एक ऐसा कदम जिससे घाटे में चल रही एयरलाइन को सालाना लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर बचाने में मदद मिलेगी. टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उसने मुंबई और नई दिल्ली में स्थित अपने डाटा केंद्रों को बंद करके सफलतापूर्वक उसे 'क्लाउड-ओनली' आईटी बुनियादी ढांचे पर स्थानांतरित कर दिया है. कंपनी ने कहा, डाटा केंद्रों के बंद होने से हर साल करीब 10 लाख डॉलर की शुद्ध बचत होगी. 'क्लाउड' पर स्थानांतरित होने की प्रक्रिया को अमेरिका में सिलिकॉन वैली और भारत में गुरुग्राम तथा कोच्चि में एअर इंडिया के कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित किया गया. एअर इंडिया के मुख्य डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी सत्य रामास्वामी ने कहा, हमने एअर इंडिया की बदलाव यात्रा में 'सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस', 'प्लेटफॉर्म-एज-ए-सर्विस' और 'इंफ्रास्ट्रक्चर-एज-सर्विस' पद्धतियों का एक रणनीतिक मिश्रण अपनाया है. इससे हमें तेजी से नवाचार की ओर बढ़ने का मौका मिलेगा.

दिया समर्थन

मुंबई में वी केयर फाउंडेशन के समर्थन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में रैंप वॉक करतीं बॉलीवुड अभिनेत्री नुसरत भरुचा .

साझेदारी | 30 नवंबर को भारत-अमेरिका सीईओ मंच की ऑनलाइन बैठक बुलाई थी

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को मिलेगी बढ़ावा

एजेंसी। वाशिंगटन

भारत और अमेरिका के शीर्ष मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) ने अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो और केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की सह-अध्यक्षता में आयोजित बैठक में द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर उनके द्वारा की गई सिफारिशों पर प्रगति की जानकारी दी. एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई.

सोमवार को जारी बयान के अनुसार, रायमोंडो और गोयल ने 30 नवंबर को भारत-अमेरिका सीईओ (मुख्य कार्यपालक अधिकारी) मंच की ऑनलाइन बैठक बुलाई थी. इससे पहले नई दिल्ली में मार्च 2023 में इसकी बैठक हुई थी. बयान के अनुसार, बैठक में अमेरिकी और भारतीय सीईओ ने दोनों सरकारों को अमेरिका-भारत वाणिज्यिक संबंधों को आगे बढ़ाने के बारे में उनकी सिफारिशों पर हुई प्रगति के बारे में जानकारी दी. उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन, कार्यबल बढ़ाने, विनियामक व मानकों के सामंजस्य और आर्थिक सहयोग सहित सभी क्षेत्रों से संबंधित विषयों पर चर्चा की. रायमोंडो और गोयल ने उन सरकारी पहलों को रेखांकित किया जो सीईओ की सिफारिशों से प्रेरित होकर तैयार की गईं, साथ ही मंच के सदस्यों को 2024 की शुरुआत में अगली बैठक से पहले ठोस नीति निर्माण के लिए प्रोत्साहित करती हैं. बैठक की शुरुआत में रायमोंडो ने मंच के अमेरिकी अनुभाग में सात नए सीईओ की नियुक्ति की घोषणा की जो जुलाई 2022 में घोषित मौजूदा सीईओ सदस्यों के साथ काम करेंगे. नए सदस्यों में हेनरी फोर्ड हेल्थ के अध्यक्ष एवं सीईओ रॉबर्ट रिनी, हनीवेल इंटरनेशनल के सीईओ विमल कपूर, इंटरनेशनल बिजनेस मशीन्स (आईबीएम) कॉरपोरेशन के चेयरमैन एवं सीईओ अरविंद कृष्णा, किंड्रिल होल्डिंग्स के चेयरमैन एवं सीईओ मार्टिन श्रोएटर, फाइजर के चेयरमैन एवं सीईओ अल्बर्ट बौर्ला, क्वालकॉम इनकॉर्पोरेटेड के अध्यक्ष एवं सीईओ क्रिस्टियानो अमोन और वियासैट के अध्यक्ष कुमार गुरु गौरप्पन शामिल हैं.

खास बातें

- अमेरिका ने 7 नए सीईओ की नियुक्ति की घोषणा की
- जुलाई 2022 में सीईओ सदस्यों के साथ काम करेंगे

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में 20% की उछाल

एजेंसी । नयी दिल्ली

अडाणी समूह के शेयरों में मंगलवार दोपहर को 20 प्रतिशत तक का उछाल आया. एक रिपोर्ट सामने आने के बाद कंपनी के शेयर में उछाल आया है, जिसमें दावा किया गया कि हिंडरबर्ग रिसर्च के समूह के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप प्रासंगिक नहीं थे. रिपोर्टों के अनुसार, यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प या डीएफसी ने श्रीलंका में भारतीय समूह की बंदरगाह परियोजना के लिए ऋण देने से पहले अडाणी समूह के खिलाफ आरोपों की जांच की. बीएसई पर अडाणी एनर्जी के शेयर में 20 प्रतिशत, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 16.38 प्रतिशत, अडाणी टोटल गैस में 15.81 प्रतिशत, अडाणी एंटरप्राइजेज के 10.90 प्रतिशत का उछाल आया. अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) के शेयर 9.47 प्रतिशत, एनडीटीवी के 8.49 प्रतिशत, अडाणी विल्मर के 7.71 प्रतिशत, अडाणी पावर के 6.68 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स के 6.17 प्रतिशत और एसीसी के 5.65 प्रतिशत चढ़े. इस बीच, बीएसई का 30 शेयर वाला सेंसेक्स 245.75 अंक पहुंच गया.

ब्रीफ खबरें

ज्यादातर इकाइयां मजदूरों की हकमारी कर रही हैं

आदित्यपुर । आदित्यपुर सहित कोल्हान की सभी औद्योगिक इकाइयों एवं उनके वेंडर द्वारा मजदूरों को दी जाने वाली मजदूरी/ वेतन एवं कर्मचारियों/ मजदूरों को दी जाने वाली बोनस की जांच श्रम विभाग द्वारा कराए जाने की मांग राष्ट्रीय जनता दल ने की है. उक्त बातें प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए राजद के प्रदेश महासचिव सह प्रभारी पूर्वी सिंहभूम एवं आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेंद्र नारायण सिंह ने कही है.

बच्चों की किताब के नाम हो रही लूट

रांची । अगले साल फरवरी में सीबीएसई 10वीं और 12वीं की परीक्षा होने वाली है. राज्य में सीबीएसई से संबद्धता प्राप्त 620 स्कूल हैं, लेकिन इन बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है. बाजार में हेल्पबुक के नाम पर डुप्लीकेट किताबों की बिक्री हो रही है. इन पाइरेटेड किताबों पर कई चैप्टर ही गायब हैं. ऐसे में बच्चे भी कंफ्यूज हो जा रहे हैं. डुप्लीकेट बुक में एनसीईआरटी का लोगो भी नहीं है. हर साल बच्चों की किताबों पर लगभग 100 करोड़ रुपये का वारा-न्यारा होता है.

रिजल्ट के एक माह बाद भी नहीं मिली मार्कशीट

जमशेदपुर । कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से एलएलबी अंतिम वर्ष की परीक्षा का मार्कशीट अभी तक नहीं भेजने की शिकायत भारत सरकार के शिक्षा विभाग की गयी है. जमशेदपुर कॉ-ऑपरेटिव लॉ कॉलेज के सत्र 2019-22 के अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को मार्कशीट एब तक नहीं भेजी गयी है. इस वजह से विद्यार्थी बार काउंसिल आफ इंडिया का परीक्षा फॉर्म भरने से वंचित हो चुकी हैं. झारखंड बार काउंसिल में निबंधन नहीं करा पा रहे हैं.

मानगो में एसएसपी ने किया पैदल मार्च

जमशेदपुर । पुलिस अपराध नियंत्रण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है.इसी प्रयास के तहत जमशेदपुर पुलिस ने थाना क्षेत्रों में पैदल मार्च की शुरुआत की थी.मंगलवार को एसएसपी किशोर कौशल ने मानगो की सड़क पर पैदल मार्च किया.एसएसी किशोर कौशल के साथ सिटी एसपी मुकेश लुणायत,मानगो थाना प्रभारी विनय कुमार और मानगो यातायात थाना प्रभारी मोहन कुमार मौजूद रहे.एसएसपी ने मानगो की गलियों में भी पैदल मार्च किया गया.

पुरानी पेंशन बहाली के लिए किया गया मतदान

जमशेदपुर । दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस की ओर से मंगलवार को चक्रधरपुर रेल मंडल के अंतर्गत बंडामुंडा इलेक्ट्रिक लोको शेड में रेलवे में ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने के लिए गुप्त मतदान का आयोजन किया. नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमैन के महासचिव डॉ एम रघुवैयया के निर्देश पर पूरे दक्षिण पर रेलवे के सभी मंडलों में गुप्त मतदान के तहत कर्मचारियों से उनकी राय ली जा रही है कि अगर जरूरत पड़े तो पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने के लिए हम लोग हड़ताल पर भी जाएंगे.

बागबेड़ा महानगर विकास समिति का आंदोलन स्थगित

जमशेदपुर । पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार से आश्वासन मिलने के बाद बागबेड़ा महानगर विकास समिति ने अपना आंदोलन स्थगित कर दिया है. मंगलवार को समिति के सदस्यों ने बिष्टुपुर स्थित फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया. यहां मोटर लगाने के कार्य को सभी ने देखा और संतुष्टि जताई. इस दौरान मैकेनिकल एसडीओ जितेंद्र कुमार भी मौजूद थे. ठेकेदार द्वारा मंगलवार को मजदूर नहीं दिए जाने के कारण मोटर बदलने का कार्य नहीं हो सका.

ग्रामीणों का अधिकार छीना जा रहा है : रमेश

आदित्यपुर । हथियाडीह में ग्रामीणों का आदिवासियों और मुलवासियों का मूलभूत अधिकार को छीना जा रहा है. सरकार , व मंत्री चंपई सोरेन आम लोगों के तरफ न होकर कंपनी के प्रभाव में आकर जल, जंगल व जमीन को पूंजीपतियों के हाथों गिरवी रख दिये हैं. उक्त बातें भाजपा नेता रमेश हांसदा ने मंगलवार को कही. उन्होंने बताया कि हथियाडीह के ग्रामीण लगातार अपने गांव की जमीन में बने रास्ते और फुटबॉल मैदान को बचाने के लिए आंदोलन एवं संघर्षरत है.

बर्मामाइंस में धड़ल्ले से चल रहे अवैध स्क्रैप टाल और तेल कटिंग के धंधे

सरयू राय ने की अवैध धंधे पर अंकुश लगाने की मांग

संवाददाता । जमशेदपुर

विधायक सरयू राय ने बर्मामाइंस में धड़ल्ले से चल रहे अवैध स्क्रैप टाल और तेल कटिंग के धंधे पर अंकुश लगाने की मांग की है. उन्होंने इसकी शिकायत बर्मामाइंस पुलिस से करते हुए 24 घंटा के भीतर इसे बंद कराने को कहा है. सरयू राय ने एक बयान जारी कर कहा है कि बर्मामाइंस थाना क्षेत्र में विगत 25 वर्षों से दबंगई दिखाने वाले चेहरे गत तीन वर्ष तक बिल में घुसे हुए थे परन्तु अब वे बिल से बाहर आकर धमाचौकड़ी करने लगे हैं व स्क्रैप टाल और तेल कटिंग के अवैध धंधा को संरक्षण एवं

प्रोत्साहन देने में लगे हैं. वहां के निवासियों में इससे काफी दहशत और आक्रोश व्याप्त है. विडंबना है कि ये अवैध धंधे खुलेआम चल रहे हैं, पर इसकी भनक स्थानीय पुलिस को नहीं है? इससे पुलिस की क्षमता पर सवाल खड़ा होता है.

खुलेआम संचालित हो रहा पेट्रोल व डीजल कटिं का अवैध कारोबार

यह अवैध धंधा 24 घंटे के भीतर बंद नहीं हुआ तो शहर आने पर मुख्यमंत्री के समक्ष यह मुद्दा उठाया जायेगा. पेट्रोल और डीजल कटिंग का अवैध धंधा सिदो-कान्हु बस्ती स्थित भूत बंगला के अंदर व्यवस्थित तरीके से चल रहा है. इसमें राजनीतिक दल से जुड़े चर्चित चेहरे लगे हुए हैं और इनका संरक्षण प्रभावशाली राजनीतिक दल के कतिपय स्थानीय दबंग नेता दे रहे है. इसी तरह डीयू कंपनी गोलचक्कर के बगल में, ट्यूब कंपनी हरिजन बस्ती के आगे, डीवीसी सब स्टेशन के सामने व सुनसुनिया गेट के पास खुलेआम स्क्रैप टाल का अवैध धंधा चल रहा है. इसके साथ ही सुनसुनिया गेट पार्किंग क्षेत्र में एक गुमटी लगाकर गांजा और ब्राउन शुगर की अवैध बिक्री की जा रही है.

सरयू राय ने कहा कि अधिकृत वेंडरों को तंग न करे पुलिस

विधायक ने कहा है कि पुलिस बेवजह गरीबों को परेशान करती है. सिदगोड़ा, साकची में ठेला लगाकर रोजी-रोटी कमाने वाले वेंडरों को भी पुलिस की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है. यदि कोई गाड़ी इनके ठेला के सामने खड़ी हो जा रही है तो गाड़ी वालों पर कार्रवाई करने की जगह ठेलावालों पर कानूनी कार्रवाई की धमकी पुलिस द्वारा दी जाती है. इधर, मंगलवार को उक्त तीनों थाना क्षेत्रों के पीड़ित लोग विधायक के बारीडीह स्थित कार्यालय पहुंचे और अपनी बातों को सरयू राय के समक्ष रखा. इस पर सरयू राय ने कहा है कि अगर अन्य थाना क्षेत्रों में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं तो पुलिस, प्रशासन और जेएनएसी इस समस्या का शीघ्र समाधान करे और जो अधिकृत वेंडर हैं उन्हें परेशान न करे.

संत जेवियर बालिका विद्यालय में वार्षिक खेलकूद सह जेवियर दिवस समारोह

छात्र जीवन में अनुशासन महत्वपूर्ण है : डीआईजी

संवाददाता । चाईबासा

संत जेवियर बालिका विद्यालय चाईबासा में वार्षिक खेलकूद सह जेवियर दिवस समारोह -2023 मंगलवार को हर्षोल्लास से मनाया गया. जिसमें वार्षिक खेलकूद समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कोल्हान प्रमंडल के डीआईजी अजय लिंडा एवं विशिष्ट अतिथि जिला खेल पदाधिकारी रूपा रानी तिर्की द्वारा किया गया. समारोह में मुख्य अतिथि अजय लिंडा ने छात्राओं एवं शिक्षक -शिक्षिकाओं एवं अन्य अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन शब्द शासन के साथ ''अनु ''उपसर्ग जोड़ने से बना है. जिसका अर्थ है शासन के पीछे अर्थात शासन के पीछे चलना श्रेष्ठ जनों के आदेशों पर चलना या स्वशासन के अंतर्गत रहना ही अनुशासन कहलाता है. इस प्रकार अनुशासन कई एवं वैचारिक नियमों का पालन है. प्रकृति के कण-कण अनुशासन की दास्तान कह रहे हैं. चांद और सूरज अनुशासन में बंद कर ही रात- दिन की आंखमिचौली खेल रहे हैं. ऋतु चक्र अनुशासन की खेल पर घूम कर ही सुख ,स्वस्थ एवं समृद्धि की सृष्टि करता है. यदि हम अपने समाज और राष्ट्र के उन्नति चाहते हैं, तो इसके लिए आवश्यक है कि हम परिवार ,गुरुजन, समाज और राष्ट्र के प्रति स्वयं अनुशासित हो, हम स्वयं अनुशासित होंगे. तभी दूसरे को अनुशासित रख सकेंगे. विशिष्ट अतिथि रूपा रानी तिर्की ने कहा कि मैं भी बचपन से ही खेल के प्रति बहुत ही आकर्षित हुआ करती थी एवं वार्षिक खेल उत्सव का इंतजार करती थी. खेलकूद जीवन में प्रतियोगिता का साक्षात्कार कराती है. खेलकूद से अपने प्रतियोगियों का पछाड़ने का भाव मन में जागता रहता है. हम जी जान से खेल में रुचि लेते हैं तो इसका परिणाम होता है कि विजय का सेहरा हमारे सर बँधता है. विजय दल को विजय चिह्न से विभूषित किया जाता है, सर्वोत्तम खिलाड़ी को भी पदक प्रदान किए जाते हैं.उन्होंने खेल एवं इस प्रकार के प्रतियोगिता में छात्राओं से कहा कि आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और आगे बढ़ें.

चरणबद्ध आंदोलन करेगा आदिवासी सेंगेल अभियान

रांची । आदिवासी सेंगेल अभियान सरना कोड के लिए चरणबद्ध आंदोलन छेड़ेगा. अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू मंगलवार को मोरहाबादी में आयोजित प्रेस वार्ता में आंदोलन के चरणबद्ध कार्यक्रमों की घोषणा की. उन्होंने कहा कि सरना धर्म कोड भारत के प्रकृति पूजक लगभग 15 करोड़ आदिवासियों के अस्तित्व, पहचान, हिस्सेदारी की जीवन रेखा है. आदिवासियों को उनकी धार्मिक आजादी से वंचित करने के लिए कांग्रेस-बीजेपी दोषी है. 1951 की जनगणना तक यह प्रावधान था, जिसे बाद में कांग्रेस ने हटा दिया और अब भाजपा जबरन आदिवासियों को हिंदू बनाना चाहती है. 2011 की जनगणना में 50 लाख आदिवासियों ने सरना धर्म लिखाया था जबकि जैन की संख्या 44 लाख थी. अतः आदिवासियों को मौलिक अधिकार से वंचित करना संवैधानिक अपराध जैसा है. सरना धर्म कोड की मान्यता मानवता और प्रकृति- पर्यावरण की रक्षार्थ भी अनिवार्य है. बताया कि सरना कोड हेतु प्रधानमंत्री का 15 नवंबर का उलिहातू दौरा और राष्ट्रपति का 20 नवंबर का दौरा भी बेकार साबित हुआ. उपरोक्त तथ्यों के आलोक में आदिवासी सेंगेल अभियान अन्य संगठनों के सहयोग से 30 दिसंबर 2023 को सांकेतिक भारत बंद और रेल- रोड चक्का जाम को बाध्य है.

आओ जानें

झारखंड से बहने वाली नदी और उनकी लंबाई

नदी	लंबाई (किमी)	नदी	लंबाई (किमी)
सुवर्णरेखा	395	कोइना	83
दक्षिण कोयल	220	सकरी	120
दामोदर	592	कनहर	275
उत्तर कोयल	360	लीलाजन	80
गंगा	2,510	बुरहा	100
बराकर	225	जमुनिया	48
शंख	240	देव	48
मयूराक्षी	250	कोनार	145
खरकई	220	चंदन	80
दक्षिण कारो	160	बक्रेश्वर	80
फल्गु	200	हिंग्लो	80
अमानत	100	ब्राह्मणी	800
औरंगा	80	टेलन	80
बांसलोई	120	द्वारका	156
उत्तरी कारो	170	मोहाना	48
पुनपुन	200	किऊल	111
अजय	288	बैतरणी	360
सोन	784	कंसाबती	465
बोकारो	80	महानदी	900

छह मूल मंत्रों से विद्यार्थी पा सकते हैं सफलता : ई. बाला गुरुस्वामी

संवाददाता । सिंदरी

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन के शैक्षणिक सलाहकार प्रो (डॉ) ई. बाला गुरुस्वामी, यूनिवर्सिटी इंस्पेक्टर सह ओएसडी डॉ संजीव राय और जेयूटी कुलपति डॉ धर्मेंद्र कुमार सिंह मंगलवार को बीआईटी सिंदरी पहुंचे. उन्होंने संस्थान के असैनिक अभियंत्रण शाखा के सी 51 सभागार में संस्थान के छात्र छात्राओं को 'की टू सक्सेस' सेमिनार में औद्योगिक शिक्षा प्राप्त कर अपनी अलग जगह स्थापित करने और देश की उन्नति में अपनी अहम भूमिका के लिए प्रोत्साहित किया. इस अवसर पर संस्थान निदेशक डॉ पंकज राय ने तीनों अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर और झारखंड के पुरोधा बिरसा मुंडा की मोमेंटो देकर सम्मानित किया. इसके पूर्व सोमवार को शैक्षणिक सलाहकार और ओएसडी ने आईआईटी धनबाद का भी दौरा किया और जानकारी ली. **उद्देश्य, सकारात्मकता, दृढ़ता, प्रदर्शन, निपुणता, पूर्णता का मंत्र दिया :** झारखंड सरकार के शैक्षणिक सलाहकार प्रो (डॉ) ई बाला गुरुस्वामी ने छात्र-छात्राओं को सफलता के 6 मुख्य सूत्र बताए. इनमें उद्देश्य, सकारात्मकता, दृढ़ता, प्रदर्शन, निपुणता के साथ पूर्णता और समय की पाबंदी को मुख्यतया अपने जीवन में उतारने की सलाह दी. अपनी सफलता का अनुभव भी सभी के साथ साझा किया. झारखंड सरकार के ओएसडी डॉ संजीव राय ने कहा कि हमें सामाजिक पूंजी पर निवेश करना चाहिए. आकस्मिक रवैया हताहतों की ओर ले जाता है.

पांच सौ से दो हजार के बीच के पैकेज पर संवेदक ले रहे अनापति प्रमाण पत्र

चंदवा । नल जल योजना के संवेदक पांच सौ से लेकर दो हजार के बीच के पैकेज पर मुखिया से अनापत्ति प्रमाण पत्र ले रहे हैं. चंदवा प्रखंड क्षेत्र में लगभग छह ठेकेदार नल जल योजना से हर घर नल के माध्यम से पानी पहुंचाने का काम कर रहे हैं. गेरूआ गढ़ा के जीवन मसीह एक्का कहते हैं मैं अपने घर के पास जल मीनार लगवाने के लिये विभाग को आवेदन दिया था. पर विभाग मेरे आवेदन पर संज्ञान न लेते हुये अधिकारी और संवेदक की गंठजोड़ से योजना का कार्य मनमाने ढंग से कर रहे हैं. वैसी जगह में भी सेटिंग-गेटिंग कर जल मीनार लगा रहे हैं, जहां संबंधित व्यक्ति का घर नहीं है. सिर्फ जमीन खरीद कर छोड़ा हुआ है. द्वारा कार्य पूर्ण किये बिना ही संबंधित पंचायत के मुखीया से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने का प्रयास कर रहे हैं.मुखिया जी प्रमाण नहीं दे रहे हैं ऐसे में संवेदक उप मुखिया या वार्ड पार्षद से एन ओ सी ले रहे हैं ऐसी ही सूचना सूत्रों के माध्य से प्रकाश में आई है. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार संवेदक वैसे नेताओं को भी पचीस पचास हजार रूपये दे कर मैनेज कर रखे हैं.जो शोशल मीडिया और अखबार मेंअपना प्रेस वक्तव्य जारी करते रहते हैं.

सकारात्मक सोच आपको मंजिल तक पहुंचाएगी : मुकेश सिंह चौहान

संवाददाता । चंद्रपुरा

खुशी क्लास में छात्रों को संदेश देते मुकेश चौहान.

राज्यकृत प्लस टू उवि दुग्धा तथा नेहरू प्लस टू उवि तेलो में मंगलवार को खुशी क्लास और तेलो पंचायत सचिवालय के पास खुशी चौपाल का आयोजन किया गया. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी मिशन के तत्वावधान में आयोजित खुशी क्लास को संबोधित करते हुए संस्थापक सह संचालक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि असफलता हमेशा सफलता की पहली सीढ़ी होती है. इसलिए असफलता से घबराना नहीं है, बल्कि इसपर पैर रखकर सफलता की मंजिल तक पहुंच जाना है. सकारात्मकता कैसे जिंदगी बदलती है इससे सम्बंधित चौहान ने कहानी भी सुनाई- एक वैज्ञानिक का पुत्र अपने पिता की सफलता और धन पर सिर्फ ऐश करता. एक दिन वैज्ञानिक ने पुत्र के सामने बर्तन के खौलते पानी में एक मेढक को डाला. मेढक उछलकर बर्तन से बाहर आ गया. फिर वैज्ञानिक ने एक बर्तन में रखे नार्मल पानी में मेढक को डाला. मेढक बाहर न कूदकर पानी में आराम से रहा. अब वैज्ञानिक ने बर्तन के नीचे आग सुलगा दी. पानी हल्का गर्म हुआ, फिर भी मेढक पानी में ही रहा. जब पानी खौलने लगा, तब मेढक ने निकलने का प्रयास शुरू किया, लेकिन मेढक निकल नहीं पाया और दम तोड़ दिया. वैज्ञानिक ने पुत्र से कहा- अगर तुम क्रियाशील रहकर परिस्थिति का सामना करते हो तो तुम्हारे अंदर शक्ति का संचार होता रहता है, लेकिन तुम सेफ जोन में आराम से पड़े रहते हो तो तुम्हारी शक्ति कमजोर पड़ने लगती है. ऐसे हालात में अचानक मुसीबत आ जाए तो तुम उबर नहीं पाओगे, टूट जाओगे. कार्यक्रम के अंत में चौहान ने स्कूल प्रबंधन से आग्रह किया कि कभी भी कोई तनाव से सम्बंधित मामला आए, खुशी क्लास से जरूर संपर्क करें. निःशुल्क हर संभव मदद पहुंचाई जाएगी. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची के खुशी दूत संदीप शाह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए भारत सरकार की गरीबों के इलाज-स्वास्थ्य के लिए चलाई जा रही महत्वकांक्षी योजना आयुष्मान के बारे में भी बताया.

स्थायी ट्रेन चलाने के लिए रेलवे बोर्ड को भेजा प्रस्ताव: डीआरएम

धनबाद । धनबाद से अलपुजा तक जानेवाली एलेप्पी एक्सप्रेस ट्रेन में सालोंभर टिकटों की लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए धनबाद रेल मंडल ने धनबाद व बेंगलुरु के बीच स्थायी ट्रेन चलाने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा है. बोर्ड से हरी झंडी मिलते ही रैक उपलब्ध कराकर ट्रेन का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा. यहां से रोजाना अप-डाउन ट्रेन चेन्नई होते हुए बेंगलुरु तक चलेगी. यह जानकारी धनबाद के डीआरएम केके सिन्हा ने मंगलवार को अपने कार्यालय सभागार में प्रेसवार्ता में दी. बताया कि धनबाद से मुंबई व दिल्ली के लिए स्पेशल ट्रेन चलाने का प्रस्ताव बोर्ड को पहले ही भेजा जा चुका है. लेकिन अब तक हरी झंडी नहीं मिली है. धनबाद से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, वेल्लोर जाने के लिए यात्री रोजाना अलग-अलग ट्रेनों का सहारा लेते हैं. बेंगलुरु के लिए सीधी ट्रेन चलने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी. डीआरएम ने कहा कि धनबाद रेल मंडल के ग्रैंडकॉर्ड और सीआईसी सेक्शन से होकर गुजरनेवाली करीब 270 ट्रेनों के इंजन में फॉग सेफ्टी डिवाइस लगा दिया गया है. डिवाइस के ऑन होते ही जीपीएस के माध्यम से ट्रेन चालक को पता चल जाता है कि अगला स्टेशन कितनी दूरी पर है.

मिली मदद सरकार की गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का मिला लाभ

अब मैं एमटेक की पढ़ाई पूरी करूंगा: सोम्येन्द्र कुमार

संवाददाता । छतरपुर

छतरपुर के नागेन्द्र प्रसाद सिन्हा के पुत्र सोम्येन्द्र कुमार सिन्हा सरकार की ''गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना'' का लाभ लेकर एमटेक की पढ़ाई करना चाहते हैं. आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर में सोम्येन्द्र ने इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन किया और उनके आवेदन की स्वीकृति मिल गई है. अब उन्हें इस योजना का लाभ मिलेगा. सोम्येन्द्र 10 वीं एवं 12वीं की शिक्षा छतरपुर से प्राप्त की है. इसके बाद में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं. इस दौरान उन्हें आर्थिक कमजोरी का भी सामना करना पड़ रहा है. पिता साधारण व्यवसायी हैं और मां गृहिणी.

आर्थिक कमियों के कारण बाधा : आर्थिक कमियों के कारण पढ़ाई में काफी दिक्कत हो रही है. आर्थिक कमियों के कारण उनके आगे का रास्ता बंद दिखाई पड़ रहा है, जबकि वे एमटेक की पढ़ाई करना चाहते हैं. जब उन्हें गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के संबंध में जानकारी मिली तो वे शिविर में आ पहुंचे. उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ मिलने से एमटेक की पढ़ाई के लिए वे अच्छे कॉलेज में दाखिला ले पाएंगे. इस योजना के आने से उन्हें आर्थिक समस्याओं से जूझना नहीं पड़ेगा और उनका एमटेक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना साकार हो सकेगा. इस योजना को धरातल पर उतारने को लेकर सोम्येन्द्र ने सरकार एवं स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद किया है.

क्या है गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना?

विदित हो कि गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का उद्देश्य झारखंड राज्य के 10वीं तथा 12वीं कक्षा उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं जो आर्थिक कारणों से उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रह जाते हैं, उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करना है. इस योजना के अंतर्गत इच्छुक तथा अर्हता प्राप्त छात्र-छात्राओं को बैंकों से जोड़कर उच्च शिक्षा हेतु रियायती दर पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है. इस योजना के तहत 4 लाख रुपए तक ऋण पर कोई मार्जिन मनी नहीं लगता. योजना के तहत 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है. पलामू जिले में आयोजित कार्यक्रम के तहत शिविरों में गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेने हेतु बड़ी संख्या में विद्यार्थी पहुंच रहे हैं.

पेज एक का शेष ...

फूलो-झानो योजना की राशि 40 हजार बढ़ी

हमारी नीति और नीयत एक है : मुख्यमंत्री ने कहा आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम के जरिये आदिवासी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, महिला, युवा, किसान- मजदूर और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाएं और सेवाएं पहुंच रही हैं. कहा कि हमारी नीति और नीयत एक है. हम जो जनता से वादा करते हैं उससे कहीं ज्यादा बढ़कर उसे निभाते हैं. कहा कि इस कार्यक्रम के तहत लग रहे शिविरों से दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले गरीबों की समस्याओं और उनकी तकलीफों की वास्तविकता सामने आ रही है.

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर फोकस : सीएम ने कहा कि झारखंड तभी सशक्त होगा जब हमारा गांव मजबूत होगा. इसी बात को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के ख्याल से योजनाएं बना रही हैं. हमारी सरकार ने आने वाली पीढ़ी को मजबूत करने का संकल्प ले रखा है. बच्चों और नौजवानों का भविष्य संवारने के लिए सरकार समुचित कदम उठा रही है. बच्चियां पढ़ाई से जुड़ी रहे इसके लिए सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना लागू की गई है. वर्तमान में आदिवासी, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक वर्ग के 50 बच्चों को यह स्कॉलरशिप मिल रहा है. लेकिन, इस योजना के तहत विद्यार्थियों की संख्या 500 तक करने की दिशा में सरकार जल्द निर्णय लेगी.

बिजली के लिए डीवीसी पर नहीं रहना होगा निर्भर : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुछ जिलों में बिजली आपूर्ति के लिए डीवीसी पर अभी तक जो निर्भरता है उसे खत्म किया जा रहा है. इसके लिए नए सब स्टेशन, ग्रिड, ट्रांसमिशन और संचरण लाइन बनाने का काम तेजी से चल रहा है. इनके शुरू होने से राज्य सरकार अपने बूते पर विद्युत आपूर्ति कर सकेगी.

4 अरब 33 करोड़ रुपए की 194 योजनाओं की सौगात : मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में कोडरमा वासियों को 4 अरब 33 करोड़ 9 लाख 47 रुपये की 194 योजनाओं की सौगात दी. 1,23,81,36,330 रुपए की 175 योजनाओं का उद्घाटन किया और 3,9,28,11,306 रुपए की 19 योजनाओं की आधारशिला रखी. मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के 19033 लाभुकों को सशक्त और स्वावलंबी बनाने के लिए उनके बीच 10,49,62,130 रुपए की परिसंपत्तियां बांटी.

अकूत संपत्ति के मालिक है इंजीनियर

सरकार ने इन्हें निलंबित भी किया था. अब पथ निर्माण विभाग (सरायकेला) में पदस्थापित कनीय अभियंता (जेई) अशोक कुमार के पास अकूत संपत्ति का पता चला है. 17 नवंबर को पीई दर्ज होने के बाद संपत्ति की जांच शुरू हुई है. जिसमें पता चला है कि आय से कई गुना ज्यादा संपत्ति अशोक कुमार के पास है. जेई ने परिवार के सदस्यों के नाम पर भी संपत्ति अर्जित की है.

जल संसाधन विभाग के ईई मनोज कुमार पास संपत्ति

लघु सिंचाई प्रमंडल, चाईबासा के तत्कालीन एक्जक्यूटिव इंजीनियर मनोज कुमार विद्यार्थी को 20 हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था. सीएम हेमंत सोरेन के आदेश के बाद 6 सितंबर 2023 को पीई दर्ज हुई. तलाशी में घर से नौ लाख रुपए बरामद किया गया था. वहीं पत्नी के नाम से पटना, रांची और उनके पैतृक गांव में करोड़ों की अचल संपत्ति का पता चला है.

पेयजल विभाग के ईई संजय कुमार के पास मिली संपत्ति

- एयरपोर्ट रोड हीनू रांची में संजय कुमार की पत्नी ऊषा देवी के नाम लक्ष्मी अपार्टमेंट में 3 बेड का फ्लैट : 12 लाख 72 हजार
- रांची हरमू हाउसिंग कॉलोनी में ऊषा देवी के नाम एमआईजी : 53 लाख 63 हजार
- बेंगलुरु में फ्लैट : 19 लाख 85 हजार
- रांची में प्लॉट : 02 लाख 70 हजार
- संजय और बेटे के नाम पर 4 कार : 40 लाख
- संजय, पत्नी व बेटे के बैंक बैलेंस (जांच के दौरान) : 16 लाख 92 हजार

बिशप स्कूल में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन, दूसरे स्थान पर वुड हाउस व तीसरे पर व्हिटली हाउस की टीम का कब्जा

- बिशप वेस्टकॉट स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न
- बालिका वर्ग में अदिति ने जीता सर्वश्रेष्ठ एथलीट का खिताब
- अर्पित कच्छप ने प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ एथलीट का खिताब जीता

कैनेडी हाउस की टीम बनीं ओवरऑल चैंपियन

संवाददाता । रांची

रांची के बहु बाजार स्थित बिशप स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन बुधवार को हुआ. इस प्रतियोगिता में कैनेडी हाउस ओवरऑल चैंपियन रही. दूसरे स्थान पर वुड हाउस एवं तीसरे स्थान पर व्हिटली हाउस की टीम रही.

वुड हाउस के अर्पित कच्छप ने सर्वश्रेष्ठ एथलीट का खिताब अपने नाम किया. बालिकाओं के ग्रुप में कैनेडी हाउस की कुमारी अदिति से इस खिताब को जीता. खेलकूद के साथ स्कूल के बच्चों ने कई रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये साथ ही योग एवं कराटे का प्रदर्शन भी किया

कराटे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मनमोहा. खिलाड़ियों ने टाइल्स को तिनके की तरह तोड़कर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर किया . कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छोटानागपुर डाइओसीस के बिशप और बिशप वेस्टकॉट स्कूल समूह रांची के अध्यक्ष बीबी बासके एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जॉइजस कुजुर सचिव बिशप स्कूल रांची एवं एस डेविड आदि उपस्थित थे. मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल का होना बच्चों के लिए जरूरी है इससे उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है.

कराटे खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से दर्शकों का मन मोहा

ब्रीफ खबरें

पायल, निशा और आकांक्षा ने स्वर्ण जीता

नयी दिल्ली । युवा मुक्केबाज पायल, निशा और आकांक्षा ने मंगलवार को यहां दबदबे वाला प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते जिससे भारत ने आर्मेनिया के येरेवान में आईबीए जूनियर विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने अभियान का अंत 17 पदक के साथ किया. भारतीय दल ने प्रतियोगिता में तीन स्वर्ण, नौ रजत और पांच कांस्य पदक जीते. भारतीय महिला टीम प्रतियोगिता में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रही. पायल ने भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया जब उन्होंने लड़कियों के 48 किग्रा फाइनल में स्थानीय दावेदार पेत्रोस्यां हेगाइन को सर्वसम्मत फैसले में शिकस्त दी. निशा और आकांक्षा ने भी इसके बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए स्वर्ण पदक जीते.

दो दिवसीय मलखंभ प्रतियोगिता संपन्न

रांची । वाइड ग्लोब एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड एवं रांची जिला मलखंभ संघ के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय स्व. विश्वामित्र पांडेय मेमोरियल मलखंभ प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को झारखंड मलखंभ एकेडमी हुआ. प्रतियोगिता के समापन में मुख्य अथिति वाइड ग्लोब एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कौशल कुमार पांडेय , समाजसेवी मुकेश सिंह, झारखंड राज्य मलखंभ संघ के सचिव अजय झा, भारतीय जनता युवा मोर्चा कला एवं खेल प्रकोष्ठ रांची महानगर के संयोजक आशुतोष द्विवेदी, शुभम चौधरी आदि ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों को ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया.

महिला क्रिकेट: भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 आज

इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड बेहतर करना चाहेगा भारत

भाषा । मुंबई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम पिछले कुछ अर्से के अच्छे प्रदर्शन से प्रेरणा लेकर इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय रिकॉर्ड बेहतर करने के इरादे से बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला में उतरेगी. हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने टी-20 प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है. एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा भारत ने बांग्लादेश में 2-1 से जीत दर्ज की और दक्षिण अफ्रीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में पहुंची थी. दूसरी ओर दुनिया की दूसरे नंबर की टीम इंग्लैंड श्रीलंका से 1-2 से मिली पराजय को भुलाकर नये सिरे से शुरूआत करने उतरेगी. दुनिया की चौथे नंबर की टीम भारत का इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी-20 श्रृंखलाओं में रिकॉर्ड खराब रहा है. मेजबान टीम इसे दुरूस्त करने के इरादे से उतरेगी. इंग्लैंड के खिलाफ भारत में नौ मैचों में से भारत ने सिर्फ दो जीते हैं.

आखिरी जीत पांच साल पहले मार्च 2018 में मिली थी जब ब्रेबोर्न स्टेडियम पर आठ विकेट से इंग्लैंड को हराया था. इंग्लैंड के खिलाफ अब तक कुल 27 मैचों में से भारत ने सिर्फ सात जीते हैं. भारतीय महिला टीम ने आखिरी बार अपनी सरजमीं पर टी-20 मैच मार्च 2021 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लखनऊ में जीता था. उसके बाद से भारत अपने देश में चार मैच हार चुका है और एक टाई रहा. भारत ने घरेलू 50 टी-20 मैचों में से सिर्फ 19 जीते हैं, 30 हारे और एक टाई रहा. भारत और इंग्लैंड दोनों ने पिछले टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. अगला टूर्नामेंट सितंबर अक्टूबर 2024 में होना है और उसकी तैयारी का यह सुनहरा मौका है. दीप्ति शर्मा ने भारत के लिये 16 मैचों में 19 विकेट लिये हैं, जबकि बल्लेबाजी में हरमनप्रीत ने 13 टी-20 में 323 रन बनाये हैं. जेमिमा रौड्रिग्स ने 16 मैचों में 342 रन बनाये हैं, जबकि स्मृति मंधाना ने 15 मैचों में सर्वाधिक 369 रन का योगदान दिया है. हरमनप्रीत ने बिग बैश लीग में 14 मैचों में 321 रन बनाये. भारतीय टीम में तीन नये चेहरों को मौका मिला है, जिसमें कर्नाटक की स्पिनर श्रेयांका पाटिल, पंजाब की स्पिनर मन्नत कश्यप और बंगाल की स्पिनर साइका इशाक शामिल हैं. इस साल की शुरूआत में आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 कप में टीम का हिस्सा थी, जबकि इशाक ने पहली महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिये 15 विकेट लिये थे. श्रेयांका ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिये नौ विकेट चटकाये और महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में खेलने वाली पहली भारतीय बनी. इंग्लैंड के लिये नेट स्किवेर ब्रंट ने महिला प्रीमियर लीग में 332 रन देने के अलावा दस विकेट लिये थे. उन्होंने आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 271 रन बनाये. डैनी वियाट ने 278 रन बनाये हैं जबकि सोफी एक्सेलेटन ने 16 विकेट लिये है.

मैच के पहले मंगलवार शाम को अभ्यास करती भारतीय खिलाड़ी स्मृति मंधाना व हरमनप्रीत कौर.

खास बातें

- भारत ने 50 घरेलू टी-20 में सिर्फ 19 में जीत दर्ज की है
- मैच भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे से खेला जाएगा

टीमें

भारत : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, यस्तिका भाटिया, रिचा घोष, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, मन्नत कश्यप, साइका इशाक, रेणुका सिंह ठाकुर, टिटास साधू, पूजा वस्त्राकर, कनिका आहूजा, मिन्नू मनी

इंग्लैंड : लौरेन बेल, माइया बूचियेर, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकली, सोफी एक्सेलेटन, माहिका गौर, डेनियेले गिब्सन, सारा ग्लेन, बेस हीथ, एमी जोंस, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, नेट स्किवेर ब्रंट, डेनियेले वियाट.

टी-20 विश्व कप के लिए भारत के खिलाफ श्रृंखला महत्वपूर्ण : हीथर

मुंबई । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट ने भारत के खिलाफ टी-20 श्रृंखला को बेहद महत्वपूर्ण करार दिया क्योंकि बांग्लादेश में अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप में उन्हें इसी तरह की परिस्थितियों में खेलना होगा. भारत और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच बुधवार से तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला खेली जाएगी. नाइट ने मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा कि भारतीय परिस्थितियों में खेलने से मैंने अपने खेल के बारे में काफी कुछ सीखा. एक क्रिकेटर के रूप में आपकी यहां असली परीक्षा होती है. यहां आपके कौशल और दबाव की परिस्थितियों में खेलने की परीक्षा होती है.

उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में प्रगति करने के लिए यह वास्तव में अच्छा स्थान है. यहां आपको अपने युवा खिलाड़ियों को परखने का भी मौका मिलता है. हमें अगले साल बांग्लादेश में टी-20 विश्व कप खेलना है जहां हमें इसी तरह की परिस्थितियों में खेलना होगा. इसलिए भारत का यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण है. टी-20 विश्व कप अगले साल सितंबर और अक्टूबर में बांग्लादेश में खेला जाएगा. इंग्लैंड की टी-20 टीम के कई सदस्य श्रृंखला शुरू होने से दो दिन पहले ही भारत पहुंचे हैं. नाइट ने कहा कि उनकी टीम के लिए भारतीय दर्शकों को चुप कराना सबसे बड़ी चुनौती होगी क्योंकि मेजबान देश के खिलाफ उनके अच्छे रिकॉर्ड के बावजूद भारतीय टीम में विश्व स्तरीय खिलाड़ी है.

आओ जानें

विश्व के 10 सबसे लंबे क्रिकेटर

खिलाड़ी	देश	लंबाई
मोहम्मद इरफ़ान	पाकिस्तान	7′1″
जोएल गार्नर	वेस्टइंडीज	6′′ 8″
ब्रूस रीड	ऑस्ट्रेलिया	6′′ 8″
कर्टली एम्ब्रोस	वेस्टइंडीज	6′′ 7″
टॉम मूडी	ऑस्ट्रेलिया	6′′ 7″
जैकब ओरम	न्यूजीलैंड	6′′6″
अबे कुरुविला	भारत	6′′6″
पीटर फुल्टन	न्यूजीलैंड	6′′6″
मोर्न मोर्कल	दक्षिण अफ्रीका	6′′5″
ईशांत शर्मा	भारत	6′′5″

वेंचर स्किल क्रिकेट टूर्नामेंट

अंडर-14 : हटिया सीसी बनाम रॉकमैन्स सीए

- हटिया सीसी – 184/8, 35 ओवर
- रणजीत – 87, प्रांजल–13
- राजकमल – 24/4, रौनक– 42/3
- रॉकमैन्स सीए – 185/4, 29 ओवर
- साकेत–52, शिवम – 33, सौरभ –33
- रणजीत–49/2
- रॉकमैन्स सीए की टीम 6 विकेट से जीती

अंडर-14 : डांगी सीए बनाम गोस्वामी सीएबी

- डांगी सीए – 291/3, 27 ओवर
- तुषार– 114, आदित्य –93, रूद्र –17
- रोहित 53/1
- गोस्वामी सीएबी–106/8, 27 ओवर
- श्रेयस– 45, रोहित– 8
- तुषार 8/2, रूद्र 8/2, ज्ञानु 15/2
- डांगी सीए की टीम 185 रनों से जीती

अंडर-16 :एसआर डीएवी पुंदाग बनाम कैंब्रियन स्कूल

- कैंब्रियन स्कूल – 73/10, 15 .4 ओवर
- विपुल – 15, विशाल – 13
- रौनक – 7/36, पवन – 2/14
- एसआर डीएवी पुंदाग – 76/2, 7 .4 ओवर
- राजदीप– 21, युवराज– 20
- 8 विकेट से जीती एसआर डीएवी पुंदाग की टीम

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग: अश्विनी और तनीषा को 4 पायदान का फायदा

भाषा । नयी दिल्ली

भारतीय महिला युगल टीम अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो ताजा बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में चार पायदान चढकर 28वें स्थान पर पहुंच गई. 36 वर्ष की अश्विनी और 20 वर्ष की तनीषा ने इस साल जनवरी में ही साथ खेलना शुरू किया था. दोनों रविवार को सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं थी. दोनों ने नेट्स इंटरनेशनल चैलेंज और अबु धाबी मास्टर्स सुपर 100 भी जीता था. सैयद मोदी टूर्नामेंट में पुरूष एकल सेमीफाइनल में पहुंचे प्रियांशु राजावत भी एक पायदान के फायदे से शीर्ष 30 में पहुंच गए. एच एस प्रणय आठवें, पी वी सिंधू 12वें, लक्ष्य सेन 17वें और किदाम्बी श्रीकांत 24वें स्थान पर हैं. सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी दूसरे स्थान पर हैं.

डब्ल्यूएफआई चुनावों की घोषणा आठ के बाद

नयी दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों के लिए अधिसूचना आठ दिसंबर को या इसके बाद जारी की जा सकती है. इस साल की शुरुआत में प्रकाशित निर्वाचन सूची में किसी भी तरह के बदलाव को भी आठ दिसंबर को ही शामिल किया जाएगा. उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चुनावों पर लगाई गई रोक को हाल में हटा दिया था जिससे डब्ल्यूएफआई की नई संचालन इकाई को चुनने की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया. भारत के शीर्ष पहलवानों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद खेल मंत्रालय ने बृज भूषण शरण सिंह की अगुआई वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था और भारतीय वुशु संघ के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा की अगुआई में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ पैनल अभी डब्ल्यूएफआई का दैनिक कामकाज देख रहा है.

तनीषा आर्या ने जीता कांस्य पदक

नमन नवनीत । गिरिडीह

राष्ट्रीय ताईक्वांडो प्रतियोगिता

उत्तराखंड के देहरादून के खेलो इंडिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 37वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गिरिडीह की तनीषा आर्या ने भी भाग लिया था. तनीषा ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता. जिला ताइक्वांडो संघ के महासचिव अमित स्वर्णकार ने बताया कि पूर्व में हुए राजस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर गिरिडीह की दो खिलाडियों ने अपना स्थान झारखंड टीम में बनाया था, लेकिन सिर्फ तनीषा आर्या ही इस राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए देहरादून जा पाईं और ओवर 48 किलोग्राम वजन भार में खेलते हुए कांस्य पदक जितने में कामयाब हुईं और अपने माता-पिता, विद्यालय सहित पूरे जिले का नाम रौशन किया. संघ के महासचिव अमित स्वर्णकार ने बताया कि तनीषा कार्मेल स्कूल की छात्रा है और गिरिडीह के व्यवसाय राहुल कुमार की पुत्री है. उन्होंने बताया कि इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए ही गिरिडीह के नयन भट्टाचार्य का चयन रेफरी के रूप में हुआ था इस प्रकार ये गिरीडीह के लिए दोहरी खुशी की बात है, क्योंकि यहां के ताइक्वांडो खिलाड़ी हर स्तर के प्रतियोगिता में पदक जीतकर गिरिडीह का नाम तो लगातार रौशन कर ही रहे है अब रेफरी के रूप में भी यहां के खिलाड़ी अपनी एक अलग छाप छोड़ रहे है. गिरिडीह के लिए गर्व की बात है.गिरिडीह जिला में ओलंपिक से मान्यता प्राप्त खेलों में ताइक्वांडो के ही खिलाड़ी है, जो लगातार राष्ट्रीय स्तर के प्रतियोगिता में पदक जीतकर पूरे झारखंड सहित गिरिडीह का भी नाम रौशन कर रहे है.

इस मौके पर गिरिडीह जिला ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष सुमिर कुमार शर्मा, संरचक पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, महासचिव अमित स्वर्णकार के अलावा मनोहर वर्मा, आकाश कुमार स्वर्णकार, ज्योति कुमार, रोहित रॉय, शशिकांत विश्वकर्मा, राजकुमार, पंकज कुमार तथा ताइक्वांडो के सभी खिलाडियों ने तनीषा आर्या और नयन भट्टाचार्य और कोच आकाश कुमार स्वर्णकार को बधाई और शुभकामना दी है.

जूनियर हॉकी विश्व कप

अरिजीत की हैट्रिक से भारत ने कोरिया को 4-2 से हराया

- भारतीय टीम ने 4-2 से दक्षिण कोरिया को पराजित किया
- भारतीय टीम का अगला मुकाबला स्पेन के खिलाफ होगा

भाषा । कुआलालंपुर

अरिजीत सिंह हुंदल की हैट्रिक की मदद से भारत ने मंगलवार को यहां दक्षिण कोरिया को 4-2 से हराकर एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की.

अरिजीत ने 11वें, 16वें और 41वें मिनट में गोल किये. भारत की तरफ से एक अन्य गोल अमनदीप ने 30वें मिनट में किया। दक्षिण कोरिया की तरफ से दोह्युन लिम (38वें) और मिंकवोन किम (45वें) ने गोल किये. भुवनेश्वर में 2021 में खेले गए विश्व कप में कांस्य पदक के मैच में फ्रांस से हारने वाले भारत ने कोरिया पर शुरू से ही दबाव बनाए रखा. अरिजीत ने पहले क्वार्टर में ही पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई. भारत ने इसके बाद भी दबदबा बनाए रखा. अरिजीत और अमनदीप ने दूसरे क्वार्टर में मैदानी गोल किए, जिससे भारत मध्यांतर तक 3-0 से आगे था. दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में लिम के गोल से वापसी करने की कोशिश की लेकिन भारत की तरफ से अरिजीत ने तुरंत ही चौथा गोल करके अपनी हैट्रिक भी पूरी की. भारत 4-1 की बढ़त हासिल करने के बाद थोड़ा ढीला पड़ गया जिसका फायदा उठाकर किम ने गोल दाग दिया.

हॉकी मेजबान भारत के साथ आठ देशों की टीमें लेंगी भाग

रांची में होगा ओलंपिक क्वालीफायर, तैयारी जोरों पर

संवाददाता । रांची

राजधानी रांची में आयोजित एफआईएच महिला हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर 2024 की तैयारी जोरों पर है. इस प्रतियोगिता में मेजबान भारत के साथ 8 देशों की टीम हिस्सा लेगी. इनमें भारत, इटली, चीली,जापान,चेक रिपब्लिक, जर्मनी, न्यूजीलैंड और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका की टीम शामिल हैं. 13 से 19 जनवरी 2024 तक ओलंपिक क्वालीफायर के लिए यहां मैच होंगे. इस प्रतियोगिता से कुल तीन देशों की टीम जुलाई 2024 में होने वाली पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी. सभी मुकाबले मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम मोरहाबादी में खेले जाएंगे.

मेजबान रांची

- 13-19 जनवरी तक होंगे क्वालीफायर के मैच
- सभी मुकाबले जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रोटर्फ में खले जाएंगे
- निशुल्क मैच का आनंद उठा सकेंगे खेलप्रेमी

झारखंड सरकार करेगी प्रतियोगिता को स्पॉन्सर

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने बताया की इस प्रतियोगिता की स्पॉन्सर झारखंड सरकार है. झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की सफल मेजबानी के बाद रांची में दूसरा अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट होने जा रहा है. पहले आयोजन में जो कमी रही उसे ठीक किया जाएगा. इस बार भी खेलप्रमियों के लिए प्रवेश नि:शुल्क दिया जाएगा. प्रतियोगिता की तैयारी जारी है. सभी टीम रेडिसन ब्लू, बीएनआर चाणक्या और पार्क प्राइम में ठहरेंगी.

तूफान के कारण 200 टेबल टेनिस खिलाड़ी फंसे

कोलकाता । विजयवाड़ा में अपना पहला अंडर-11 राष्ट्रीय रैंकिंग खिताब हासिल करना बंगाल की युवा टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीओश्री चक्रवर्ती के लिए खुशी के साथ दर्द भी लेकर आया क्योंकि वह इस खेल से जुड़े उन 300 लोगों में शामिल हैं जो तूफान मिगजॉम के कारण आंध्र प्रदेश के इस शहर में फंसे हुए हैं. तूफान मिगजॉम ने आंध्र प्रदेश के तटीय जिले बापतला में दस्तक दी जिसके कारण वहां से 80 किलोमीटर दूर विजयवाड़ा में भारी बारिश हो रही है. विजयवाड़ा में सोमवार को राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट समाप्त हुआ था. भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) के एक अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई से कहा कि अंडर-11 और अंडर-19 के लगभग 200 खिलाड़ी और उनके परिजन विजयवाड़ा में फंसे हुए हैं.

इबेन्यो, येहुआलाव होंगे आकर्षण का केंद्र

कोलकाता में होगा टाटा स्टील 25के दौड़ का आयोजन

भाषा । कोलकाता

विश्व चैंपियनशिप के 10 हजार मीटर के रजत पदक विजेता कीनिया के डेनियल सिमियु इबेन्यो और इथोपिया की 10 किमी दौड़ की विश्व रिकॉर्ड धारक यालेमजर्फ येहुआलाव 17 दिसंबर को यहां होने वाली टाटा स्टील कोलकाता 25के (25 किमी) दौड़ के क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में आकर्षण का केंद्र होंगे. इबेन्यो ने अगस्त में बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में 10 हजार मीटर दौड़ का रजत पदक जीता था और इसके बाद रीगा में पहली विश्व रोड रनिंग चैंपियनशिप में हाफ मैराथन में दूसरे स्थान पर रहे.

वह अक्टूबर में दिल्ली हाफ मैराथन में भी चैंपियन बने. इबेन्यो को अपने दो हमवतन धावकों रोंसर

किपकोरिर कोंगा और बर्नार्ड बिवोट से कड़ी टक्कर मिलेगी जिनका हाफ मैराथन (21.0975 किमी) में निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 60 मिनट से कम

10 किमी दौड़ की विश्व रिकॉर्ड धारक हैं येहुआलाव

17 दिसंबर को होगा कोलकाता 25के दौड़ का आयोजन

का है. येहुआलाव यहां पहली बार चुनौती पेश करेंगी. उन्होंने 2022 में 29 मिनट 14 सेकेंड के समय के साथ 10 किमी में विश्व रिकॉर्ड बनाया था. वह 2021 में एक घंटा तीन मिनट और 51 सेकेंड के समय के साथ हाफ मैराथन में सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की सूची में दूसरे स्थान पर हैं. येहुआलाव की मुख्य प्रतिद्वंद्वियों में उनकी हमवतन एंचिनालु डेसी और कीनियर की बेटी चेपकेमोई किबेट शामिल हैं.

जनजीवन अस्त-व्यस्त

उत्तरी तटीय तमिलनाडु में चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' के कारण चेन्नई और आसपास के जिलों में सोमवार को बाढ़ ने भारी तबाही मचाई, जिससे मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई. इसके साथ ही मंगलवार को शहर और उसके आसपास के जलभराव वाले इलाकों में फंसे लोगों को बचाने के लिए नौकाओं और ट्रैक्टर का इस्तेमाल किया गया. मंगलवार को सुबह से बारिश का असर कम रहा, जिससे अधिकारियों को बचाव और राहत कार्य तेज करने के लिए समय मिल गया है. कांचीपुरम में चक्रवात मिचौंग के कारण भारी बारिश के बाद जलजमाव वाले क्षेत्र से स्थानीय निवासियों को एनडीआरएफ कर्मियों द्वारा निकाला जा रहा है. - फोटो: पीटीआई

आओ जानें

2023 में दुनिया के सबसे सुरक्षित शहर

टोक्यो	मैड्रिड
गापुर	दुबई
ओसाका	रोम
एम्स्टर्डम	इस्तांबुल
सिडनी	मास्को
टोरंटो	मुंबई
वाशिंगटन डी.सी.	जकार्ता
कोपेनहेगन	काहिरा
सियोल	
मेलबर्न	
स्टॉकहोम	
वेलिंगटन	
हांगकांग	

नोट : किसी शहर की सुरक्षा को मापने के लिए, इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट के सुरक्षित शहर सूचकांक (एससीआई) का उपयोग किया जाता है.

चंद्रयान-3 के प्रणोदन मॉड्यूल पृथ्वी की कक्षा में स्थापित

भाषा। बेंगलुरु

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 के प्रणोदन मॉड्यूल (पीएम) को एक अनोखे प्रयोग के तहत चंद्रमा के आसपास की एक कक्षा से पृथ्वी के आसपास की एक कक्षा में स्थापित किया है. चंद्रयान-3 मिशन का प्रमुख उद्देश्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र के समीप सॉफ्ट लैंडिंग करना और लैंडर 'विक्रम' तथा रोवर 'प्रज्ञान' पर उपलब्ध उपकरणों का इस्तेमाल कर नए-नए प्रयोग करना था. इस अंतरिक्ष यान का एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 14 जुलाई 2023 को प्रक्षेपण किया गया था.

लैंडर विक्रम ने 23 अगस्त को चंद्रमा की सतह पर ऐतिहासिक लैंडिंग की थी और इसके बाद प्रज्ञान को उतारा गया था. इसरो ने एक बयान में कहा कि चंद्रयान-3 मिशन के उद्देश्यों को पूरी तरह हासिल कर लिया गया है. इसमें कहा गया है कि प्रणोदन मॉड्यूल का प्रमुख उद्देश्य जियोस्टेशनरी ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) से लैंडर मॉड्यूल को चंद्रमा की अंतिम ध्रुवीय गोलाकार कक्षा तक पहुंचाना और लैंडर को अलग करना था. अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अलग करने के बाद प्रणोदन मॉड्यूल में पेलोड 'स्पेक्ट्रो-पोलरीमेट्री ऑफ हैबिटेबल प्लेनेट अर्थ' को भी संचालित किया गया. उसने बताया कि शुरुआती योजना इस पेलोड को पीएम के जीवनकाल के दौरान करीब तीन महीने तक संचालित करनी थी लेकिन चंद्रमा की कक्षा में काम करने के एक महीने से भी अधिक समय बाद पीएम में 100 किलोग्राम से अधिक ईंधन उपलब्ध रहा.

खास बातें

- उपकरणों का इस्तेमाल कर नए प्रयोग करना था
- लैंडर ने 23 अगस्त को चंद्रमा पर लैंडिंग की थी

ब्रीफ खबरें

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ ईडी ने मारे छापे

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ धन शोधन की जांच के सिलसिले में मंगलवार को हरियाणा तथा राजस्थान में कई स्थानों पर छापे मारे. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. केंद्रीय जांच एजेंसी धन शोधन रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत की जा रही जांच में दो राज्यों में करीब 12 स्थानों पर तलाशी ले रही है. लॉरेंस बिश्नोई अभी जेल में बंद बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या मामले के आरोपियों में से एक है. राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने गैंगस्टर के खिलाफ प्राथमिकियां दर्ज की हैं.

कश्मीर में ठंड बढ़ी पारा शून्य से नीचे

श्रीनगर। कश्मीर में घाटी के ज्यादातर हिस्सों में पारा शून्य से नीचे चले जाने के साथ ही ठंड का प्रकोप बढ़ गया है. अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अमरनाथ यात्रा के आधार शिविरों में शामिल दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम में पारा शून्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया. यह सोमवार रात को घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा. बारामूला जिले में गुलमर्ग में तापमान शून्य से 2.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया जबकि श्रीनगर में पांच दिन में पहली बार न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया.

केरल में महिलाओं के प्रति क्रूरता के मामले बढ़े

तिरुवनंतपुरम। केरल में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में वर्ष 2020 से 2022 के बीच वृद्धि हुई है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक अपराध के अधिकतर मामले महिलाओं की गरिमा को आहत करने तथा उनके पतियों या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के थे. आंकड़ों के मुताबिक, केरल में महिलाओं के खिलाफ 2020 में अपराध के 10,139 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2022 में बढ़कर 15,213 हो गए. इसमें कहा गया है कि 15,213 मामलों में से 4,998 मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के थे.

थाईलैंड में बस दुर्घटना में 14 की मौत

बैंकॉक। पश्चिमी थाईलैंड में मंगलवार को तड़के एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 14 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा प्रचुआप खिरी खान प्रांत में उस वक्त हुआ जब बस बैंकॉक से सुदूर दक्षिण में सोंगखला प्रांत की ओर जा रही थी. बस में 49 लोग सवार थे. अचानक बस सड़क से हटकर हाट वानाकोर्न नेशनल पार्क के पास एक पेड़ से टकरा गयी. प्रचुआप खिरी खान प्रांत थाईलैंड और म्यांमा की खाड़ी के बीच फैले तट पर स्थित है.

शीतकालीन सत्र : भाजपा सदस्य ने की स्टालिन को बर्खास्त करने की मांग

संसद में उठा सनातन का मुद्दा

भाषा। नयी दिल्ली

विपक्षी दलों के नेताओं ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार द्वारा लाए जाने वाले विधेयकों तथा महंगाई, बेरोजगारी और जनहित के अन्य मुद्दों पर आगे की रणनीति को लेकर मंगलवार को चर्चा की. कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई बैठक में खड़गे के अलावा लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओब्रायन, द्रमुक के नेता तिरुची शिवा, आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा और समाजवादी पार्टी के एसटी हसन तथा कुछ अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए. वहीं, तमिलनाडु सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा पिछले दिनों सनातन धर्म को लेकर की गई टिप्पणी का मुद्दा राज्यसभा में उठाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्य ने द्रमुक नेता को राज्य सरकार से बर्खास्त करने व उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई. उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान भाजपा सदस्य जी वी एल नरसिम्हा राव ने कहा कि तमिलनाडु के एक मंत्री ने सनातन और हिन्दू धर्म के खिलाफ नफरती भाषण दिया है, जबकि उसी सरकार के एक अन्य मंत्री ने कहा है कि 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस' यानी 'इंडिया' गठबंधन के गठन का उद्देश्य ही सनातन धर्म का समाप्त करना है.

चुनाव नतीजे विपक्ष के लिहाज से निराशाजनक रहे

संसद सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले रविवार को चार राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे आये हैं जो विपक्ष के लिहाज से निराशाजनक रहे हैं. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है तो तेलंगाना में कांग्रेस ने जीत हासिल की. कांग्रेस ने सोमवार को कहा था कि वह संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में तीन आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाये गये विधेयकों, निर्वाचन आयुक्त विधेयक तथा तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के निष्कासन के कदम का विरोध करेगी.

तमिलनाडु ने राहत के लिए केंद्र से मांगे 5,000 करोड़

तमिलनाडु सरकार ने चेन्नई और राज्य के कुछ अन्य जिलों में लगातार बारिश से क्षतिग्रस्त हुए बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण और लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 5,000 करोड़ रुपये की अंतरिम केंद्रीय सहायता मांगी है. राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेता तिरुचि शिवा ने कहा कि भीषण चक्रवात 'मिचौंग के कारण भारी बारिश से चेन्नई और अन्य जिले जलमग्न हो गए हैं.

देश की आर्थिक स्थिति पर चर्चा होनी चाहिए

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि इस शीतकालीन सत्र में देश की आर्थिक स्थिति तथा सीमा पर हालात पर चर्चा होनी चाहिए. रक्षा मंत्री और लोकसभा में उप नेता राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गत शनिवार को हुई सर्वदलीय बैठक में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने मोइत्रा को सदन से निष्कासित करने का कोई भी निर्णय लेने से पहले आचार समिति की रिपोर्ट पर लोकसभा में चर्चा कराने की मांग की थी. विपक्षी नेताओं ने बैठक में, पुराने आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाये जा रहे तीन विधेयकों के अंग्रेजी में नाम, महंगाई, जांच एजेंसियों के दुरुपयोग और मणिपुर में हिंसा के मुद्दे पर चर्चा की मांग की थी.

खास बातें

- 'भारत विरोधी एजेंडा' आगे ले जाना चाहता है विपक्ष
- 'इंडिया' का उद्देश्य सनातन धर्म का समाप्त करना है

लोगों में नफरत पैदा करने की कोशिश

राव ने सवाल किया कि क्या इसी प्रकार का 'भारत विरोधी एजेंडा' विपक्षी गठबंधन आगे ले जाना चाहता है. उन्होंने कहा कि कर्नाटक सरकार के एक मंत्री और उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष के बेटे ने इन टिप्पणियों का समर्थन किया है. उन्होंने कहा कि यही 'इंडिया' गठबंधन का एजेंडा है. यह नफरती भाषण की श्रेणी में आते हैं. ऐसी टिप्पणियों के जरिए लोगों में नफरत पैदा करने की कोशिश की गई. राव ने कहा कि वह इसलिए तमिलनाडु सरकार से मांग करते हैं कि वह खुद ही उन मंत्रियों के खिलाफ मामला दर्ज करे, जिन्होंने सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी की है. उन्होंने कहा कि साथ ही इन मंत्रियों को भी राज्य सरकार से बर्खास्त किया जाए क्योंकि उन्होंने सार्वजनिक रूप से जो टिप्पणी की है वह संविधान के तहत ली गई शपथ की अवहेलना है.

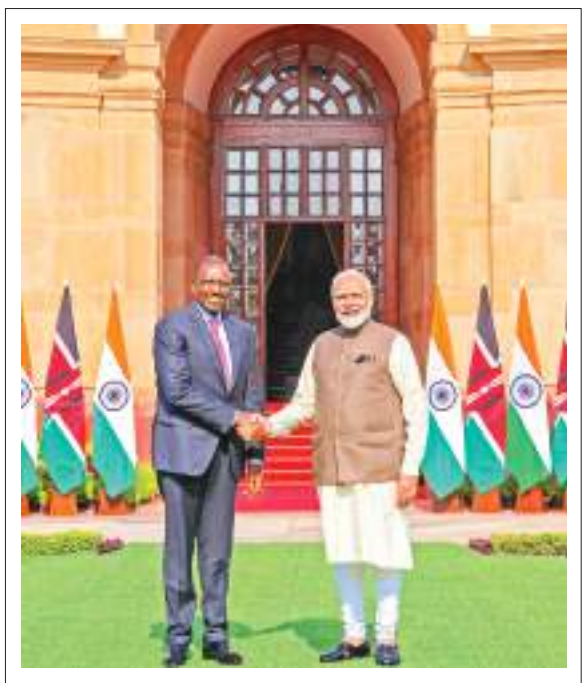

मंगलवार को नई दिल्ली में हैदराबाद हाउस में केन्या के राष्ट्रपति विलियम समोई रुटो के साथ पीएम मोदी. बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की यात्रा पर आए केन्याई राष्ट्रपति विलियम समोई रुटो के साथ व्यापक वार्ता के बाद केन्या को उसके कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए 25 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा देने के भारत के फैसले की घोषणा की है. -फोटो: पीटीआई

70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती

विपक्ष से लोग सावधान रहें : मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को आलोचकों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता की खुशफहमी में रह सकते हैं लेकिन लोगों को उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहना चाहिए क्योंकि 70 साल की पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती. प्रधानमंत्री सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट

पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे. उस पोस्ट का शीर्षक था 'मेल्टडाउन-ए-आजम' और इसमें राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा के सत्ता में आने के बाद हिंदी भाषी राज्यों में क्षेत्रीय विभाजन को भड़काने और मतदाताओं का अपमान करने के लिए 'बहाने' और 'पारिस्थितिकी तंत्र' के कथित प्रयासों का हवाला दिया गया है. पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली है.

मोदी ने पोस्ट में कहा कि वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता में खुश रहें. लेकिन, उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें.

ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन ने शामिल होने से किया था इनकार

इंडिया गठबंधन की आज की बैठक स्थगित

भाषा। नयी दिल्ली

मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की करारी हार का साइड इफेक्ट विपक्षी राजनीति पर साफ नजर आ रहा है. खबर आ रही है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा 6 दिसंबर, बुधवार को बुलाई गयी इंडिया गठबंधन की बैठक स्थगित कर दी गयी है. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि कई दलों के नेताओं द्वारा बैठक से दूरी बना लिये जाने के कारण कांग्रेस बैकफुट पर आ गयी और खड़गे को बैठक स्थगित करनी पड़ी.

खास बातें

- गठबंधन इंडिया में असमंजस की स्थिति
- परिणाम आया तो अहंकार भी खत्म हो गया

लालू यादव और तेजस्व का शामिल होना तय था

चुनाव परिणाम के बाद वाराणसी में उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश ने बिना नाम लिये कांग्रेस पर निशाना साधा था. कहा था कि परिणाम आ गया है, तो अहंकार भी खत्म हो गया. उसी समय संकेत मिल गये थे कि अखिलेश बैठक में नहीं जायेंगे. बिहार से खबर आयी थी कि नीतीश कुमार दिल्ली नहीं जायेंगे.

शरद पवार और उद्धव ठाकरे बैठक में शामिल होने वाले थे

राकांपा के शरद पवार और शिवसेना उद्धव गुट के उद्धव ठाकरे बैठक में शामिल होने वाले थे. 'इंडिया' बैठक को लेकर ममता ने कहा कि उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं थी, इसलिए नॉर्थ बंगाल में एक कार्यक्रम तय कर लिया था. इसलिए वे बैठक में शामिल नहीं हो पायेंगी. बैठक का पता होता, तो वह कार्यक्रम नहीं करती.

आरोप — चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से भारतीय लोकतंत्र को बचाने की लगायी गुहार

दिग्विजय सिंह ने हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ा

भाषा। नयी दिल्ली/भोपाल

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन हैक किये जाने से कांग्रेस मध्य प्रदेश में हारी. यह कहना है कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का. मध्य प्रदेश में कांग्रेस करारी हार के बाद दिग्विजय सिंह ने इसका ठीकरा फिर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर फोड़ दिया है. दिग्विजय के अनुसार पोस्टल बैलेट की गिनती में कांग्रेस 199 सीटों पर बढ़त बनाये हुए थी, लेकिन ईवीएम के वोटों से पिछड़ती चली गयी. दिग्विजय सिंह ने कहा है कि चिप वाली कोई भी मशीन हैक की जा सकती है. एक कदम आगे बढ़ कर दिग्विजय ने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से भारतीय लोकतंत्र को बचाने की गुहार लगाई है.

चिप वाली किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है

दिग्विजय ने सोमवार और मंगलवार को कई पोस्ट किये हैं. सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि ईवीएम उनकी पार्टी की हार का कारण है. कहा कि चिप वाली किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है.

दिग्विजय ने कहा कि वे 2003 से ही ईवीएम से वोटिंग किये जाने का विरोध करते आ रहे हैं. उन्होंने पूछा कि क्या इस बात की इजाजत दी जा सकती है कि भारतीय लोकतंत्र को पेशेवर हैकर्स नियंत्रित करें.

मूल सवाल का जवाब सभी राजनीतिक दलों को देना चाहिए : यह मूल सवाल है जिसका जवाब सभी राजनीतिक दलों को देना चाहिए. लिखा कि माननीय चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट, क्या आप कृपया हमारे लोकतंत्र की रक्षा कर सकते हैं? इस क्रम में दिग्विजय सिंह ने अपने ट्वीट के साथ एक पुराने लेख को शेयर किया है. इसमें कहा गया है कि भाजपा ने हार के लिए ईवीएम को जिम्मेदार बताया.दिग्विजय सिंह ने कहा पोस्टल बैलेट की गिनती में कांग्रेस को 230 में 199 सीटों पर बढ़त मिली थी. लेकिन अधिकतर सीटों पर ईवीएम गिनती में हम हार गया.

खास बातें

- ईवीएम मशीन कांग्रेस पार्टी की हार का कारण
- ईवीएम से वोटिंग कराने के पक्ष में नहीं थे दिग्विजय

गिरिराज सिंह ने कहा, जीतने पर सवाल नहीं उठाते

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दिग्विजय सिंह क आरोपों पर कहा कि वे (कांग्रेस) अपनी गलतियों पर बात नहीं करते हैं. ईवीएम पर सवाल उठाते हैं. कहा, विपक्ष तेलंगाना, हिमाचल की जीत पर चुप्पी साध जाता है. हारने पर ईवीएम पर दोष मढ़ देते हैं. वो तेलंगाना में जीत गये तो ईवीएम पर सवाल नहीं उठाये, पंजाब और हिमाचल की जीत पर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाये.

पाक के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विस्फोट, सात घायल

भाषा। पेशावर

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को एक 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) विस्फोट में चार बच्चों सहित सात लोग घायल हो गए.

पुलिस के हवाले से बताया कि विस्फोट प्रांतीय राजधानी पेशावर में एक स्कूल के पास सुबह करीब नौ बजकर दस मिनट पर हुआ. रिपोर्ट के मुताबिक, विस्फोट में सड़क के किनारे एक 'सीमेंटेड ब्लॉक' में रखे गए कम से कम चार किलोग्राम विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था. डॉन अखबार ने वारसाक के पुलिस अधीक्षक अरशद खान के हवाले से कहा कि विस्फोट की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया.

राजधानी रांची और आस-पास के इलाकों में सुबह से हो रही बूंदा-बांदी

मिचौंग का दिखने लगा असर आज और कल होगी बारिश

संवाददाता। रांची

चक्रवात मिचौंग का असर न सिर्फ ओडिशा-चेन्नई में दिख रहा, वरन झारखंड में इसका असर नजर आने लगा है. पूरे झारखंड में सोमवार से ही काले बादल छाने शुरू हो गए थे. कई स्थानों पर छिटपुट बारिश भी हुई. मंगलवार को भी बादल छाए रहे. राजधानी रांची सहित आस-पास के इलाकों में भी बूंदा-बांदी हो रही है. मौसम केंद्र के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि आठ दिसंबर तक बादल रहेंगे. इससे न्यूनतम तापमान चढ़ा रहेगा, जबकि बादल की वजह से अधिकतम तापमान गिर सकता है. राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य इलाके में बारिश हल्के से मध्यम दर्जे की होगी. इन हिस्सों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, सिमडेगा, रांची, खूंटी, रामगढ़, हजारीबाग जिला शामिल हैं.

रांची में मंगलवार को दिनभर छाए रहे काले बादल.

अलर्ट मोड में बिजली विभाग

चक्रवात मिचौंग को लेकर बिजली बोर्ड ने सभी एरिया बोर्ड के जीएम को पैनी नजर रखने का निर्देश दिया है. रांची एरिया बोर्ड के जीएम प्रभात कुमार श्रीवास्तव के सब स्टेशन में गैंग तैयार रखने व सभी सर्किल में क्रेन आदि की व्यवस्था पहले से ही है. किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बिजली कर्मी पूरी मुस्तैदी से तैनात रहेंगे.

तूफान अलर्ट

- राजधानी रांची में दिन में भी काला घना बादल छाया रहा
- मौसम केंद्र के वैज्ञानिक ने जारी किए हैं अलर्ट

मौसम विभाग ने किसानों को किया अलर्ट

मौसम विभाग ने किसानों के लिए अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि मिचौंग तूफान की वजह से हो रही बारिश होने के कारण फसल, फलों और सब्जियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है. इस बारिश से उनके दानों का झड़ना, फलों में दाग लगने की संभावना बढ़ सकती है. ऐसे में खेतों से जल निकासी की उचित व्यवस्था अवश्य करें.

चक्रवात से बचाव के लिए एनडीआरएफ की 29 टीम तैनात

नयी दिल्ली। चक्रवाती तूफान के मद्देनजर बचाव और राहत अभियान चलाने के लिए आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, तेलंगाना और पुडुचेरी में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की कुल 29 टीम तैनात की गयी हैं. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी. तमिलनाडु में एनडीआरएफ की 14 टीम (चेन्नई में पांच), आंध्र प्रदेश में 11, तेलंगाना में एक और पुडुचेरी में तीन टीम तैनात की गयी हैं. एनडीआरएफ के अधिकारी ने बताया, हमारा ध्यान आंध्र प्रदेश पर है, क्योंकि चक्रवात वहां समुद्र तट से टकराएगा और हवा की तेज रफ्तार के कारण कई पेड़ व खंभे उखड़ सकते हैं और अन्य बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचेगा, जिससे संचार और बिजली आपूर्ति अवरुद्ध हो जाएगी. उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ प्रभावित लोगों के लिए बचाव और राहत अभियान शुरू करने के लिए भी तैयार है. अधिकारी ने कहा कि लकड़ी व पोल कटर से लैस और नौकाओं के साथ बचाव दल पहले से ही तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों में मार्ग-साफ करने का काम कर रहे हैं, जहां मंगलवार सुबह चक्रवात ने कहर बरपाया था.

आओ जानें

6 दिसंबर का इतिहास

- 1732 : वारेन हेस्टिंग्स का जन्म. ब्रिटेन के आक्सफर्डशायर में जन्मे वारेन का नाम इतिहास में भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के पहले गवर्नर जनरल के तौर पर दर्ज है.
- 1907 : स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी लूट की पहली घटना चिंगरीपोटा रेलवे स्टेशन पर हुई. यह स्थान अब बांग्लादेश में है.
- 1917 : फिनलैंड ने खुद को रूस से स्वतंत्र घोषित किया.
- 1921 : ब्रिटिश सरकार और आयरिश नेताओं के बीच हुई एक संधि के बाद आयरलैंड को एक स्वतंत्र राष्ट्र और ब्रिटिश राष्ट्रमंडल का स्वतंत्र सदस्य घोषित किया गया.
- 1946 : भारत में होमगार्ड की स्थापना.
- 1956 : भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ, विद्वान शिक्षाविद् और संविधान के निर्माता डॉ॰ भीमराव आंबेडकर का निधन.
- 1978 : स्पेन में 40 साल के तानाशाही शासन के बाद देश के नागरिकों ने लोकतंत्र की स्थापना के लिए मतदान किया. यह जनमत संग्रह संविधान की स्वीकृति के लिए कराया गया.
- 1992 : अयोध्या में रामजन्मभूमि स्थल पर मंदिर की नींव रखने के लिए उमड़ी भीड़ ने बाबरी मस्जिद को गिरा दिया.
- 2007 : आस्ट्रेलिया के स्कूलों में सिख छात्रों को अपने साथ कृपाण ले जाने और मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने की इजाजत मिली.

सुबह से रिमझिम बारिश, किसान चिंतित

संवाददाता। चांडिल

चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में बंगाल की खाड़ी में उठे मिचौंग चक्रवात का असर दिखने लगा है. मंगलवार अहले सुबह से ही क्षेत्र में रिमझिम बारिश हो रही है. वैसे तूफान के कारण सोमवार से ही आसमान में बादलों का उमड़ना शुरू हो चुका था.आसमान में बादल छाए रहने के कारण मंगलवार को सुबह से सूरज दिखाई नहीं दिया. रिमझिम बारिश ने ठंड का अहसास कराया. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार ऐसी स्थित सात दिसंबर तक रहने की संभावना है. इस दौरान आसमान में बादल छाए रहेंगे और क्षेत्र में बारिश होगी. मौसम के करवट लेने के कारण न्यूनतम तापमान में गिरावट आएगी. मौसम के साफ होते ही ठंड बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है.

बारिश होने पर धान को होगा नुकसान

चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण हो रही बारिश के कारण किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें साफ झलक रही है. धान कटनी के बाद किसान अपनी फसल को खेतों में रखे हुए हैं. वहीं कई किसान धान की फसल को खेतों से उठाकर खलिहान पहुंचा चुके हैं. बारिश होने पर दोनों जगह रखे धान को नुकसान पहुंचने की संभावना जताई जा रही है.

हल्की बारिश के बाद तापमान में भारी गिरावट

किरीबुरु। मिचौंग तूफान का प्रारंभिक असर किरीबुरु-मेघाहातुबुरु व सारंडा जंगल क्षेत्र में दिखना शुरू हो गया है. सोमवार की रात से हल्की वर्षा व आसमान में छाये काले बादलों की वजह से ठंड में अचानक भारी वृद्धि देखी जा रही है. ठंड की वजह से सड़कों पर लोगों की गतिविधियां काफी कम देखी जा रही है. बारिश के बाद किरीबुरु का न्यूनतम तापमान घटकर 15 डिग्री पहुंच गया है व अधिकतम तापमान 19 डिग्री तक रहने की संभावना है. दिसंबर माह में भी इस वर्ष कड़ाके की ठंड की जगह गर्मी अथवा हल्की ठंड की स्थिति थी, लेकिन इस तूफान के बाद ठंड में भारी वृद्धि की संभावना जताई जा रही है.

चक्रवात का असर, दिनभर छाए रहे बादल, हुई बूंदाबांदी

संवाददाता। जमशेदपुर

बंगाल की खाड़ी में उठे मिचौंग चक्रवात के चलते शहर में मंगलवार सुबह से ही बादल छाए रहे. हल्की बूंदाबांदी होने के कारण कनकनी का अहसास किया गया. दिनभर बारिश की भी संभावना बनी हुई थी. 7 दिसंबर तक बारिश हो सकती है. 6 और 7 दिसंबर को वज्रपात को लेकर भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है. मौसम वैज्ञानिक डॉ अभिषेक आनंद के अनुसार चक्रवात का असर पूरे राज्य में दिखेगा. पूरे कोल्हान में बादल छाए रहेंगे. हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी. कहीं भी भारी बारिश की संभावना नहीं है. न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी. दिन के तापमान में गिरावट आएगी.

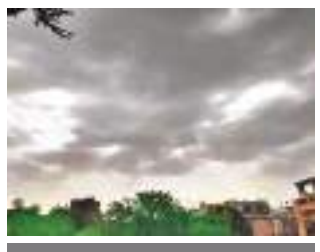

8 दिसंबर के बाद साफ होगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार 8 दिसंबर के बाद पूरे झारखंड का मौसम साफ हो जाएगा. इसके बाद नौ दिसंबर सुबह से ही न्यूनतम तापमान का पारा नीचे गिरेगा और ठंड बढ़ेगी. न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस गिरेगा. जानकारी हो कि बंगाल की खाड़ी में लगातार बन रहे निम्न दबाव और पश्चिमी विक्षोभ के असर के कारण शहर में दिसंबर माह में ठंड का असर काफी कम है.

मिचौंग चक्रवात का घाटशिला में भी दिखा असर

घाटशिला में बारिश से किसान मायूस

संवाददाता। घाटशिला

बंगाल की खाड़ी में उठे मिचौंग चक्रवात का असर घाटशिला प्रखंड क्षेत्र में दिखने लगा है. मंगलवार की सुबह से ही रिमझिम बारिश हो रही है. आसमान में बादल छाए रहने के कारण मंगलवार की दोपहर तक सूरज नहीं निकला. रिमझिम बारिश के कारण ठंड का अहसास होने लगा है. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार एक दो दिन तक आसमान में बादल छाए रहेंगे. रिमझिम बारिश के कारण किसानों की चिंता बढ़ा दी है. क्षेत्र में धान की कटाई शुरू हो गई है. बारिश से काफी नुकसान होने की संभावना है. इस संबंध में प्रखंड के कलाझोर गांव के किसान काला चंद्र सरकार ने बताया कि इस तरह की बारिश के कारण धन को काफी नुकसान पहुंचेगा. कुछ जगह पर खेतों में धान काट कर खेत में ही रखा हुआ है. बारिश के कारण धन पूरी तरह खराब हो सकता है. मौसम की बेरुखी के कारण देर से धान की खेती शुरू की गयी. अब कटाई के समय फिर से मौसम की मार किसानों को झेलनी पड़ रही है. दोहरी मार से किसानों की कमर टूट गई है.

खास बातें

- घाटशिला में मंगलवार को सूरज के दर्शन नहीं हुए
- अचानक मौसम बदलने से ठंड में बढ़ोतरी हुई

कॅरियर-काउंसिलिंग

बीसीए के बाद इन कोर्सों की पढ़ाई कर बना सकते हैं अपना कॅरियर

बैचलर इन कंप्यूटर अप्लिकेशन यह तीन वर्षीय कंप्यूटर एप्लीकेशन का अंडरग्रेजुएट कोर्स है. इसमें 6 सेमेस्टर होते हैं. बीसीए कोर्स उन स्टूडेंट्स के लिए काफी अच्छा है, जो आईटी सेक्टर या कंप्यूटर साइंस में अपना कॅरियर बनाना चाहते हैं. इसके अंतर्गत डाटाबेस, डेटा स्ट्रक्चर, नेटवर्किंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज जैसे C+, C++, जावा आदि की जानकारी दी जाती है...

इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी मैनेजमेंट (आईएसएम)

इंफॉरमेशन सिक्योरिटी मैनेजमेंट (आईएसएम) एक मास्टर डिग्री प्रोग्राम है. यह कोर्स मुख्य रूप से डाटा प्रोटेक्शन सॉफ्टवेयर सीखने पर केंद्रित है. बीसीए करने के बाद यह कोर्स एक अच्छा विकल्प है. आईएसएम के बाद अच्छी सैलरी के साथ कॅरियर के काफ़ी विकल्प मौजूद हैं.

मास्टर्स इन कंप्यूटर एप्लीकेशन

बीसीए के बाद मास्टर्स के लिए सबसे लोकप्रिय कोर्सेज में से एक एमसीए है. मास्टर्स ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए) एक पोस्टग्रेजुएट कोर्स है, जिसकी अवधि 2 साल होती है. इस कोर्स के अंदर छात्रों को कंप्यूटर प्रोग्राम, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, कंप्यूटर आर्किटेक्चर, ऑपरेटिंग सिस्टम आदि के बारे में पढ़ाया जाता है. एमसीए कोर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, आईटी स्किल और ऐसे ही अन्य कांसेप्ट की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है.

एमसीए करने के बाद कॅरियर विकल्प

- सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- टेस्ट इंजीनियर
- नेटवर्क इंजीनियर
- क्वालिटी एश्योरेंस इंजीनियर
- सॉफ्टवेयर सलाहकार
- सिस्टम एनालिस्ट
- डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर
- प्रोग्रामर

बीसीए के बाद टॉप कोर्स एमसीए

- एमआईएम
- एमसीएम
- आईएसएम
- एमबीए
- पीजीपीसीएस

मास्टर्स इन इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट (एमआईएम)

मास्टर्स इन इंफॉरमेशन मैनेजमेंट (एमआईएम) बीसीए के बाद किए जाने वाले सबसे लोकप्रिय कोर्सेज में से एक है. एमआईएम कोर्स में आईटी मैनेजमेंट से संबंधित टेक्निकल विषयों का अध्ययन शामिल है. बिजनेस एनालिटिक्स, डाटा वेयरहाउसिंग, साइबर सिक्योरिटी मैनेजमेंट आदि जैसे विषय एमआईएम के टेक्निकल कोर हैं. एमआईएम के बाद आईटी सेक्टर में कॅरियर के कई विकल्प है.

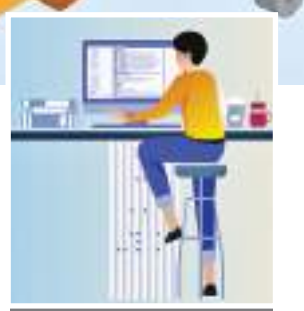

एमआईएम के बाद कॅरियर विकल्प

- सिस्टम एनालिस्ट्स
- वीडियो गेम डिज़ाइनर
- एमआईएस डायरेक्टर
- मैनेजमेंट कंसल्टेंट
- कंप्यूटर नेटवर्क आर्किटेक्ट्स
- आईटी एडवाईजर
- वेब डिजाइनर
- चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर
- मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपर
- आईएस/आईटी मैनेजर

मास्टर्स इन कंप्यूटर मैनेजमेंट (एमसीएम)

मास्टर्स इन कंप्यूटर मैनेजमेंट (एमसीएम) एक पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम है, जो सॉफ्टवेयर और मैनेजमेंट के क्षेत्र में कौशल प्रदान करता है. यह कोर्स छात्रों को इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में आने वाले चेंज से डील करने के लिए तैयार करता है. एमसीएम कोर्स में छात्रों को सॉफ्टवेयर प्रोग्रामिंग, ई-कॉमर्स फंडामेंटल, डेटाबेस एप्लिकेशन, बिजनेस एप्लिकेशन, सॉफ्टवेयर प्रोजेक्ट मैनेजमेंट आदि की शिक्षा प्रदान की जाती है. यह कोर्स छात्रों को IT सेक्टर में करियर बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है.

एमसीएम के बाद कॅरियर विकल्प

- कंप्यूटर सिस्टम एनालिस्ट्स
- इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एनालिस्ट
- डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर
- कंप्यूटर साइंटिस्ट
- कम्प्यूटर प्रेजेंटेशन स्पेशलिस्ट
- चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर
- कंसल्टेंट्स
- प्रोजेक्ट लीडर
- सॉफ्टवेयर पब्लिशर
- नोटिफिकेशन सिस्टम मैनेजर

आईएसएम के बाद कॅरियर विकल्प

- चीफ इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी ऑफिसर
- नेटवर्क सिक्योरिटी इंजीनियर
- इंसिडेंट रेस्पॉन्डर
- सिक्योरिटी आर्किटेक्ट
- इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एनालिस्ट
- सिक्योरिटी डायरेक्टर

एमबीए

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन(एमबीए) एक 2 वर्षीय पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम है. यह कोर्स सबसे ज्यादा पॉपुलर मास्टर डिग्री प्रोग्राम है. इसके अंतर्गत प्रिंसिपल ऑफ़ एकाउंटिंग, मैक्रो एंड मैक्रोइकॉनॉमिक्स, ओर्गनइजेशनल बिहेवियर , बिज़नेस लॉ आदि जैसे विषयों के कोर कोर्स के साथ-साथ इलेक्टिव कोर्स जिनमें फाइनेंस, मार्केटिंग, एचआर, आईटी और कई अन्य विषय शामिल हैं. एमबीए आईटी और मैनेजमेंट इंडस्ट्री में टॉप मैनेजरियल पोजिशन के लिए छात्रों को तैयार करता है.

एमबीए के बाद कॅरियर विकल्प

एमबीए के बाद मिलने वाले कॅरियर विकल्प

- बिज़नेस/आईटी अलाईंगमेन्ट
- चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर
- बिज़नेस एनालिस्ट
- आईटी डायरेक्टर
- चीफ इन्फॉर्मेशन ऑफिसर
- लॉजिस्टिक्स मैनेजर
- आईटी एडमिनिस्ट्रेशन
- सप्लाई चेन मैनेजर
- मार्केट रिसर्च एनालिस्ट
- इन्वेंट्री कंट्रोल मैनेजर

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन

पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमो इन कंप्यूटर एप्लीकेशन (पीजीडीसीए) एक 1 वर्षीय डिप्लोमा प्रोग्राम है, जो उन ग्रेजुएट छात्रों के लिए डिज़ाइन की गयी है, जो कंप्यूटर एप्लीकेशन में रुचि रखते हैं. इसके अंतर्गत बैंकिंग, इन्शोरेंस और एकाउंटिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कंप्यूटर एप्लीकेशन के बारे में सिखाया जाता है. यह प्रोग्राम छात्रों को कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रोफेशनल नॉलेज साथ ही कंप्यूटर साइंस कर साथ टेक्निकल, प्रोफेसनल और कम्युनिकेशन स्किल में स्पेशलाइजेशन प्रदान करता है. पीजीडीसीए प्रोग्राम छात्रों को कंप्यूटर टेक्नोलॉजी इंडस्ट्री में अच्छी सैलरी वाली नौकरी हासिल करने में मदद करता है.

पीजीडीसीए के बाद कॅरियर विकल्प

- **सॉफ्टवेयर इंजीनियर और आईटी एडवाइज़र**
- **कंप्यूटर प्रोग्रामर और एनालिस्ट**
- **इंटरफ़ेस इंजीनियर**
- **जावा डेवलपर**
- **प्रोजेक्ट मैनेजर**
- **इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी एनालिस्ट**

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)